ISSN 2349-6614

अप्रैल 2025

मूल्य 50 रु

प्रत्यूष

हिन्दी मासिक पत्रिका

‘यह अंतरिक्ष में सबसे लम्बा मिशन नहीं, लेकिन निश्चित रूप से एक चुनौतीपूर्ण अनुभव था।’

मेवाड़ की परम्पराओं के पोषक श्रीजी अरविंद सिंह मेवाड़

शत-शत वंदन

Technology Services
ARCGATE
The convergence of Big Data, Cloud, Mobile and Artificial Intelligence (AI)
is transforming enterprises, industries, and the world. And it is just the start.
The products that we have helped build over the years are probably in your pocket.
Dictionary.com is the top reference app in the world
Moneycontrol.com is the top financial app in India
Firstpost iPad app is a Webby Award winner News app
We leverage technology to create solutions that make a true impact.
We build a range of applications leveraging the full benefits of modern architectures, continuous delivery practices and cloud-enabled platforms.
We are an experienced development partner that you can rely on to deliver cost-effective full-cycle custom software development services.
G1-11, I.T.Park, M.I.A. (Extn.)
Udaipur – 313003 Rajasthan, India
Contact : +91 77420 92381, +91 77420 92382Rajasthan

अप्रेल 2025 वर्षः 22 अंकः 12

प्रत्यूष

मूल्य 50 रू
वार्षिक 600 रू

'प्रत्यूष' के प्रेरणा स्रोत मात श्रीमती प्रमिला देवी शर्मा एवं
तात श्री आनन्दी लाल जी शर्मा
प्रत्यूष परिवार का शत्-शत् नमन चरणों में पुष्प समर्पण

प्रधान सम्पादक विष्णु शर्मा हितैषी

सम्पादक रेणु शर्मा

विपणन प्रबंधक नितेश कुमार, नंदकिशोर मदन, भूमिका, उषा चन्द्रप्रभा, संगीता

टाइप सेटिंग जगदीश सालवी

सलाहकार मण्डल
गोपाल शर्मा (गोपजी), वैभव गहलोत
पवन खेड़ा, नीरज डांगी
कुलदीप इंदौरा, कृष्णकुमार हरितवाल
धीरज गुर्जर, अभय जैन
लालसिंह झाला, ओम शर्मा
अजय गुर्जर, आदित्य नाग
हेमंत भागवानी, डॉ. राव कल्याणसिंह
अशोक तम्बोली, सुंदरदेवी सालवी

चीफ रिपोर्टर : उमेश शर्मा

जिला संवाददाता
बांसवाड़ा - अनुराग चेलावत
चित्तौड़गढ़ - संदीप शर्मा
नाथद्वारा - लोकेश दवे
डूंगरपुर - सारिका राज
राजसमंद - कोमल पालीवाल
जयपुर - राव संजय सिंह
मोहसिन खान

प्रत्यूष में प्रकाशित सामग्री में व्यक्त विचार लेखकों के अपने हैं, इनसे संस्थापक-प्रकाशक का सहमत होना आवश्यक नहीं है।

सर्व विवादों का न्याय क्षेत्र उदयपुर होगा।

प्रत्यूष
हिन्दी मासिक पत्रिका
प्रकाशक - संस्थापक :
Pankaj Kumar Sharrma
''रक्षाबंधन'', धानमण्डी, उदयपुर-313 001

अंदर के पृष्ठों पर...

इबादत

ईदः इंसानियत का पैगाम
पेज 12

युग प्रवर्तक

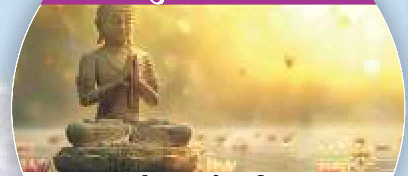

कर्म फल से नहीं बच सकता कोईः महावीर
पेज 14

इनसाइड स्टोरी

हाशिए पर ढकेले कांग्रेस से आए आप के मिश्रा को रिटर्न गिफ्ट
पेज 18

लोकोत्सव

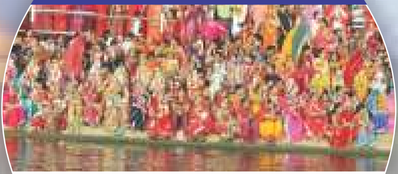

अखण्ड सुहाग की कामना का व्रत गणगौर
पेज 24

बागवानी

बगिया को बनाएं सब्जियों से भरपूर
पेज 33

कार्यालय पता : 2, 'रक्षाबन्धन' धानमण्डी, उदयपुर (राज)
दूरभाष एवं फैक्सः 0294-2427703 वाट्सएप 9414077697
मोबाइल : 94141-57703(विज्ञापन), वाट्सएप 75979-11992(समाचार-आलेख), 98290-42499(वाट्सएप), 94141-66737
Email:pankajkumarsharma2013@gmail.com, Visit us at: www.pratyushpatrika.com

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, संस्थापक, स्वामी पंकज शर्मा की ओर से मुद्रक आशीष बापना द्वारा मैसर्स पायोराइट प्रिन्ट मीडिया प्रा. लि. एम.आई.ए., उदयपुर से मुद्रित तथा 'रक्षाबन्धन' धानमण्डी उदयपुर से प्रकाशित।

गणपतनाथ चौहान,
डायरेक्टर
हार्दिक शुभकामनाओं सहित
पार्श्वनाथ ड्रीम होम्स
QUALITY AND LUXURY FLATS
जीवन के सुंदर पलों को बिताएं
पार्श्वनाथ ड्रीम होम्स में
फ्लैट मात्र
24.11 Lakh 2 BHK
19.11 Lakh 1 BHK
+91 8875345555
+91 8875615999
Ganpati Enclave
NH-76 Debari Chauraha
Udaipur Rajasthan

युद्ध विराम में अमरीकी 'चौधराहट'

शांति की उम्मीद में 28 फरवरी को वाशिंगटन प्रवास के दौरान यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जलेंस्की ने अमरीकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप से व्हाइट हाउस में हुई तीखी व अमर्यादित तकरार को भले ज्यादा तूल नहीं दिया, लेकिन दूसरी बार राष्ट्रपति बने ट्रंप की चौधराहट और हर दिन नई परम्परा और परिपाटी से पूरी दुनिया सकते में है।

ओवल ऑफिस में राष्ट्रपति ट्रम्पऔर यूक्रेनी राष्ट्रपति जेलेंस्की के बीच जैसी बहस हुई, उसे पूरी दुनिया ने देखा। अपने समकक्ष को ट्रंप की फटकार और दबाव की परवाह किए बिना जेलेंस्की ने जिस तरह से आंखों में आंखें डालकर अपनी बात रखी, वह काबिल-ए-तारीफ है। जेलेंस्की दुनिया के स्वयंभू चौधरी ट्रंप के सामने झुके नहीं। पूरी बातचीत के दौरान उनके निडर और साहसिक बॉडी लैंग्वेज ने सबको न केवल चौंकाया, बल्कि कायल कर दिया। पूरा विश्व चाहता है कि रूस और यूक्रेन के बीच पिछले तीन वर्षों से चल रहे युद्ध की समाप्ति हो, लेकिन जेलेंस्की ने यूक्रेन के हितों व सम्मान के मद्देनजर सही कहा कि दबाव में लाने के बजाय हमारी सुरक्षा की गारंटी ज्यादा महत्वपूर्ण है। राष्ट्रपति ट्रंप के समझौते के प्रस्ताव पर जेलेंस्की का यह लाजवाब जवाब कि सम्मान बेचने से बेहतर है, मिट्टी में मिल जाना, सबसे ज्यादा कायल करने वाला है। उनके तेवर आत्मविश्वास से भरे थे। भले ही यूक्रेन के राष्ट्रपति का डंका विश्व में न बज रहा हो, मगर उन्होंने अपनी सत्य निष्ठा और देशप्रेम के बल पर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के घर में अपना डंका जरूर बजा दिया। जेलेंस्की से भारत सहित अन्य देशों को यह सबक लेना चाहिए कि देशहित व सम्मान सबसे पहले है, न कि निजी मामले। यूक्रेनी राष्ट्रपति ने अपने देश के सम्मान पर धब्बा नहीं लगने दिया।

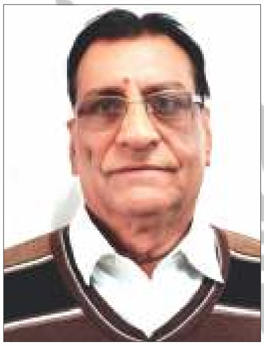

हालांकि दोनों नेताओं के बीच का यह वाक् युद्ध अंतरराष्ट्रीय कूटनीति के इतिहास का विषय हो गया है, लेकिन इतिहास का हिस्सा बनने से पहले यह अपने पीछे कुछ ऐसे अनुत्तरित प्रश्न छोड़ गया है। जो आने वाले दिनों में विमर्श के केन्द्र में होंगे। सबसे बड़ा और सबसे अहम प्रश्न यह है कि अनायास घटे इस घटनाक्रम के बाद यूक्रेन का क्या होगा ? दूसरा ट्रंप के युद्ध विराम समझौते से हाथ खींच लेने के बाद रूस-यूक्रेन युद्ध किस दिशा में जाएगा ? तीसरा यूक्रेन के जिन संसाधनों पर कब्जा करने की नियत से ट्रंप समझौते पर आगे बढ़ रहे थे, अब उसे कैसे पटरी पर लाएंगे ? दरअसल ट्रंप के सत्ता में आने के बाद से यूक्रेन युद्ध का मुद्दा लगातार चर्चा के केन्द्र में है। ट्रंप के इस एजेंडे में प्रतिदिन नए डवलपमेंट हो रहे हैं।

यह बहुत दुखद है कि पहले अमेरिका के नेतृत्व में यूक्रेन को मुकाबले के लिए प्रेरित किया गया। यूक्रेन को नाटो में शामिल करने के लिए अमेरिका भी लालायित था, जबकि यूक्रेन के नाटो में शामिल होने की कोशिश ने ही रूस को हमले के लिए उकसाया। दोनों देश तीन साल से लड़ रहे हैं। इसमें कोई शक नहीं है कि हार-जीत का फैसला बहुत असहज और मुश्किल है, अत: ऐसा युद्ध विराम जरूरी है, ताकि कोई देश अपमानित न हो और न कोई देश जीत के गर्व से भर जाए। अब समय आ गया है, पुतिन को भी युद्ध रोकने के लिए मानवीय दृष्टि का परिचय देना चाहिए। उन्हें ईमानदारी से समझना होगा कि वहां लड़ने के लिए जवानों की कमी पड़ने लगी है। अमेरिका के लिए यह जरूरी है कि वह दुनिया में एक अविश्वसनीय सहयोगी के रूप में पहचान न बनाए। सबसे पुराने आधुनिक लोकतांत्रिक देश अमेरिका के प्रति यदि अविश्वास बढ़ा तो दुनिया तो घाटे में रहेगी ही, उसे खुद भी इसकी कीमत चुकानी होगी।

यूक्रेन-रूस युद्ध रोकने की तेज कवायद पर सबकी निगाहें टिकी हैं, तो यह सुखद भी है और स्वागतयोग्य भी। दरअसल, वह जन दबाव ही है, जो युद्ध के खिलाफ सक्रिय है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप हो या रूसी राष्ट्रपति ब्लादिमीर पुतिन या यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की, ये तीनों नेता कहीं न कहीं युद्ध से निकलने की राह तलाश रहे हैं। दुनिया में नई बात यह हुई कि अमेरिका से सहयोग लिए बिना यूरोपीय देश मिलकर युद्ध रोकने का सम्मानजनक रास्ता ढूंढ रहे हैं। लंदन में यूक्रेन रक्षा शिखर सम्मेलन के बाद ब्रिटिश प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर ने दो टूक कहा है कि यूरोपीय राष्ट्र इतिहास के चौराहे पर खड़े हैं और उन्हें यह समझना चाहिए कि यह केवल संवाद नहीं, बल्कि कार्रवाई करने का समय है। वाकई युद्ध रोकने की सम्मानजनक राहत खोजना आज समय की मांग है। डोनाल्ड ट्रंप चाहते हैं कि यूक्रेन स्वयं आगे बढ़कर युद्ध रोकने की घोषणा करे, पर युद्ध का ऐसे रुकना संभव नहीं होगा। रूस-यूक्रेन युद्ध के तीन साल पूरे हो गए हैं। इस जंग में अब तक दोनों देशों के दो लाख से ज्यादा सैनिक मारे जा चुके हैं। आठ लाख सैनिक घायल हुए हैं। यूक्रेन के एक करोड़ से ज्यादा लोग बेघर हो चुके है। इनमें 20 लाख बच्चे हैं, जो इस युद्ध की त्रासदी से जूझ रहे हैं।

रेखा से बंधी उम्मीद की डोर सामने खड़ा चुनौतियों का पहाड़

सनत जोशी

छात्रसंघ से सरकार तक का सफर

- 1996 – दिल्ली विश्वविद्यालय छात्र संघ की अध्यक्ष बनीं।
- 2002 – प्रदेश मंत्री, भारतीय जनता युवा मोर्चा
- 2006 – राष्ट्रीय सचिव, भारतीय जनता युवा मोर्चा
- 2007 – निगम पार्षद, उत्तरी पीतमपुरा (वार्ड नं. 54)
- 2009 – महामंत्री, भाजपा दिल्ली प्रदेश महिला मोर्चा
- 2010 – राष्ट्रीय कार्यकारिणी की सदस्य चुनी गई
- 2015 – शालीमार बाग विधानसभा सीट से चुनाव लड़ा
- 2021 – राष्ट्रीय उपाध्यक्ष, भाजपा महिला मोर्चा, प्रभारी भाजपा उत्तर प्रदेश महिला मोर्चा
- 2022 – शालीमार बाग क्षेत्र से निगम पार्षद चुनी गई
- वर्तमान में महिला मोर्चा उपाध्यक्ष एवं मुख्यमंत्री

रेखा गुप्ता पहली बार विधायक बनी और सीधे दिल्ली के मुख्यमंत्री पद पर विराजमान हो गई। नरेंद्र मोदी जब 2001 में गुजरात के मुख्यमंत्री बने थे तो वे विधानसभा के सदस्य भी नहीं थे। प्रधानमंत्री भी वे लोकसभा का पहला चुनाव जीतने के साथ ही बन गए। लिहाजा उन्होंने नए लोगों को बड़ा पद देने का यही प्रयोग भाजपा में शुरू से ही लागू कर दिया। पहला चुनाव हरियाणा में हुआ और भाजपा ने अपने बूते सरकार बनाई तो पहली बार के विधायक मनोहर लाल खट्टर को मिला मुख्यमंत्री का पद। अनिल विज, रामविलास शर्मा और कैप्टन अभिमन्यु जैसे तमाम धुरंधर रह गए। गुजरात में विजय रूपाणी को हटाकर पहली बार के विधायक भूपेंद्र पटेल को मुख्यमंत्री पद सौपकर इस प्रयोग को दोहराया गया। राजस्थान में भजनलाल शर्मा भी पहली बार के विधायक हैं। दिल्ली में विजेंद्र गुप्ता, प्रवेश वर्मा और छह बार के विधायक मोहन सिंह बिष्ट तक को मौका नहीं मिला। पहली बार की विधायक रेखा गुप्ता के सिर पर ही मुख्यमंत्री का ताज सजा।

रेखा गुप्ता छात्र जीवन से ही राजनीति में सक्रिय रही हैं। दिल्ली विश्वविद्यालय में छात्र संघ की अध्यक्ष और दिल्ली नगर निगम की पार्षद वह रह चुकी हैं। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ से उनके करीबी संबंध हैं। उनके लिए मुख्यमंत्री पद काफी चुनौतीपूर्ण साबित हो सकता है। पहली चुनौती तो वरिष्ठ नेताओं का साथ लेकर सरकार चलाने की होगी। यह सही है कि आरएसएस और भाजपा हाईकमान का साथ उनको मिला है, लेकिन दिल्ली में ऐसे कई वरिष्ठ नेता थे, जो मुख्यमंत्री पद की कुर्सी को हसरत भरी निगाहों से देख रहे थे।

दिल्ली में अप्रैल में दिल्ली नगर निगम के मेयर का चुनाव होना है और यह चुनाव इसलिए भी खास है, क्योंकि 'ट्रिपल-इंजन की सरकार' बनने के दावे जोर-शोर से हो रहे हैं। बेशक, दिल्ली के मुख्यमंत्री की एमसीडी चुनावों में सीधी सहभागिता नहीं होती, लेकिन उन पर यह चुनाव जिताने की जिम्मेदारी जरूर होगी। ऐसे में, यह देखना होगा कि रेखा गुप्ता इस चुनाव में कितनी सफल हो पाती हैं? दूसरी चुनौती, दिल्ली वालों की उम्मीदों को पूरा करने की है। भाजपा 27 साल बाद यहां सत्ता में लौटी है। दिल्ली भले ही एक छोटा राज्य है, लेकिन इसका प्रभाव पूरी दुनिया में है। यहां 3.4 करोड़ लोग बसते हैं और आबादी की दृष्टि से यह विश्व का दूसरा सबसे बड़ा शहर है दिल्ली ने इस चुनाव में एक 'ट्रेंड' सेट किया है। पहले भावनात्मक मुद्दों पर मत डाले जाते थे, लेकिन दिल्ली वालों ने इस बार ऐसे मुद्दों को नकारकर वायु और जल प्रदूषण जैसे मुद्दों पर वोट दिया। भाजपा और नई मुख्यमंत्री पर यह दबाव रहेगा कि वह दिल्ली को एक मिसाल के रूप में पेश करें। यमुना की सफाई को लेकर की जा रही नई पहल इसी की एक कड़ी है। इस नदी के पानी को साफ करना होगा। लिहाजा, निर्मल और स्वच्छ यमुना बनाने की समय-सीमा और कार्य-योजना नई मुख्यमंत्री को जनता के सामने जल्द पेश करनी होगी। वायु प्रदूषण को लेकर भी यही बात कही जा सकती है। इन पर महिला होने का भी एक अतिरिक्त दबाव होगा। दरअसल, वह दिल्ली की चौथी महिला मुख्यमंत्री हैं। उनसे पूर्व सुषमा स्वराज, शीला दीक्षित और आतिशी इस जिम्मेदारी का कुशलतापूर्वक निर्वाह कर चुकी हैं।

इन सबके बीच नई मुख्यमंत्री के सामने फ्रीबीज यानी मुफ्त की योजनाओं से पार पाने की भी चुनौती होगी। आम आदमी पार्टी की रणनीति का तोड़ निकालते हुए भाजपा ने महिलाओं को 2,500 रुपये हर महीना देने का वायदा किया है। मुफ्त बिजली और पानी जैसी सुविधाओं को जारी रखने का भी वायदा है। मगर वह ऐसी योजनाओं पर हमलावर भी रही हैं। हालांकि, अभी एमसीडी का चुनाव सामने है, तो लगता यही है कि इनमें अभी शायद ही कोई छेड़छाड़ की जाएगी।

देवीलाल डांगी,
डायरेक्टर
9414164094,
9001229362

हार्दिक शुभकामनाओं सहित

चन्दनवाड़ी फार्म

मांगलिक कार्यों हेतु 35000 वर्गफीट का हरा-भरा लॉन, मनमोहक फव्वारे, आकर्षक विद्युत साज-सज्जा, पार्किंग की पूरी व्यवस्था, अत्याधुनिक केटरिंग व्यवस्था, बर्तन व पुष्प सज्जित स्टेज, दिनभर पानी, बंगाली साज-सज्जा व ठहरने की उचित व्यवस्था।

प्रेम नगर, रूप सागर रोड, यूनिवर्सिटी रोड, उदयपुर

करन फार्म

मांगलिक कार्यों हेतु 32000 वर्गफीट का हरा-भरा लॉन, 80 व 60 फीट मेन रोड, आकर्षक विद्युत साज-सज्जा, पार्किंग की पूरी व्यवस्था, अत्याधुनिक केटरिंग, बर्तन व पुष्प सज्जित स्टेज, खाना बनाने हेतु पानी एवं अन्य सुविधाएं उपलब्ध

महावीर नगर, न्यू भूपालपुरा, उदयपुर (राज.)

अक्षय तृतीयाः सत्ययुग और त्रेतायुग के प्रारंभ का और द्वापर तथा महाभारत युद्ध के अंत का दिन

'परशु' पाकर राम 'परशुराम' हो गए

पंकज कुमार शर्मा

वैशाख मास के शुक्ल पक्ष की तृतीया तिथि को पुनर्वास नक्षत्र में रात्रि के प्रथम प्रहर में उच्च के छह ग्रहों से युक्त मिथुन राशि पर राहु के स्थित रहते माता रेणुका के गर्भ से भगवान विभु स्वयं अवतीर्ण हुए। इस प्रकार भृगुकुल शिरोमणि भगवान परशुराम के प्राकट्य का समय प्रदोष काल ही है। अन्याय, अत्याचार और अधर्म के प्रतीक बने राजा कार्त्तवीर्य सहस्रार्जुन के दुष्कर्मों से आतंकित धर्मशील प्रजा का उद्धार करने के लिए ही ईश्वर ने मनुष्य रूप में अवतार धारण किया था। ऋषि वशिष्ठ से शाप का भाजन बनने के कारण सहस्रार्जुन की मति मारी गई थी। सहस्रार्जुन ने परशुराम के पिता जमदग्नि के आश्रम में कपिला कामधेनु गाय को देखा और उसे पाने की लालसा से वह उसे बलपूर्वक आश्रम से ले गया। जब परशुराम को यह पता चला तो उन्होंने पिता के सम्मान के खातिर कामधेनु वापस लाने की सोची और सहस्रार्जुन से युद्ध किया। युद्ध में सहस्रार्जुन की भुजाएं कट गई और वह मारा गया। जब सहस्रार्जुन के पुत्रों ने प्रतिशोध लिया। इससे परशुराम क्रोधित हुए और उन्होंने संकल्प लिया। वे हेहय वंश का समूल नाश कर देंगे। तब अहंकारी हैहय क्षत्रियों से उन्होंने 21 बार युद्ध किया। क्षुब्ध परशुरामजी ने प्रतिशोधवश सर्वप्रथम हैहय की महिष्मती नगरी पर अधिकार कर लिया। कार्त्तवीर्यार्जुन के दिवंगत होने के बाद उनके पांच पुत्र जयध्वज, शूरसेन, शूर, वृष और कृष्ण अपने अस्तित्व की लड़ाई लड़ते रहे। उनमें से अनेक संघर्ष करते हुए मारे गए तो बहुत से डर के मारे विभिन्न जातियों एवं वर्गों में विभक्त होकर अपने आपको सुरक्षित करते गए। अंत में महर्षि गचीक ने प्रकट होकर परशुराम को ऐसा घोर युद्ध करने से रोक दिया। वे न केवल दिव्यास्त्रों के संचालन में पारंगत थे, बल्कि योग, वेद, नीति तथा तंत्र कर्म में भी निष्णात थे। अपने समय के शस्त्रविद्या के महानतम गुरु परशुराम ने ही द्वापरयुग में भीष्म, द्रोणाचार्य व कर्ण को भी युद्ध विद्या का महारथी बनाया था। प्राचीन भारतीय मार्शल आर्ट कलरीपायट्टु व वदक्कन कलारी के जनक भी वे ही माने जाते हैं। यही नहीं, जैसे देवनदी गंगा को धरती पर लाने का श्रेय राजा भागीरथ को जाता है, वैसे ही ब्रह्मपुत्र जैसे उग्र महानद को धरती पर लाने का श्रेय परशुराम जी को जाता है। पौराणिक उद्धरणों के अनुसार केरल, कन्याकुमारी व रामेश्वरम जैसे दिव्य तीर्थों की स्थापना भगवान परशुराम ने ही की थी।

क्या करें इस दिन

■ पुराणों के अनुसार अक्षय तृतीया पर्व के संबंध में श्रीकृष्ण ने कहा है कि यह तिथि परम पुण्यमय है। इस दिन दोपहर से पूर्व स्नान, जप, तप, होम, स्वाध्याय, पितृ तर्पण तथा दान आदि करने वाला महाभाग अक्षय पुण्यफल का भागी होता है।

■ इस दिन समुद्र या गंगा स्नान करना चाहिए।

■ प्रातः पंखा, चावल, नमक, घी, शक्कर, साग, इमली, फल तथा वस्त्र का दान करके ब्राह्मणों को दक्षिणा भी देनी चाहिए।

■ ब्राह्मणों को भोजन कराना चाहिए। ■ इस दिन सत्तू अवश्य खाना चाहिए।

■ आज के दिन नवीन वस्त्र, शस्त्र, आभूषणादि बनवाना या धारण करना चाहिए।

■ नवीन स्थान, संस्था, समाज आदि की स्थापना या उद्घाटन भी आज ही करना चाहिए।

■ इसी दिन महाभारत युद्ध व द्वापर युग समाप्त हुआ।

शास्त्रों में अक्षय तृतीया

■ इस दिन से सतयुग और त्रेतायुग का आरंभ माना जाता है।

■ इसी दिन श्री बद्रीनारायण के पट खुलते हैं।

■ नर-नारायण ने भी इसी दिन अवतार लिया था।

■ हयग्रीव का अवतार भी इसी दिन हुआ था।

■ वृंदावन के श्री बांकेबिहारीजी के मंदिर में केवल इसी दिन श्रीविग्रह के चरण दर्शन होते हैं अन्यथा पूरे वर्ष वस्त्रों से ढंके रहते हैं।

माहात्म्य और महत्व

■ जो मनुष्य इस दिन गंगा स्नान करता है, उसे पापों से मुक्ति मिलती है।

■ इस दिन परशुरामजी की पूजा करके उन्हें अर्ध्य देने का बड़ा माहात्म्य माना गया है।

■ शुभ व पूजनीय कार्य इस दिन होते हैं, जिनसे प्राणियों, मनुष्यों का जीवन धन्य हो जाता है।

■ श्रीकृष्ण ने भी कहा है कि यह तिथि परम पुण्यमय है।

अक्षय तृतीया का महत्व

अक्षय तृतीया को अनंत, अक्षय, अक्षुण्ण फलदायक कहा जाता है। जो कभी क्षय नहीं होती उसे अक्षय करते हैं। कहते हैं कि इस दिन जिनका परिणय संस्कार होता है उनका सौभाग्य अखंड रहता है। इस दिन महालक्ष्मी की प्रसन्नता के लिए भी विशेष अनुष्ठान रहता है। जिससे अक्षय पुण्य मिलता है। इस दिन बिना पंचांग देखे कोई भी शुभ कार्य किया जा सकता है। क्योंकि शास्त्रों के अनुसार यह दिन स्वयंसिद्ध मुहूर्त माना गया है।

कशिश क्लिनिक

KASHISH CLINIC

वैवाहिक जीवन में फिर से आ सकती है खुशियां

वैधराज एम राजपूत

B.A.M.S. रजि. नं. 27528

आयुर्वेदाचार्य यौन रोग चिकित्सक

www.kashishclinic.com

www.kashishclinic.online

दूरियाँ हैं ?तो मिटेंगी

जर्मन लीनियर शॉकवेव थेरेपी व आयुर्वेदिक दवाइयों द्वारा

बिना किसी साईड ईफेक्ट | दर्द | सर्जरी

पुरूषत्व में कमी | अंग की विकृति | यौन समस्याओं का उपचार

स्वप्नदोष, शुक्राणु की कमी, दिमागी दुर्बलता, धातु विकार, शीघ्रपतन

शराबी को बिना बताये शराब छुड़ाए

19, दूसरी मंजिल, सिटी स्टेशन रोड, सूरजपोल, उदयपुर (राज.)

0294-2425522, +919460277 035

पग-पग पर याद आते करूण राम

तमाम अवतारों में मर्यादा पुरूषोत्तम श्री रामचंद्र जी की लोकप्रियता अपार है। जब कोई नायक लोकप्रियता के उच्चतम स्तर तक पहुंच जाता है, तो उसके राजनीतिक इस्तेमाल को आप रोक भी कैसे सकते हैं? प्रस्तुत है- रामनवमी पर्व पर विशेष आलेख।

उदय प्रकाश

आज पूरी दुनिया में टकराहटें हैं। यूक्रेन से गाजा तक अनेक जगह बहुत कुछ अप्रिय और बर्बर घट रहा है। बहुत पहले ही मानवशास्त्रियों या नृविज्ञानियों ने कह दिया था कि आने वाले समय में जितने भी मिथकीय नायक हैं, वे सब एक-दूसरे के विरुद्ध युद्ध करेंगे। हमारे यहां जैसे रामजी हुए या रामजी की जैसी कल्पना की गई या रामजी को जैसे स्वीकार किया गया, वह मूलत: युद्ध के विरुद्ध थे। रामजी की अपनी नगरी में कभी युद्ध नहीं होता था, इसलिए उसका नाम अयोध्या था। रामजी को युद्ध कभी प्रिय नहीं रहा। वह अंतिम समय तक प्रयास करते थे कि युद्ध न करना पड़े। राम का यह प्रयास या रूप जनमानस को बहुत प्रिय है।

संसार में राम की खूब गाथाएं प्रचलित हैं। बारहवीं सदी में तमिल महाकवि कंबन द्वारा रचित कंब रामायण या रामावतारम् रामायण और उड़िया में पंद्रहवीं सदी में सरला दास रचित रामायण को जरूर याद किया जाना चाहिए। कंबन तो तुलसीदास से भी पहले के हैं। उनका रामावतारम् महाकाव्य सीधे-सीधे वाल्मीकि रामायण के बाद संगम साहित्य और आलवार संतों की जो समृद्ध परंपरा रही है, उसी धारा में आता है। विशाल महाकाव्य रामावतारम् के बाद ही अन्य भाषाओं में राम की गाथा कहने या लिखने की प्रेरणा मिली और अनेक रामायणों की रचना हुई।

इसमें कोई विवाद नहीं है कि तमाम रामकथाओं के बीच गोस्वामी तुलसीदास रचित श्रीरामचरितमानस सर्वाधिक लोकप्रिय है। तुलसीदास का तो पूरा जीवन ही राम के गीत गाते, अनुनय-विनय करते बीता। ध्यान रहे, श्रीरामचरितमानस खड़ीबोली हिंदी में नहीं है। संस्कृत में रचित महाकवि वाल्मीकि के रामायण की उतनी लोकप्रियता नहीं रही। संस्कृत पहले एक संभ्रांत वर्ग की भाषा थी, पर श्रीरामचरितमानस ने राम कथा को जन-जन तक पहुंचाकर लोकप्रिय बना दिया। केवल भारत में ही नहीं, राम की लोकप्रियता कंबोडिया, इंडोनेशिया, वियतनाम, श्रीलंका इत्यादि देशों में भी खूब रही है। इंटरनेट पर जब आप खंगालते हैं, तो पाते हैं कि रामजी की पहुंच कहां-कहां तक हो चुकी है। राम और रामकथा के विविध रूप दक्षिण एशिया से ही चहुं ओर गए हैं। कहीं न कहीं राम और विष्णु का एक साथ होना या उन्हें परस्पर जोड़ना या जोड़कर देखने की हमारे यहां सुखद परंपरा रही है। जोड़कर देखने से शक्ति बढ़ जाती है। साथ ही, राम ऐसे महानायक हैं, जो अवतारों में भी गिने जाते हैं। वह सातवें अवतार के रूप में प्रकट होते हैं। ध्यान दीजिए, अवतारों की जो कथा है, उसके पीछे मानव विकास का पूरा सिद्धांत है। एक-एक अवतार रूपक है, जिसके माध्यम से हम तार्किक ढंग से मानव विकास को समझ सकते हैं।

तमाम अवतारों में भी रामजी की लोकप्रियता अपार है। जब किसी नायक की ऐसी लोकप्रियता हो जाती है, तो उसके राजनीतिक इस्तेमाल को आप कैसे रोक सकते हैं? रामजी का प्रयोग महात्मा गांधी ने भी अपने ढंग से किया था। रामजी इतने लोकप्रिय हैं कि आज जन्म के समय में भी राम और मृत्यु के समय भी राम ही पुकारे जाते हैं। सुबह से शाम तक सामान्य व्यवहार में राम-राम, जयराम, जय सियाराम, निरंतर चलता रहता है। इतनी लोकप्रियता भला इस संसार में और

किसकी होगी ? संसार में कोई भी नाम ऐसे नहीं लिया जाता है, जैसे रामजी का लिया जाता है। कहीं वह बाल रूप में हैं, कहीं युवा रूप में, कहीं तपस्वी, तो कहीं राजा रूप में। कहीं वह करुण रूप में हैं, तो कहीं वीर योद्धा के रूप में।

आश्चर्य है, विष्णु पुराण में जो देवता बाकी तमाम देवताओं से छोटे लगते हैं, वह कैसे उभरकर सामने आ गए। राम कैसे निखरकर आ गए? यह ध्यान रखने की बाात है कि एक पराजित दिखने वाला या पीड़ित व्यक्ति या असह्य दुख से गुजरता व्यक्ति ही निखरकर सामने आता है। जो जितनी ज्यादा यातनाएं सहता है, वह उतना ही निखरता है। अगर कोई अपने जीवन में कष्ट नहीं उठाएगा, चुनौतियों का सामना नहीं करेगा, तो वह नायक भी नहीं बन सकता।

आज राम इसीलिए ज्यादा याद आते हैं, क्योंकि हमें उनके करुण रूप की जरूरत है। अपने चारों तरफ समाज, देश और दुनिया में नाना प्रकार की टकराहट देखकर किसी भी संवेदनशील व्यक्ति को घबराहट होने लगती है। अमेरिकी राजनीतिशास्त्री सैमुअल हंटिंगटन ने 'क्लैश ऑफ सिविलाइजेशन' या सभ्यताओं के बीच संघर्ष का सिद्धांत बताते हुए कहा था कि 21वीं सदी में सबके केंद्र में संस्कृति होगी। पूंजी, तकनीक और सत्ता के लिए होने वाली चेष्टाओं के केंद्र में संस्कृति ही रहेगी। दुनिया में जो पांच या छह प्रमुख सांस्कृतिक पहचाने हैं, वे एक-दूसरे से लड़ेंगी। अब हम ऐसे दौर में पहुंच गए हैं, जहां लड़ाई के भी कई रूप हो गए हैं। राम कथा में ही देखिए, कितने क्षत्रीय नायक और खलनायक हैं, सबका अपना संघर्ष है। उस रावण को देखिए, जिसके पिता का नाम विश्रवा था और मां कैकसी थीं। आज भी कहावत चला करती है कि एक लाख पूत सवा लाख नाती, ता रावण घर दीया ना बाती। रावण का बहुत विशाल कुटुंब था, सब पढ़े-लिखे-विद्वान थे, पर नैतिक रूप से पतन हुआ और समूचा कुटुंब विनाश की ओर बढ़ गया। दूसरी ओर, रामजी ने युद्ध में भी मर्यादा रखी। कहीं आप नहीं पाएंगे कि रावण के प्रति भी उन्होंने गलत व्यवहार किया हो। कृष्ण तो लीला रूप में अपनी चतुराई में कुछ अलग करते हैं, पर राम वैसा कभी नहीं करते। कुल मिलाकर, समाज को जैसा आदर्श व्यक्तित्व चाहिए था, उसे राम ने ही अपने मर्यादापूर्ण जीवन से साकार किया।

राम को कई रूपों में देखा गया है और देखा जाएगा, पर मुझे लगता है, उनका जो करुण रूप है। जो शौर्य का नहीं, आत्मरक्षा और प्रतिरोध का रूप है, उसकी बड़ी जरूरत है। वह माता-पिता के वचन, पत्नी और परिवार को बचाने के लिए कुछ श्रेष्ठतम मूल्यों की रक्षा के लिए सदा संघर्ष करते हैं। राम का यही करुण रूप गांधीजी को पसंद था और यही हमें भी प्रिय है।

(लेखक वरिष्ठ साहित्यकार हैं)

Pushkar Chandaliya
Director

MOTOROLA
WIRELESS SYSTEM

PYROSON ELECTRONICS

Industrial Electronic & Wireless System

G-26, Anand Plaza, University Road, Udaipur (Raj.)
Telefax: 0294-2429633/9414167533
Email: pyrosonudaipur@rediffmail.com
Website: www.pyroson.com

ईद : इन्सानियत का पैगाम

इस्लाम का प्राथमिक उद्देश्य है कि बन्दों को इस तरह ढाला जाए कि वे दूसरों के दुःख-दर्द को समझें और उनकी मदद को हर समय तत्पर रहें। ईद का त्योहार भी यही संदेश देता है। ईद की महत्ता और पवित्रता के बारे में पेश है- मौलाना डॉ. मुफ्ती मुकर्रम अहमद का विशेष आलेख।

ईद-उल-फितर मुसलमानों का सबसे बड़ा त्योहार है, जो पैगंबर हजरत मोहम्मद (स.) के हुक्म से, उन्हीं के जमाने से सन् 2 हिजरी से मनाया जाता है। जब पैगंबर साहब हिजरत करके मदीना आए थे, उस समय वहां पर साल में दो त्योहार मनाए जाते थे। पैगंबर साहब ने फरमाया कि अब वे त्योहार नहीं मनाए जाकर उनकी जगह दो इस्लामी त्योहार ही मनाए जाएं। एक ईद-उल-फितर (ईद) और दूसरा ईद-उल-अजहा (बकरीद)।

रमजान के पूरे महीने के रोजों के बाद नया चांद निकलता है, उसे 'ईद का चांद' कहा जाता है। ये शव्वाल का महीना होता है, जिसकी पहली तारीख को ईद मनाई जाती है। फितर यानी इफ्तार वाली ईद यानी पूरे महीने रोजे रखने के बाद जिस पहली तारीख को हम खाना खा रहे हैं, उस दिन की ईद। ईद के दिन फितरा अदा किया जाता है, जो गरीबों को दिया जाता है। इसकी मेकदार है 'आधा-सा' खजूर या गेहूं या 'एक-सा' जौ या उसका आटा। कुछ लोग 'आधा-सा' का अर्थ बताते हैं पौने दो किलो और कुछ लोगों की नजर में इसका मतलब दो किलो 45 ग्राम गेहूं या आटा होता है।

ईद के दिन सुबह फितरा देने का हुक्म है। हुजूर पैगंबर साहब ने फरमाया है कि फितरा अदा करो, जिससे तुम्हारे रोजे कुबूल होंगे और साथ ही गरीबों के खाने-पीने का भी बंदोबस्त होगा। ये अदा करना वाजिब है। बाप अपनी तरफ से और अपने बच्चों की तरफ से अदा करेगा। अगर बाप नहीं होगा तो दादा आपने व अपने पोते-पोतियों की तरफ से अदा करेगा, लेकिन पत्नी की तरफ से अदा करना जरूरी नहीं है। वह खुद ही फितरा अदा करेगी। नहीं तो अपने पति से कहेगी, वह अदा करेंगे। अगर बच्चों के पास साढ़े 52 तोले चांदी या उसके बराबर की नकदी है तो वो स्वयं फितरा अदा कर सकते हैं।

जब हम रमजान के रोजे पूरे रखते हैं और रमजान की रातों में तरावीह की नमाज पढ़ते हैं, रमजान की पूरी-पूरी इबादतें करते हैं और रमजान की शबे-कदर यानी मुबारक रातों को जाग कर गुजारते हैं, सबका खैरात करते हैं तो अल्लाह हमसे राजी होकर चांद रात को हमें अज्र (ईनाम) देता है और हमसे राजी हो जाता है। इस खुशी में अगले दिन ईद मनाई जाती है। ईद के दिन सवेरे नहा-धो कर साफ-सुथरे या नए कपड़े पहन कर सब लोग ईद की नमाज के लिए मस्जिदों और ईदगाह की तरफ निकलते हैं। सभी धीमी आवाज में अल्लाह की तकबीर पढ़ते हुए जाते हैं और वहां जाकर ईद की नमाज पढ़ते हैं। इस तरह सब लोग अल्लाह का शुक्र अदा करते हैं। इस मौके पर इमाम वहां संबोधित करते हुए बताते हैं कि असल ईद की खुशी उन लोगों के लिए है, जिन्होंने रमजान में अल्लाह का कहना माना और इबादत की। वह ये अपील करते हैं कि अल्लाह का हुक्म मानो और जैसे रमजान में आपने उनको राजी किया है, उसी तरह से पूरा जीवन उसकी ताबेदारी में गुजारो। जैसे फितरा दिया है, इसी तरह हमेशा गरीबों का ख्याल रखो। सबके साथ मिल-जुल कर प्रेम से रहो। जैसे ईदगाह में जमा हुए हैं, याद रखो वैसे ही कयामत के दिन अल्लाह के सामने भी पेश होना है। लिहाजा, वहां की तैयारी करो। बाद में सब मिल कर दुआ करते हैं, गले मिलते हैं और ईद का मुबारकबाद देते हैं, मिठाइयां बांटते हैं, ईदी बांटते हैं और सारे दोस्त-रिश्तेदार मिल कर इस त्योहार को हंसी-खुशी से मनाते हैं।

ईद की खुशी में मुसलमानों के साथ अन्य धर्म के लोग भी शरीक होते हैं। ईद के अवसर पर वे जगह-जगह 'ईद मुबारक' के बैनर लगाते हैं। ये मुसलमानों का एक बड़ा त्योहार है, जिसे सब लोग मिल-जुल कर मनाते हैं। इससे अल्लाह की इबादत की प्रेरणा मिलती है। साफ-सुथरा रहना, गरीबों की मदद करना, सबके सुख-दुख में शरीक रहना और अपने दिल को हरेक के लिए साफ रखना, यही ईद का असली पैगाम है।

JKcement
JKsuper
— cement —
BUILD STRONG
जे.के. सुपर सीमेंट की ओर से
आप सभी को
होली
की हार्दिक शुभकामनाएँ
JKsuper
STRONG
CONCRETE SPECIAL
BUILD STRONG
JKsuper STRONG
JKsuper
JKsuper
— cement —
BUILD STRONG
JKcement
JKsuper PROTECT
JKsuper
PROTECT
BUILD STRONG
ALL WEATHER SAFE

कर्म फल से नहीं बच सकता कोई : महावीर

श्री महावीर स्वामी जैन धर्म के 24वें तीर्थंकर हैं। उन्होंने 30 वर्ष की आयु में ही संसार से विरक्त होकर सन्यास धारण किया और आत्म कल्याण के मार्ग पर निकल पड़े। उन्हें राज परिवार का ठाठ-बाट भी प्रभावित नहीं कर पाया। उनका नाम देश के महान समाज सुधारकों के रूप में सदैव आदर से याद किया जाता है और किया जाता रहेगा।

डॉ. राजकमल जैन

महावीर स्वामी का जन्म 599 ई.पू. वैशाली के निकट कुंडग्राम में हुआ था। उनका बचपन का नाम वर्धमान था। उनके पिता का नाम सिद्धार्थ और माता का नाम त्रिशला था, जो क्षत्रिय वंश से थे। राजकुल में जन्म लेने के कारण उनका प्रारंभिक जीवन अत्यन्त आनंद और सुखमय व्यतीत हुआ। युवा होने पर उनका विवाह यशोदा से हुआ। उन्हें संसार में घटने वाली घटनाओं और कुरीतियों से काफी दु:ख होता था, अतएव उन्होंने 30 वर्ष की आयु में गृह त्याग कर सन्यास धारण कर लिया और 129 वर्ष तक कठोर तपस्या की। इसके बाद उन्हें केवल्य ज्ञान की प्राप्ति हुई।

जैन धर्म के सिद्धांत

महावीर स्वामी के उपदेशों का उद्देश्य सामाजिक कुरीतियों में सुधार करना था। उनसे पहले 23वें तीर्थकर पार्श्वनार्थ ने भी लोगों को शुद्ध जीवन जीने के उपदेश किए थे। शुद्ध जीवन जीने के साथ-साथ शरीर को कष्ट देने पर भी जोर दिया। उनके द्वारा दिए गए सिद्धांत विधानात्मक और निषेधात्मक हैं।

विधानात्मक सिद्धांत

महावीर स्वामी ने लोगों को पहला उपदेश दिया कि मनुष्य को मोक्ष की प्राप्ति अथवा आत्मा की मुक्ति के लिए तीन उद्देश्यों पर चलना चाहिए। ये हैं- सत्य विश्वास, सत्य ज्ञान तथा सत्य कार्य। इन्हें जैन धर्म में त्रिर कहा जाता है। सत्य विश्वास के अनुसार मनुष्य को धर्म तथा जैन धर्म के 24

नेतृत्व में विश्वास होना चाहिए। उसे बेकार के आडंबर तथा धार्मिक विषयों पर समय नष्ट नहीं करना चाहिए। तीसरे के अनुसार मनुष्य को सत्य, अहिंसा, तथा ब्रह्मचर्य का पालन करना चाहिए।

अहिंसा में विश्वास : अहिंसा जैन धर्म का मुख्य सिद्धांत है। इसका अर्थ है जीव हत्या का विरोध। महात्मा बुद्ध ने तो मनुष्य तथा पशु हत्या की ही मनाही की थी, परंतु महावीर स्वामी वृक्षों, पौधों तथा जड़धारी वस्तुओं को कष्ट देना भी पाप समझते थे।

कठोर तप : जैन धर्म की मान्यता है कि मनुष्य जितना कठोर तप करेगा उसका जीवन स्वर्ण की भाति निखर उठेगा। उनके विचारों के अनुसार मनुष्य के जीवन के दो पक्ष हैं एक भौतिक तथा दूसरा आध्यात्मिक। एक नष्ट होने वाला तथा दूसरा अमर रहने वाला। उन्होंने शरीर को कष्ट देने पर बल दिया। अपने शिष्यों से भी यही कहा कि वे कठोर तप करें और शरीर को कष्ट देने का प्रयास करें।

कर्म सिद्धांत : महात्मा बुद्ध की तरह महावीर स्वामी भी कर्म सिद्धांत को मानते थे। इस सिद्धांत के अनुसार मनुष्य के जीवन में किए गए अच्छे और बुरे कर्मों के अनुसार ही उसकी मृत्यु के पश्चात उसका नया जीवन निर्धारित होता है।

नारी समानता पर बल : महावीर स्वामी ने नारियों की समानता तथा स्वतंत्रता पर बल दिया। उन्होंने अपने संघ के द्वार स्त्रियों के लिए खोल दिए। उन्होंने घोषित किया कि पुरुषों की भाति नारियां भी निर्वाण की अधिकारी हैं।

18 पाप : जैन धर्म में 18 प्रकार के प्रमुख पाप बतलाए गए है, जो मनुष्य को पतन की ओर ले जाते हैं। इनमें से प्रमुख इस प्रकार है- हिंसा, चोरी, मोह, लोभ, कलह, चुगली निंदा इत्यादि। जैन धर्म के अनुसार मनुष्य को इन पापों का परित्याग कर निर्वाण के मार्ग की ओर बढ़ना चाहिए।

पुनर्जन्म का सिद्धांत : मनुष्य को अपने कर्मों के कारण बार-बार जन्म लेना पड़ता है। कर्म और पुनर्जन्म का सिद्धांत साथ-साथ चलता है। जैन धर्म के अनुसार कर्मो के फल से बचने का कोई उपाय नहीं है। मनुष्य को अपने कर्मो का फल अवश्य मिलता है। व्यक्ति को

जन्म और मृत्यु के चक्कर से बचने के लिए शुद्ध कर्म करना चाहिए।

नैतिकता पर बल : पार्श्वनाथ और महावीर स्वामी ने लोगों को उच्च नैतिक जीवन जीने की शिक्षा दी। उन्होंने अपने शिष्यों को बताया कि उन्हें सभी मनुष्यो से प्रेम करना चाहिए। अहिंसा का पालन करना चाहिए, सदा सत्य बोलना चाहिए और संयम पूर्वक जीवन व्यतीत करना चाहिए।

मोक्ष : जैन धर्म के अनुसार कर्म फल ही मोक्ष प्राप्ति का साधन है।

पांच महाव्रत : पांच महाव्रत जैन दर्शन की अमूल्य निधि माने जाते हैं। इन का पालन श्रमणों तथा सन्यास योग के लिए आवश्यक माना गया है। जैन दर्शन के पांच महाव्रत इस प्रकार हैं- अहिंसा महाव्रत, सत्य महाव्रत, अस्तेय महाव्रत, अपरिग्रह महाव्रत और ब्रह्मचर्य महाव्रत

मोक्ष

30 वर्ष तक उपदेशों का प्रचार करने के पश्चात 527 ईसा पूर्व में महात्मा महावीर स्वामी ने पटना के निकट पावापुरी नामक स्थान पर मोक्ष प्राप्त किया। इस समय उनकी आयु 72 वर्ष थी।

सिगरेट के धुएं से बच्चों के जीन में बदलाव

नई दिल्ली। सिगरेट का धुआं बच्चों की जेनेटिक संरचना में उसी तरह का बदलाव कर रहा है, जो धूम्रपान करने वालों में होता है। इससे वयस्क होने के बाद धूम्रपान नहीं करने के बावजूद ऐसे बच्चों में अस्थमा, लंग कैंसर समेत फेफड़ों से जुड़ी बीमारियों का खतरा बढ़ता है। अध्ययन के निष्कर्ष जर्नल एन्वायर्नमेंट इंटरनेशनल में प्रकाशित किए गए। इसमें सुझाव दिया गया कि बच्चों को धूम्रपान के धुएं से दूर रखें। बार्सिलोना इंस्टीट्यूट के शोधकर्ता और अध्ययन के लेखक मार्टा कोसिन टॉमस ने बताया कि यह अध्ययन आठ यूरोपीय देशों के सात से 10 साल के 2900 बच्चों पर किया गया।

धरती के नीचे गर्म पानी की झील

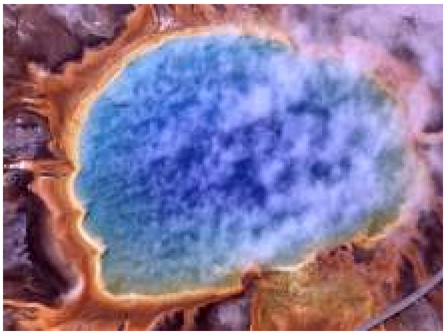

अल्बानिया। दक्षिणी अल्बानिया की एक गुफा में जमीन के अंदर गर्म पानी की झील मिली। यह दुनिया की सबसे बड़ी गर्म पानी की झील है। चेक गणराज्य के शोधकर्ताओं ने चार साल पहले ही इसका पता लगा लिया था, लेकिन उस समय इसे मापने के लिए सही उपकरण नहीं थे। यह जानकारी चेक वैज्ञानिकों के शोध को बढ़ावा देने वाले न्यूरॉन फाउंडेशन ने जारी की है।

सबका साथ - सबका विश्वास भारत के लोकतंत्र की मज़बूरी

वेदव्यास

नए भारत के इतिहास में कुछ महापुरुष अब कुछ इस तरह राजनीति की चक्की में पीसे जा रहे हैं ताकि सांप भी मर जाए और लाठी भी नहीं टूटे। कोई भी ताकत इनके योगदान को किसी एक समय की सीमा रेखा में नहीं बांध पा रही है। यही कारण है कि लोकतंत्र की संपूर्ण अवधारणा आज भी महात्मा गांधी और डॉ. भीमराव अंबेडकर के बिना हमें अधूरी लगती है। लेकिन विडम्बना यह है कि स्वातंत्र्योत्तर भारत की धर्म और जाति की राजनीति ने इन दोनों भारत निर्माताओं को महज एक चुनावी दंगल की आवश्यकता में बदल दिया है तथा इनका जीवन संदेश लगातार देश में विकास और परिवर्तन के प्रत्येक सरकारी अभियान का हिस्सा है। अंबेडकर हमारे संविधान की अंतरात्मा के प्रतिनिधि हैं। स्वतंत्र भारत के नव निर्माण का यह एक ऐसा यर्थाथ है कि जो धर्म और जाति की संकीर्ण सत्तावादी मानसिकता को निरंतर चुनौती देता है।

मेरे जैसा 'एक भारत: श्रेष्ठ भारत' का नागरिक आज इसी बात को फिर समझना चाहता है कि क्या इस तरह भारत का लोकतंत्र धर्म और जाति की सदियों पुरानी राजनीति से मुक्त हो सकेगा और क्या हम 140 करोड़ देशवासियों को सामाजिक, आर्थिक समानता और समरसता से जोड़ पाएंगे ? महात्मा गांधी सत्य और अहिंसा के महानायक होकर धर्म के प्रति हिंसा के पहले शहीद हैं। इन दोनों ने आजाद भारत में सबसे अधिक प्रेम और नफरत की राजनीति का दर्द सहा है। आज अंबेडकर को लेकर जो राजनीतिक उत्साह और भक्ति भाव का लोक संगीत चारों तरफ गूंज रहा है उस भ्रम का यथार्थ तो यह है कि भारत के संवैधानिक गणतंत्र में धर्म और जातीय भेदभाव तथा गैर बराबरी की हिंसा और प्रति हिंसा लगातार बढ़ रही है। एक मंदिर, एक कुआं और एक श्मशान का सांस्कृतिक राष्ट्रवाद आज देश के 6 लाख गांवों में कहीं नहीं है और चारों तरफ धर्म और जाति की सेनाएं आज अंबेडकर के संविधान और सपनों पर ही सबसे अधिक साम, दंड, भेद की राजनीति कर रही हैं। डॉ. अंबेडकर के सपनों को आज भी कहीं परंपरा और विरासत के नाम पर तो कहीं लिंग और वर्ण के नाम पर तो कहीं धर्म

हमें खुशी है कि आज अंबेडकर और महात्मा गांधी को लेकर देश में जो राजनीतिक चुनावी मुकाबला तेज हो रहा है उससे दलित, वंचित, शोषित और पीड़ित अनुसूचित जाति, जनजाति, अल्पसंख्यक और महिलाओं के सकल मनोरथ पूरे होंगे तथा संविधान के उद्देश्यों को पूरा करने में न्यायपालिका, विधायिका और कार्यपालिका को, सामाजिक, आर्थिक गैर बराबरी मिटाने के लिए सक्रिय और जवाबदेह बनना पड़ेगा।

और जातीय साम्राज्यवाद के नाम पर अपमानित किया जा रहा है। हमें खुशी है कि आज अंबेडकर और महात्मा गांधी को लेकर देश में जो राजनीतिक चुनावी मुकाबला तेज हो रहा है उससे दलित, वंचित, शोषित और पीड़ित अनुसूचित जाति, जनजाति, अल्पसंख्यक और महिलाओं के सकल मनोरथ पूरे होंगे तथा संविधान के उद्देश्यों को पूरा करने में न्यायपालिका, विधायिका और कार्यपालिका को सामाजिक, आर्थिक गैर बराबरी मिटाने के लिए सक्रिय और जवाबदेह बनना पड़ेगा। क्योंकि आज हम देश में जो उखाड़-पछाड़ देख रहे हैं उसके पीछे मूल में कहीं अंबेडकर का संविधान और लोकतंत्र का जनादेश ही काम कर रहा है।

फिर भीमराव अंबेडकर की सामाजिक, आर्थिक और शैक्षणिक गैर बराबरी मिटाने की संविधान में प्रस्तावित नागरिक अधिकारों की अवधारणा का प्रतिपादन भी यही तो कहता है कि सबका साथ-सबका विकास भारत के लोकतंत्र की मजबूरी है क्योंकि अंबेडकर ने जाति, धर्म, रंगभेद, नस्लभेद और सभी प्रकार के भेद-विभेद की तानाशाही और राष्ट्र तथा राज्य के एकाधिकारवाद को एक व्यक्ति, एक वोट के लोक अधिकार से असंभव बना दिया है। इसीलिए आज राजनीति के सभी नायक-खलनायक अंबेडकर की परिक्रमा लगा रहे हैं और कभी महात्मा गांधी, तो कभी भगत सिंह, तो कभी सरदार पटेल के जीवन दर्शन के भजन-कीर्तन करवा रहे हैं। यहीं से उस सत्य को आप जानिए कि जब स्वामी विवेकानंद ने कहा था कि भारत में 21वीं शताब्दी शूद्रों की होगी, क्योंकि तब धर्म और जाति का राष्ट्रवाद गैर बराबरी की महाभारत में मारा जाएगा। तभी से अब्राहम लिंकन, मार्टिन लूथर किंग और नेल्सन मंडेला की भाषा अंबेडकर का भारत बोलने लगा। डॉ. भीमराव अंबेडकर की सबसे बड़ी चुनौती आज भी यही है कि भारत गैर बराबरी से पीड़ित समाज, शिक्षित बनकर तथा संगठित होकर अपने संवैधानिक, मानवीय और प्राकृतिक अधिकारों की लड़ाई नहीं लड़ रहा है तथा कहीं वर्ण भेद तो कहीं वर्गभेद के चक्रव्यूह में निहत्थे अभिमन्यु की तरह मारा जा रहा है तो कहीं गुरु दक्षिणा में अंगूठा काटकर एकलव्य की तरह अपमानित हो रहा है। अंबेडकर इसीलिए कहते थे कि वर्ण व्यवस्था सभी असमानताओं की जड़ है। उनका यही कहना था कि समानता का अर्थ है कि सभी को समान अवसर मिले और प्रतिभा को प्रोत्साहन दिया जाए।

(लेखक वरिष्ठ साहित्यकार व लेखक हैं)

श्री महावीर जन्म कल्याणक की बधाई

PCS CORPORATION

- Govt./Institutional Medicine Supplier
- Super Distributor Otsuka Pharmaceutical India Pvt. Ltd.

201, Shubh Apartment,
99, Bhupalpura, Udaipur
Mob No. - 9414166123

KUSHAL Distributors

- Pharmaceutical Stockist of fressenius, Abbott, Sanofi, Troikaa Talent India, Gland Abaris, Ind. Swit, Otsuka, Macleods Medley, Overseas, TPL, Inven
- Govt./Institutional Supplier

10-11, 13-14, Mahaveer Complex, 5-C Madhuban,
Udaipur
Mob. No. – 9414165123

KUSHAL Enterprises

- Product Promoter - Reliance HSD & LDO (Industrial Marketing Division)
- Product Promoter - Valvoline Lube (Industrial Marketing Division)
- Service Provider For Bitumen
- RF- Hindustan Colas Ltd. (Industrial Marketing Lubes)

204, Shubh Appartment
99, Bhupalpura, Udaipur
Mob.No. - 8003566333

KUSHAL Solutions

Stockist & Hospital Supplier of
- Johnson & Johnson
- LEPU
- Nephrological Product

413, Shreenath Plaza
Opp.- M.B. Govt. Hospital
Udaipur
Mob. No. - 8290800888

हाशिए पर ढकेले कांग्रेस से आए आप के मिश्रा को रिटर्न गिफ्ट

दिल्ली के रेखा मंत्रिमंडल के गठन में भाजपा आलाकमान ने कांग्रेस से नाता तोड़कर आए पुराने अनुभवी विधायकों को तवज्जह नहीं देकर वफादारी को काफी महत्व दिया है। आप से संबंध विच्छेद कर आए कैलाश मिश्रा को मंत्री तो बनाया गया है, लेकिन भाजपा के प्रति अपनी वफादारी साबित करने में उन्हें पूरे छह साल लग गए।

पंकज कुमार शर्मा

दिल्ली में 27 साल बाद भाजपा की सरकार वापस आई है। केबिनेट में मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता के साथ छह अन्य मंत्री कैबिनेट में है। मंत्रिमंडल के गठन में वफादारी को काफी महत्व दिया गया है। पार्टी ने पहली बार विधायक बनीं रेखा गुप्ता को सीएम तो बनाया ही, साथ ही पहली बार बने दो अन्य विधायक रविन्द्र इंदरराज और पंकज सिंह भी कैबिनेट में शामिल हुए हैं। ये दोनों भाजपा के पुराने कार्यकर्ता हैं।

निष्ठा को प्राथमिकता

कांग्रेस के दो और आम आदमी पार्टी के एक पूर्व मंत्री को कैबिनेट में जगह नहीं मिली है। आखिर भाजपा में कांग्रेस से आए अरविंदरसिंह लवली, राजकुमार चौहान और आप से आए कैलाश गहलोत को मंत्री क्यों नहीं बनाया गया? यह फैसला भाजपा के अंदरुनी सूत्रों के अनुसार संगठन के प्रति निष्ठा को प्राथमिकता देने का संकेत देता है। कैलाश गहलोत आम आदमी पार्टी सरकार में सीनियर मंत्री रहे। विधानसभा चुनाव से कुछ महीने पहले ही वो भाजपा में शामिल हुए थे। इस चुनाव में वो भाजपा के टिकट से बिजवासन क्षेत्र से चुनाव जीते। लेकिन उन्हें भाजपा ने मंत्री पद नहीं दिया। हालांकि कहा जा रहा है कि पार्टी ने उन्हें किसी सरकारी बोर्ड या प्राधिकरण का प्रमुख बनाने का आश्वासन दिया है।

मिश्रा को रिटर्न गिफ्ट

कभी आम आदमी पार्टी सरकार में मंत्री रहे कपिल मिश्रा को भाजपा ने रेखा गुप्ता की कैबिनेट में जगह दी है। लेकिन इस बात से इनकार नहीं किया जा सकता कि मिश्रा को खुद को साबित करने में कई साल लगे। उन्होंने ही आप के मंत्री सत्येंद्र जैन पर भ्रष्टाचार के आरोप लगाए थे। बाद में आप ने उन्हें पार्टी ने निकाल दिया। 2019 में मिश्रा भाजपा में शामिल हुए। इसके बाद वो दिल्ली में प्रदेश उपाध्यक्ष भी बने। कपिल मिश्रा ने न सिर्फ दिल्ली में बल्कि गुजरात चुनाव में भी भाजपा संगठन को मजबूत करने का काम किया। इस बार चुनाव जीतने के बाद पार्टी ने उन्हें इसका रिटर्न गिफ्ट दिया है।

लवली-चौहान भी बाहर

इसके अलावा कांग्रेस की शीला दीक्षित सरकार में मंत्री रहे अरविंदरसिंह लवली और राजकुमार चौहान भी भाजपा में शामिल हुए थे। इस चुनाव में लवली ने गांधीनगर तो चौहान ने मंगोलपुरी से चुनाव भी जीता। लेकिन इन दोनों नेताओं को मंत्रिमंडल में जगह नहीं मिली। चौहान चार बार विधायक रह चुके हैं और शीला दीक्षित सरकार में तीन बार मंत्री रहे हैं। वहीं लवली दिल्ली में

सबसे कम उम्र विधायक और मंत्री रह चुके हैं। उन्होंने शिक्षा, परिवहन और शहरी विकास जैसे महत्वपूर्ण विभागों का कार्यभार संभाला था।

इसलिए नहीं था भरोसा

भले ही लवली ने मंत्री के रूप में अच्छा काम किया हो। लेकिन आम आदमी पार्टी ने उन पर भ्रष्टाचार के आरोप लगाए। 2013 में उन्होंने बाहर से आप को समर्थन दे दिया। इसके बाद दिल्ली में 49 दिनों के लिए आप सरकार बनी। वहीं 2015 के चुनाव में आप की जीत के बाद उन्होंने दिल्ली कांग्रेस अध्यक्ष पद से इस्तीफा दे दिया और भाजपा में शामिल हुए। वो फिर कांग्रेस में गए और 2024 में लोकसभा चुनाव से पहले फिर से भाजपा में आ गए। इन नेताओं के अलावा कई और ऐसे चेहरे हैं, जो कांग्रेस से भाजपा में आए। इसमें जंगपुरी से विधायक तारविंदरसिंह मारवाह, कस्तूरबा नगर से विधायक नीरज बसोया हैं। वहीं नसीब सिंह को इस बार टिकट नहीं मिला।

किसे कौन सा विभाग मिला

- **मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता**
  सामान्य प्रशासन, सेवाएं, वित्त, राजस्व, महिला एवं बाल कल्याण, लैंड एण्ड बिल्डिंग, पब्लिक रिलेशन, विजिलेंस और प्रशासनिक सुधार व योजना विभाग
- **प्रवेश साहिब सिंह वर्मा**
  लोक निर्माण विभाग, विधायी मामले, सिंचाई एवं बाढ़ नियंत्रण, जल, गुरुद्वारा चुनाव
- **आशीष सूद**
  गृह, ऊर्जा, शहरी विकास, शिक्षा, उच्च शिक्षा, तकनीकी शिक्षा, प्रशिक्षण विभाग।
- **मनजिंदर सिंह सिरसा**
  उद्योग, खाद्य आपूर्ति, वन एवं पर्यावरण विभाग
- **रविन्द्र सिंह इंद्रराज**
  समाज कल्याण, एससी–एसटी वेलफेयर, सहकारिता, इलेक्शन
- **कपिल मिश्रा**
  कानून व न्याय, श्रम व रोजगार विकास, कला एवं संस्कृति, भाषा और पर्यटन विभाग
- **डॉ. पंकजकुमार सिंह**
  स्वास्थ्य, सूचना तकनीक, परिवहन विभाग

कैसा लगा यह अंक

प्रत्यूष

इस अंक में कौन सा आलेख आपको ज्यादा पसंद आया। आप किन विषयों पर आलेख पढ़ना ज्यादा पसंद करेंगे? किस विषय पर आप हमें अपना मौलिक आलेख, शोध, कविता, कहानी भेजना चाहेंगे। कृपया हमें लिखें। आपके रचनात्मक सुझावों का सदैव स्वागत होगा।

कन्यापूजन से पाएं सौभाग्य का वरदान

नवरात्र का जीवन में बड़ा महत्व है। यह हमारी संस्कृति-संस्कार का द्योतक है। यह पर्व प्रतीक है- असत्य पर सत्य की, अधर्म पर धर्म, स्वार्थ पर परोपकार की विजय का। यह मानवता को गरिमा देने का पर्व है। प्रत्यूष के पिछले अंक में ***रेणु शर्मा*** बता चुकी हैं - माता के नव स्वरूप और उनकी पूजा विधि। इसी माह महाअष्टमी पर्व मनाया जाएगा। इस पर्व पर वे बता रही हैं - कन्यापूजन और महाष्टमी का महत्व

नवरात्र में कन्या पूजन का बड़ा महत्व है। सच तो यह है कि छोटी बालिकाओं में देवी दुर्गा का रूप देखने के कारण श्रद्धालु उनकी पूजा-अर्चना करते हैं। हमारे धर्म ग्रंथों में कन्या पूजन को नवरात्र व्रत का अनिर्वाय अंग बताया गया है। ऐसा माना जाता है कि दो से दस वर्ष तक की कन्या देवी के शक्ति स्वरूप की प्रतीक होती हैं। हिंदू धर्म में दो वर्ष की कन्या को कुमारी कहा जाता है। ऐसी मान्यता है कि इसके पूजन से दुख और दरिद्रता समाप्त हो जाती है। तीन वर्ष की कन्या त्रिमूर्ति मानी जाती है। त्रिमूर्ति के पूजन से धन-धान्य का आगमन और संपूर्ण परिवार का कल्याण होता है। चार वर्ष की कन्या कल्याणी के नाम से संबोधित की जाती है। कल्याणी की पूजा से सुख-समृद्धि की प्राप्ति होती है। पांच वर्ष की कन्या रोहिणी कही जाती है। रोहिणी के पूजन से व्यक्ति रोग मुक्त होता है। छह वर्ष की कन्या कलिका की अर्चना से विद्या, विजय, राजयोग की प्राप्ति होती है। सात वर्ष की कन्या चंडिका के पूजन से ऐश्वर्य मिलता है। आठ वर्ष की कन्या शाम्भवी की पूजा से वाद-विवाद में विजय तथा लोकप्रियता प्राप्त होती है। नौ वर्ष की कन्या दुर्गा की अर्चना से शत्रु का संहार होता है तथा असाध्य कार्य सिद्ध होते हैं। दस वर्ष की कन्या सुभद्रा कही जाती है। सुभद्रा के पूजन से मनोरथ पूर्ण होता है तथा लोक-परलोक में सब सुख प्राप्त होते हैं।

तंत्रशास्त्र के अनुसार यदि संभव हो तो साधक को नवरात्र से पहले दिन एक कन्या दूसरे दिन दो कन्या, तीसरे दिन तीन, चौथे दिन चार, पांचवें दिन पांच कन्या, छठे दिन छह, सातवें दिन सात, आठवें दिन आठ कन्या तथा नवे दिन नौ कन्याओं का पूजन करना चाहिए। इससे मां दुर्गा प्रसन्न होकर अपने भक्तों की अभिलाषा पूर्ण करती हैं। यदि भक्तों के लिए यह संभव न हो तो, वे नवरात्र की अष्टमी तथा नवमी के दिन अपनी सामर्थ्य के अनुसार कन्या पूजन करके भी देवी का आशीर्वाद प्राप्त कर सकते हैं। देवी के शक्तिपीठों में भी कन्याओं की नित्य पूजा होती है। शक्ति के आराधकों के लिए कन्या ही साक्षात माता के समान होती है। देवी की स्तुति करते हुए कहा गया है

या देवी सर्वभूतेषु मातृरूपेण संस्थिता।
नमस्तस्यै नमस्तस्यै नमस्तस्यै नमो नमः।।

भारत में कन्या को देवी के रूप में पूजा जाता है, वहीं आज सर्वाधिक अपराध कन्याओं के प्रति हो रहे हैं। वास्तव में जो समाज कन्याओं को संरक्षण, समुचित सम्मान और पुत्रों के बराबर स्थान नहीं दे सकता, उसे कन्या पूजन का कोई नैतिक अधिकार नहीं है। जब तक हम कन्याओं को यथार्थ में महाशक्ति यानी देवी का प्रसाद नहीं मानेंगे तब तक कन्या पूजन नितांत ढोंग ही रहेगा। सच तो यह है कि शास्त्रों में कन्या पूजन का विधान समाज में उसकी महत्ता को स्थापित करने के लिए ही बनाया गया है।

पूजन की विधि

महा अष्टमी के दिन सुबह जल्दी उठकर स्नान के बाद देवी भगवती की पूरे विधि और विधान से पूजा करनी चाहिए। माता की प्रतिमा नए एवं आकर्षक वस्त्रों से सुसज्जित रहना चाहिए। देवी मां सारे परम्परागत हथियारों से सज्ज होनी चाहिए। उन पर एक चांदी-सोने का छत्र भी होना चाहिए। इनकी पूजा में रक्त पुष्प, खीर, हलुवा, पकवान, मिष्ठान का नैवेद्य लगाएं। भवानी अष्टक से अर्चन प्रार्थना करें तथा मंत्र जप करें। कन्या भोजन भी कराएं। ध्यान रहे हर मंत्र जप के पहले संकल्प लें। घट स्थापना होती हैं वहां देवी पाठ, जप कराते करते हैं, अधिक तर इस दिन हवन करते हैं। वैसे इस दिन की अधिष्ठात्री देवी महागौरी है। वैभव, ऐश्वर्य प्रदान करने में इनकी समता कोई नहीं कर सकता है।

अष्टमी का विशेष महत्व

महागौरी की पूजा से भक्तों के सभी पाप धुल जाते हैं। मान्यता है कि देवी महागौरी ने कठिन तपस्या से भगवान शिव को अपनी पति के रूप में पाया था। माता महागौरी का वाहन बैल है। इनका मुख्य शस्त्र त्रिशूल है। नवरात्री के आठवें दिन यानि अष्टमी को महागौरी की पूजा की छठा देखते ही बनती है। मां गौरी को शिव की अर्धांगिनी और गणेश जी की माता के रूप में जाना जाता है। यदि कोई भक्त महागौरी की सच्चे दिन से उपासना करता है तो भक्तों के सभी कल्मष धुल जाते है, पूर्व संचित पाप भी माफ हो जाते हैं। माता महागौरी के चमत्कारिक मंत्र का अपना महत्व है, जिन्हें जपने से अनंत सुखों का फल मिलता है।

www.mirandaschool.org
MIRANDA SCHOOL
A Co-Educational Sr. Sec. English Medium School
MIRANDA SR. SEC. SCHOOL
Miranda
ADMISSIONS
OPEN
2025-26
PRE-SCHOOL to IX & XI
"Exploring Today,
Shaping Tomorrow!"
Innovative Curriculum
Qualified Teaching Team
Interactive Smart Digital Classroom
Holistic Development
Impressive infrastructure
Educational Field Tours
Indoor and Outdoor Sports Activities
Camera & GPRS Enable Transportation Facility
For more information call us:
9414546333
Hiran Magri Sec.-5, Udaipur (Raj.)

राहु का मीन राशि में नक्षत्र परिवर्तन
मई तक रहेंगे वक्री शुक्र

डॉ. महेन्द्र मिश्रा, ज्योतिषाचार्य

भ्रम पैदा करने वाले ग्रह राहु ने पिछले माह (16 मार्च) देवगुरु वृहस्पति के नक्षत्र पूर्वाभाद्रपद में प्रवेश किया। राहु के नक्षत्र परिवर्तन से कुछ राशि वालों को जहां लाभ वही कुछ को सावधानी बरतनी पड़ेगी। ज्योतिष शास्त्र में राहु को भ्रम पैदा करने वाला जबकि गुरु को ज्ञान और शुभ फलदायी माना गया है। राहु 23 नवम्बर तक परिवर्तित नक्षत्र में विचरण करेंगे। वैदिक ज्योतिष शास्त्र के अनुसार राहु को पापी और कलयुग का राजा माना जाता है। राहु का प्रभाव सभी राशियों के जातकों के ऊपर व्यापक रूप से पड़ता है। राहु हमेशा वक्री चाल से चलने वाले ग्रह और इनको अन्य दूसरे ग्रहों की तरह किसी भी राशियों का स्वामित्व प्राप्त नहीं है। राहु का गोचर करीब 18 महीनों के बाद होता है। राहु इस साल अपनी राशि परिवर्तन करेंगे, इसके साथ ही नक्षत्र परिवर्तन भी करेंगे, जिसका प्रभाव भी सभी राशियों के जातकों के ऊपर देखने को मिलेगा।

मेष राशि

मेष राशि के जातकों के लिए राहु का नक्षत्र परिवर्तन बहुत ही कामयाबी लेकर आ रहा है। राहु 23 नवम्बर तक इसी नक्षत्र में रहेंगे। ऐसे में मेष राशि के जातकों को काफी समय तक लाभ मिलने वाला है। यहां राहु इस राशि के 12वें और 11वें भाव में गोचर करेंगे। ऐसे में जहां खर्चों में बढ़ोतरी होगी तो अतिरिक्त आय के नए स्रोत भी मिलेंगे। भाग्य का पूरा साथ मिलेगा। व्यापार करने वाले जातकों को इस अवधि के दौरान खासा मुनाफा मिलने के योग है। कार्यक्षेत्र में अच्छी सफलता तो मिलेगी लेकिन इसके लिए कड़ी मेहनत भी करनी होगी। रुझान धर्म और अध्यात्म की तरफ रहेगा। इस दौरान काम धंधे के सिलसिले में विदेश की यात्रा का भी मौका मिल सकता है।

मिथुन राशि

मिथुन राशि के जातकों के लिए भी राहु का नक्षत्र परिवर्तन बहुत ही लाभदायक होगा। लाभ के अवसरों में राहु वृद्धि करवाएंगे। कर्म भाव में राहु के विराजमान होने से अचानक धन प्राप्ति के योग बनेंगे और अच्छे परिणाम मिल सकते हैं। जो लोग नौकरी पेशा हैं उनको नौकरी में प्रमोशन और वेतन में वृद्धि मिल सकती है। वहीं व्यापार में इस राशि के जातकों को अच्छा खासा लाभ भी मिल सकता है। अधूरी इच्छाएं पूरी हो सकती हैं। मार्च में सबसे बड़ा राशि परिवर्तन इस राशि वालों को मिलेगा। धन कमाने के अच्छे मौके मिलेंगे।

वृश्चिक राशि

इस राशि के जातकों के लिए राहु का गुरु के नक्षत्र में परिवर्तन एक तरह से किसी वरदान से कम नहीं है। राहु की चाल में बदलाव से स्थितियां अनुकूल होगी। इस राशि में राहु पांचवे भाव में होंगे। जिससे धन अर्जित करने की पूरी संभावना है। जिन लोगों पर अगर कर्ज है तो उन्हें इससे छुटकारा भी मिलेगा। करियर में आ रही रुकावटें भी दूर हो सकती हैं। धन लाभ के अवसर में वृद्धि होगी।

शुक्र के वक्री होने से इन्हें मिलेगा लाभ

मार्च के प्रारंभ से ही शुक्र मीन राशि में वक्री हो गए हैं। वैदिक ज्योतिष शास्त्र में शुक्र ग्रह को धन-वैभव, सुंदरता, भोग विलास, आकर्षण और भौतिक सुख-सुविधाओं का कारक माना जाता है। शुक्र मीन राशि में उच्च के होते हैं। वृषभ और तुला राशि के स्वामी ग्रह शुक्र 13 अप्रेल को मार्गी होंगे, जहां ये 31 मई तक मीन राशि में रहेंगे फिर इसके बाद मेष राशि में प्रवेश कर जाएंगे। शुक्र के मीन राशि में वक्री होने से कुछ राशि वालों के भाग्य में अच्छा बदलाव देखने को मिल सकता है।

ये राशि होंगी भाग्यशाली

वृषभ राशि

वृषभ राशि के जातकों के लिए शुक्र ग्रह इनके ग्यारहवें भाव में वक्री हुए हैं। ऐसे में इनकी हर तरह की इच्छाओं की पूर्ति का समय आ चुका है। हर एक क्षेत्र में अपार सफलता के योग हैं। अधूरे काम पूरे होंगे। आर्थिक स्थितियां पहले से बेहतर होंगी। जीवन में खुशी के पल देखने को मिलेंगे। धन की कमी नहीं होगी। वैवाहिक जीवन सुखमय होगा।

धनु राशि

शुक्र ग्रह का उल्टी चाल से चलना धनु राशि वालों के लिए भाग्यशाली होने वाला है। ये आपकी राशि से चौथे भाव में वक्री हुए हैं। इस दौरान आपको वाहन, माता, भौतिक सुखों की प्राप्ति होगी। नौकरीपेशा को इसका अच्छा लाभ मिल सकता है। नौकरी में प्रमोशन और वेतन में वृद्धि के योग है। आत्मविश्वास वृद्धि होगी। साहस और पराक्रम में भी तेजी देखने को मिलेगी।

मेष राशि

मेष राशि के लोगों के लिए शुक्र ग्रह का अपनी उच्च राशि में रहते हुए वक्री होना बहुत ही लाभकारी हो सकता है। यह आपके 12वें भाव को प्रभावित करेगा। करियर में अच्छी तरक्की और नौकरी के भरपूर मौके मिलेंगे। जो लोग व्यापार में है उनको अच्छी कमाई हो सकती है। धन के लेनदेन में फायदा मिलेगा। धर्म-कर्म में की तरफ रुझान बढ़ेगा।

पं. सुरेन्द्र गौड़

with best complliments

ठा. सा. टिकमसिंह – श्रीमती चंदाकंवर

फोन : 2584082, मो.: 9414167024

ठा. सा. गिरिराजसिंह
श्रीमती राजश्रीकंवर

ठा. सा. गोविन्दसिंह
श्रीमती मंजुकंवर

कु. सा. गगनसिंह
श्रीमती रीनाकंवर

UDAIPUR GOLDEN

TRANSPORT COMPANY

Fleet Owner's & Transport Contractor's

HEAD OFFICE :
13, Behind Central Jail,
Udaipur-313001 (Raj.)

Rao Tikam Singh S/o Late Jaswant Singh
Rao Giriraj Singh S/o Late Jaswant Singh
Rao Govind Singh S/o Late Jaswant Singh
Village : Sagwardiya, Dist. Banswara (Raj.)

अखंड सुहाग की कामना का व्रत गणगौर

राजस्थान प्रदेश में गणगौर का उत्सव अनादिकाल से मनाया जाता रहा है। विवाहित व कुंवारी सभी आयु वर्ग की महिलाएं गणगौर की पूरी श्रद्धा से पूजन करती हैं। शीतलाष्टमी तक यह पूजा चलती है। हालांकि देश के अन्य भागों में भी यह पर्व थोड़े बहुत नाम भेद के साथ उत्साह से मनाया जाता है।

पुष्पा शर्मा

राजस्थान की माटी में संगीत व कला का सुंदर समन्वय है। लोक संस्कृति का दिग्दर्शन कराने के लिए लोक पर्व, त्योहार, उत्सव जिनका प्रदर्शन लोक संगीत और लोकनृत्यों के जरिए किया जाता है। अत: गणगौर का पर्व शिव और पार्वती की संयुक्त रूप से पूजा का पर्व है। शिवजी को राजस्थान की लोकभाषा में ईसर और पार्वती जी को गणगौर के रूप में नामांकित कर दोनों की अलग-अलग पहचान निर्धारित की गई है। इसलिए राजस्थानी इसे गणगौर के नाम से जानते हैं। गणगौर पर्व होली के दूसरे दिन से ही आरंभ हो जाता है। यह व्रत सुहागिनों के लिए पति के प्रति अनुराग उत्पन्न करने वाला और कुमारियों को उत्तम पति की प्राप्ति का वरदान देने वाला है। इसके अनुष्ठान से सुहागिनों का सुहाग अखण्ड रहता है। भारतभर में चैत्र शुल्क तृतीया का दिन गणगौर पर्व के रूप में मनाया जाता है। हिंदू समाज में यह पर्व विशेष तौर पर केवल महिलाओं के लिए होता है। इस दिन भगवान शिव ने पार्वतीजी को और पार्वतीजी ने समस्त स्त्री समाज को सौभाग्य का वरदान दिया था।इस दिन सुहागिनें दोपहर तक व्रत रखती हैं। पूजा-पाठ कर हर्षोल्लास से यह त्योहार मनाती है। कुंआरी कन्याएं भी सुयोग्य वर पाने के लिए गणगौर माता का पूजन करती है। 16 दिवसीय गणगौर पूजा के पर्व की शुरुआत होली के दूसरे दिन से होती है गणगौर का पर्व चैत्र शुक्ल नवरात्रि की तृतीया को सोलहवें दिन मनाया जाता है। इस दिन महिलाएं अपने सुहाग की लंबी उम्र के लिए सोलह श्रृंगार कर गणगौर पर्व मनाती हैं।

परम्परा की शुरुआत

गणगौर पर्व कब से मनाया जाता है इस संबंध में लोक मान्यताएं, पौराणिक कथन किवदंतियां हैं। पौराणिक मान्यता के अनुसार पार्वतीजी का विवाह जब शिवजी से हुआ तब उनकी मनोकामना पूरी हुई थी। एक पक्ष यह भी कहता है कि पार्वती ने शिवजी को अपना पति मानकर चाहा कि हर जन्म में वे ही उन्हें पति के रूप में प्राप्त हों। इस मनोकामना को पूर्ण करने के लिए उन्होंने गण्गौर की पूजा का व्रत लिया। उनकी इच्छा पूर्ण हुई और भगवान शिव से उनका विवाह हो गया। दूसरे पक्ष की मान्यता है कि विवाह के बाद पार्वतीजी पीहर आई तो सभी सहेलियों ने गाते-बजाते उनका स्वागत किया। तभी से यह पर्व मनाया जाता है।

विवाह के बाद पहली गणगौर की पूजा हर नववधू के लिए खास उत्साह लेकर आती है। राजस्थान में आज भी लड़कियां शादी के बाद पहली गणगौर की पूजा के लिए मायके जाती हैं। यह वाकई सुखद है कि यह त्योहार पूजा अर्चना के अलावा भी स्त्रीत्व के कई खुशहाल रंग समेटे है। इस पर्व के बहाने मायके आई बेटियां अपनी सखियों से मिलती हैं, सुख-दुख साझा करती हैं। घर-आंगन से जुड़ने का यह मौका पाती हैं। होली के दूसरे दिन से ही हर घर में इस पर्व के रंग बिखरते हैं लोकगीत सुनाई देने लगते हैं। यह स्त्रीमन का उल्लास ही तो है कि सज-धज कर रोज सुबह-सुबह महिलाएं गणगौर का पूजन करती है। हंसना-बतियाना, नाचना, गीत गाना और सखियों के संग हर दुख को भूलकर पति और परिवार के लिए आशीर्वाद मांगना, उन्हें भी एक दूजे से जोड़ देता है।

HARMONY SOUND

SOUND, LIGHTING, LED WALL AND TRUSSING
SOLUTIONS ALL UNDER ONE ROOF

Wedding, Social Gathering, Corporate Events & Artist shows.

12-13, Aanand Nagar, Opp. Geeta Timber, Tekri Madri, Link Road, Udaipur (Raj.)
info.harmonysound@gmail.com djpyush@gmail.com
harmony.sound.india

PIYUSH MAHESHWARI
+91 98291 76533
+91 77374 76533

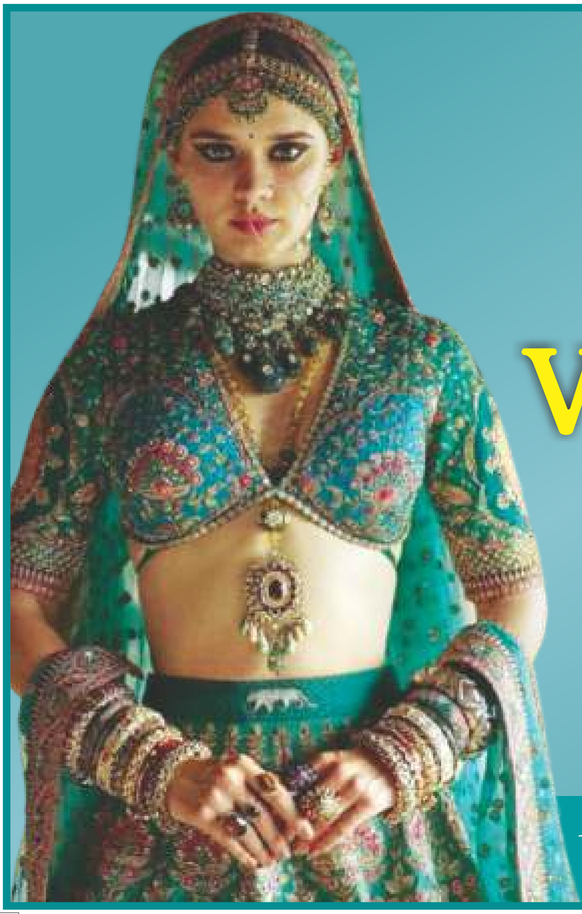

Mukesh Jain,
Director
96808 67866

SHREE VINAYAK SAREE

SAREE
LEHANGAS
SUITS

GST: 08ABCPJ8615P2Z5

1-TA, 27-B, Opp. Rajasthan Bakery,
Hiran Magri Sector 4-5, Udaipur

भारत की एक और बेटी ने रच दिया इतिहास

सुनीता व विल्मोर के लौटने पर झूम उठी दुनिया

अमित शर्मा

आठ दिनों के लिए नासा की संयुक्त क्रू फ्लाइट टेस्ट मिशन पर गई और तकनीकी कारणों से करीब 9 माह तक अंतरिक्ष में 'फंसी' रहीं। भारतीय मूल की अमेरिकी अंतरिक्ष यात्री सुनीता विलियम्स के 19 मार्च तड़के धरती को आलिंगनबद्ध करते ही उनकी सुरक्षित वापसी के लिए कई घंटों से 'दिल थामे' टकटकी लगाये बैठे विश्वभर के लोगों की आंखें खुशियों से छलछला उठी और इसके साथ ही, अंतरिक्ष विज्ञान में 19 मार्च का दिन स्वर्णिम अक्षरों में दर्ज हो गया।

'अंतरिक्ष परी' सुनीता विलियम्स और बुच विल्मोर ने 9 महीने 14 दिन बाद धरती पर कदम रखा। उनका ड्रैगन फ्रीडम स्पेसक्राफ्ट फ्लोरिडा के तट पर लैंड हुआ। दोनों अंतरिक्ष यात्री बोइंग और नासा के 8 दिन के जॉइंट 'क्रू फ्लाइट टेस्ट मिशन' पर गए थे, लेकिन स्टारलाइनर स्पेसक्राफ्ट के थ्रस्टर्स में तकनीकी समस्या के कारण इनकी 8 दिन की यात्रा 9 माह 14 दिन में तब्दील हो गयी।

स्पेसएक्स कैप्सूल ने अमेरिकी अंतरिक्ष यात्री सुनीता विलियम्स, बुच विलमोर तथा निक हेग और रूसी अंतरिक्ष यात्री अलेक्जेंडर गोर्बुनोव को फ्लोरिडा तट के पास अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन (आईएसएस) से चार पैराशूट का उपयोग करके सुरक्षित रूप से वापसी की। नासा द्वारा निर्धारित समय पर जैसे ही ड्रैगन ने स्प्लैशडाउन किया अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष वैज्ञानिकों और इस चमत्कृत करने वाले दृश्य का सीधा प्रसारण देख रहे लोगों में खुशी की लहर दौड़ गई। भारत के कई राज्यों में सुनीता की सुरक्षित वापसी के लिए विशेष प्रार्थनाएं की गई और पटाखें फोड़कर खुशियों का इजहार किया गया। बहरहाल, सुनीता विलियम्स का जोश और जज्बा विगत नौ महीने में जरा भी कम नहीं हुआ। उन्होंने या विल्मोर ने वापसी पर कोई ऐसा संकेत नहीं दिया, जिससे उनकी परेशानी का अंदाजा हो सके। नौ महीने का समय इन अंतरिक्ष यात्रियों ने खाली बैठकर या इंतजार करते हुए नहीं काटा बल्कि लगातार वैज्ञानिक परीक्षणों का दौर जारी रखा। दोनों कतई निराश नहीं हैं और उन्हें इस बात की खुशी है कि उन्हें इतना समय अंतरिक्ष स्टेशन पर गुजारने को मिला। बीते समय में सुनीता विलियम्स के नाम पर जो कीर्तिमान दर्ज हुए हैं, उन्हें लंबे समय तक याद

किया जाएगा।

सुनीता विलियम्स ने स्पेसवॉक का रिकॉर्ड बनाया है। साथ ही, स्पेसवॉक करते हुए सेल्फी लेकर उन्होंने सबको चौंकाया भी है। सुनीता ने यह सेल्फी 30 जनवरी, 2025 को ली थी, जब अंतरिक्ष स्टेशन प्रशांत महासागर से 423 किलोमीटर ऊपर परिक्रमा कर रहा था। सुनीता का यह नौवां स्पेसवॉक था। अंतरिक्ष से इन्होंने प्रयागराज के भव्य महाकुंभ का नजारा भी देखा। सुनीता ने एक महिला अंतरिक्ष यात्री के रूप में कुल स्पेसवॉक समय का रिकॉर्ड तोड़ दिया है। इससे पहले नासा की पूर्व अंतरिक्ष यात्री पैगी व्हिटसन के नाम यह रिकॉर्ड दर्ज था। नासा की सर्वकालिक सूची में चौथे स्थान पर पहुंची सुनीता के नाम 62 घंटे, 6 मिनट स्पेसवॉक का समय दर्ज हो गया है। यह एक अनुपम कामयाबी है। वैज्ञानिक भी मानते हैं कि इतनी दृढ़ इच्छाशक्ति और मानसिक मजबूती आज किसी अन्य महिला अंतरिक्ष यात्री में नहीं है। सुनीता विलियम्स से दुनिया भर में महिला वैज्ञानिकों और अंतरिक्ष यात्रियों को प्रेरणा मिलेगी। साथ ही, उनकी सफल वापसी से विज्ञान को भी बल मिलेगा। सुनीता विलियम्स अपने तीन मिशन में कुल मिलाकर 609 दिन अंतरिक्ष में बिता चुकी हैं। इस लिहाज से वे नौवें नंबर पर हैं। रूस के ओलेग कोनोनेन्को 1,110 दिन के साथ इस सूची में टॉप पर हैं। टॉप-10 में रूस / सोवियत संघ के 8 और अमेरिका के दो अंतरिक्ष यात्री हैं। वेगी विटसन (675 दिन) के बाद सुनीता विलियम्स अंतरिक्ष में सबसे ज्यादा समय बिताने वाली अमेरिकी अंतरिक्ष यात्री बन गई हैं।

मुर्मू व मोदी की शुभकामनाएं

भारत की बेटी सुनीता विलियम्स और उनके साथी अंतरिक्ष यात्रियों ने अपनी दृढ़ता, समर्पण और कभी हार न मानने की भावना से हम सभी को प्रेरित किया है।

द्रौपदी मुर्मू, राष्ट्रपति

क्रू 9, आपका स्वागत है। पृथ्वी को आपकी बहुत याद आई। आपका धैर्य, साहस और असीम मानवीय भावना की परीक्षा रही है। सुनीता आपने और क्रू 9 के अन्य अंतरिक्ष यात्रियों ने एक बार फिर हमें दिखाया है कि दृढ़ता का सही मतलब क्या है। आपने, एक पथप्रदर्शक और एक आदर्श के रूप में अपने पूरे करियर में इस भावना का उदाहरण दिया है। हमें आप पर बहुत गर्व है। हम भारत में आपके स्वागत के लिए उत्सुक हैं। यह हमारे लिए गर्व की बात होगी कि भारत की सबसे प्रतिष्ठित बेटियों में से एक की मेज़बानी कर सकें।

नरेन्द्र मोदी, प्रधानमंत्री

उतरते ही मेडिकल सुविधा: चारों अंतरिक्ष यात्रियों को नासा का वैज्ञानिकों ने ड्रैगन क्राफ्ट से उतरते ही जोरदार खुशी के साथ स्वागत किया और उन्हें सभी मेडिकल सुविधाओं के साथ तैयार की गई नावों में ले जाया गया। इन्हें लगभग 6 माह क्वारेंटाइन रहना होगा, ताकि पृथ्वी के परिवेश में पुन: ढलने में सक्षम हो सकें।

पंचतत्व में विलीन हुए अरविंद सिंह मेवाड़

मान और मर्यादा के पोषक को नहीं भूल पाएगा मेवाड़

पंकज कुमार शर्मा

मेवाड़ के पूर्व राज परिवार के सदस्य एवं लोकप्रियता के अनेक मानकों को स्पर्श करने वाले मेवाड़ी मान-मर्यादा के वाहक अरविंद सिंह मेवाड़ का 16 मार्च को 81 वर्ष की उम्र में अल्प रूग्णता के बाद निधन हो गया। वे अपने कौशल, कर्मशीलता, सफलता और उदात्त धारणाओं की बदौलत एक वैश्विक व्यक्तित्व थे। उनका जाना मेवाड़ के लिए बड़ी और अपूरणीय क्षति है। उन्होंने मेवाड़ के पर्यटन को नई दिशा और मज़बूती देने में अहम योगदान दिया। नवम्बर 1984 में इनके पिता तत्कालीन महाराणा भगवत सिंह मेवाड़ के देहावसान के बाद इन्होंने पुरखों की विरासत को नई ऊंचाइयां दी। महाराणा भगवत सिंह-सुशीला कुमारी के घर इनका जन्म 13 दिसम्बर 1944 को हुआ। इनकी प्रारंभिक शिक्षा माता-पिता के सानिध्य में ही महलों में ही हुई। उसके बाद मेयो कॉलेज अजमेर व महाराणा भूपाल कॉलेज में स्नातकोतर शिक्षा के बाद यू.के.व यू.एस.ए से होटल मैनेजमेंट की डिग्रियां हासिल कर एचआरएच ग्रुप ऑफ होटल्स के प्रबंध निदेशक व अध्यक्ष के रूप में होटल व्यवसाय को नए आयाम दिए। वे अपने पीछे शोक सन्तप्त धर्म पत्नी विजयाराज कुमारी पुत्र डॉ. लक्ष्यराज सिंह-पुत्रवधू निवृत्ति कुमारी, पुत्रियां भार्गवी देवी व पद्मजा कुमारी, पौत्रियां मोहलक्षिका व प्राणेश्वरी तथा पौत्र कुं. हरितराज सिंह सहित भरापूरा परिवार छोड़ गए हैं। पिछले वर्ष इनके बड़े भाई श्री महेन्द्र सिंह मेवाड़ का नवम्बर में निधन हो गया था। अरविंद सिंह मेवाड़ के भतीजे विश्वराज सिंह नाथद्वारा से विधायक हैं जबकि भतीजा वधू महिमा सिंह मेवाड़ राजसमंद से सांसद हैं। पार्थिव देह का अन्तिम संस्कार 17 मार्च को राजघराने के श्मशान महासतिया जी में पूर्ण वैदिक परम्परा से किया गया। शवयात्रा में विभिन्न राजनैतिक दलों के नेताओं-कार्यकर्ताओं, क्षत्रिय समाज के पदाधिकारियों व आम शहरियों ने बड़ी संख्या में शिरकत कर एकलिंग दीवान व अपने चहेते श्रीजी को मेवाड़ के गौरव को चारचांद लगाने में उनके योगदान को स्मरण किया।

मेवाड़ की परम्पराओं का श्रीजी पूर्ण निष्ठा से निर्वहन करते रहे। दशहरे से पूर्व अश्व-गज पूजन एवं होली के अवसर पर होलिका दहन। ठेठ मेवाड़ी व हिंदी पर उनका पूर्ण अधिकार था तो अंग्रेजी में भी वे धारा प्रवाह भाषण देते थे। एकलिंगनाथ के दर्शन के लिए वे बगलबंदी, दोलंगी, धोती एवं पगड़ी में जाते थे। क्रिकेट, पोलो, हॉकी, फुटबाल, कबड्डी एवं कुश्ती आदि भी खेल उनसे प्रोत्साहन पाते थे। उन्हें अश्वारोहण का शौक था तो मर्सिडीज कार चलाने व विमान उड़ाने का शौक भी बरकरार रहा। क्लासिक विंटेज कार कलेक्शन का नायाब गैराज आज भी उनके गार्डन होटल परिसर में है।

'प्रत्यूष' के प्रारंभिक अंकों का अवलोकन करते श्रीजी अरविंद सिंह मेवाड़। साथ में प्रधान सम्पादक विष्णु शर्मा हितैषी व तत्कालीन उपसम्पादक कालू लाल जैन। -फाइल फोटो

डेस्टिनेशन वेडिंग सिटी की पहली सोच

अरविंद सिंह मेवाड़ की उदयपुर को डेस्टिनेशन वेडिंग सिटी बनाने की सोच मूर्तरूप लेकर देश-दुनिया में अनूठी पहचान स्थापित कर चुकी है। इससे उदयपुर संभाग सहित देश के विभिन्न राज्यों के 50 हजार से ज्यादा परिवारों को यहां सीधा रोजगार मिल रहा है। देश-दुनिया की तमाम प्रतिष्ठित मैग्जीन्स-सर्वे में उदयपुर को श्रेष्ठ डेस्टिनेशन वेडिंग सिटी का तमगा मिल चुका है। श्रीजी स्वयं भी भी अनेक राष्ट्रीय-अन्तर्राष्ट्रीय पुरस्कारों से नवाजे गए।

होटल इंडस्ट्री की परिकल्पना साकार

उदयपुर में होटल इंडस्ट्री की शुरुआत महाराणा भगवत सिंह मेवाड़ ने 1980 के आसपास जगमंदिर पैलेस को होटल में तब्दील कर की। पिता की इस सोच को बढ़ाते हुए अरविंद सिंह ने जग मंदिर पैलेस, फतह प्रकाश पैलेस, शिव निवास पैलेस, गार्डन होटल, शिकारबाड़ी होटल सहित उदयपुर से बाहर कई शहरों में आलीशान होटल शुरू किए। उनकी प्रेरणा से आज अकेले उदयपुर में सैकड़ों होटल हैं, जिनमें ठहरने के लिए प्रतिमाह 1.5 लाख से ज्यादा पर्यटक आते हैं। उदयपुर की पहचान होटल इंडस्ट्री के तौर पर भी होने लगी है।

विद्वानों के सम्मान की परंपरा

महाराणा भगवत सिंह ने प्रतिभा, गुण, गरिमा, शील और आचरण के सम्मान के लिए महाराणा मेवाड़ फाउंडेशन वार्षिक अलंकरण सम्मान की परंपरा सन 1980-81 में शुरू की थी। पिता के निधन के बाद अरविंद सिंह मेवाड़ ने परंपरा को न केवल जारी रखा, बल्कि उसमें अंतरराष्ट्रीय (कर्नल जेम्स टोंड अलंकरण), तीन राष्ट्रीय (हकीम खां सूर अलंकरण, महाराणा उदय सिंह अलंकरण एवं पन्नाधाय अलंकरण) और एक राज्यस्तरीय (राणा पूंजा अलंकरण) जोड़कर विद्वानों के सम्मान की परंपरा को और व्यापकता दी।

वंडर सीमेंट का शिक्षा संजीवनी योजना में सहयोग

शिक्षामंत्री मदन दिलावर का स्वागत करते निदेशक परमानन्द पाटीदार व अन्य।

उदयपुर। वंडर सीमेंट लिमिटेड, निम्बाहेड़ा द्वारा सीएसआर नींव इनिशिएटिव के तहत शिक्षा क्षेत्र में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा एवं आधारभूत विकास के साथ राजस्थान सरकार की शिक्षा संजीवनी व्यक्तिगत दुर्घटना बीमा योजना अंतर्गत उदयपुर के राजकीय विद्यालयों में कक्षा 1 से 5 तक अध्ययनरत एक लाख तीस हजार छात्र-छात्राओं का भविष्य सुरक्षित किया गया है। उदयपुर में हुए शिक्षा संजीवनी व्यक्तिगत दुर्घटना बीमा प्रमाण पत्र वितरण समारोह में शिक्षा मंत्री मदन दिलावर, वंडर सीमेंट लिमिटेड के पूर्णकालिक निदेशक परमानंद पाटीदार द्वारा छात्रों को शिक्षा संजीवनी योजनान्तर्गत बीमा प्रमाण पत्र प्रदान किए गए। समारोह में शिक्षा मंत्री ने वंडर सीमेंट द्वारा शिक्षा के क्षेत्र में किए अमूल्य सहयोग की सराहना करते हुए कंपनी प्रबंधन को धन्यवाद दिया। परमानंद पाटीदार ने शिक्षा मंत्री का स्वागत कर बताया द्वस्र आरके मार्बल ग्रुप, वंडर सीमेंट की पहली प्राथमिकता राजकीय विद्यालयों का आधारभूत विकास एवं गुणवत्ता पूर्ण शिक्षा है। वंडर सीमेंट लिमिटेड के यूनिट हैड नितिन जैन ने बताया कि कम्पनी द्वारा सीएसआर नींव इनिशिएटिव के तहत निम्बाहेड़ा परियोजना क्षेत्र के नजदीकी गांवों के सभी सरकारी विद्यालयों के भौतिक परिवेश में सुधार हेतु संपूर्ण नवीनीकरण कार्य सहित छात्र-छात्राओं की बैठक व्यवस्था के लिए अब तक चार हजार से अधिक फर्नीचर सेट उपलब्ध कराए गए हैं। विद्यालयों में गुणवत्तापूर्ण डिजिटल शिक्षण हेतु इंटरएक्टिव फ्लैट पैनल, कम्प्यूटर लैब, विद्युतीकरण जैसे कई कार्य भी करवाए। जिसके लिए राज्य सरकार द्वारा अब तक 9 बार राज्यस्तरीय भामाशाह सम्मान समारोह में शिक्षा विभूषण से सम्मानित किया जा चुका है।

रोहित पांडे युवा प्रकोष्ठ के उपाध्यक्ष नियुक्त

उदयपुर। विप्र फाउंडेशन युवा प्रकोष्ठ (जोन-1ए) के प्रदेश अध्यक्ष विकास शर्मा एवं शहर जिलाध्यक्ष लोकेश मेनारिया के निर्देशानुसार उदयपुर जिले की वर्ष 2024-26 की कार्यकारिणी का विस्तार कर रोहित पांडे को शहर जिला उपाध्यक्ष नियुक्त किया गया। प्रदेश अध्यक्ष नरेन्द्र पालीवाल एवं प्रदेश महासचिव राकेश जोशी ने उनका उपरना ओढ़ाकर स्वागत किया।

फ्रेशर पार्टीः शिवम मिस्टर, नुपूर मिस फ्रेशर

उदयपुर। अमेरिकन इंटरनेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेस में सांस्कृतिक कार्यक्रम मृदंग 2025 का आगाज फ्रेशर पार्टी के साथ हुआ। आयोजन में एमबीबीएस प्रथम वर्ष के छात्र शिवम पीपलीवाल मिस्टर और नुपुर शर्मा मिस फ्रेशर चुने गए। डीन डॉ. विनय जोशी, ग्रुप डायरेक्टर डॉ. आनंद झा, डायरेक्टर डॉ. सुरभि पोरवाल ने किया। इसमें एमबीबीएस स्टूडेंट्स के लिए मेहंदी, डांस, बैडमिंटन, वॉलीबॉल, टग ऑफ वार, रंगोली, मेकअप, म्यूजिकल चेयर आदि प्रतियोगिताएं आयोजित हुई।

जोशी आरएसएमएमएल के निदेशक नियुक्त

उदयपुर। हिंदुस्तान जिंक लिमिटेड के पूर्व मुख्य कार्यकारी अधिकारी अखिलेश जोशी को राजस्थान स्टेट माइंस एण्ड मिनरल्स लिमिटेड (आरएसएमएमएल) का स्वतंत्र निदेशक नियुक्त किया गया है। यह नियुक्ति प्रदेश सरकार के निर्देश पर की गई है। जोशी वर्तमान में हिंदुस्तान जिंक सहित देश की कई नामचीन खान कंपनियों में स्वतंत्र निदेशक हैं।

सीडलिंग की मैत्री का राज्य स्तर पर चयन

उदयपुर। सीडलिंग स्कूल की छात्रा मैत्री डोडियाल का इंस्पायर अवार्ड में राज्य स्तर पर चयन हुआ है। कक्षा दस की छात्रा ने विकलांग व्यक्तियों के लिए गतिशीलता को बदलने के लिए एक उन्नत व्हीलचेयर डिजाइन की, जिसके लिए उन्हें दस हजार की राशि से पुरस्कृत किया गया। मैत्री के तैयार किए गए प्रोजेक्ट इवो लिफ्ट आराम, गतिशीलता और स्वतंत्रता को बढ़ाने के लिए केन्द्रीय डिजाइन अत्याधुनिक तकनीक को दर्शाती है। स्कूल के चेयरमैन हरदीप बक्शी ने मैत्री को बधाई दी।

जीवन भर सीखने की जिज्ञासा होनी चाहिएः सिंघल

उदयपुर। उदयपुर चेंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री (यूसीसीआई) के आओ फैक्ट्री देखें अभियान के तहत सदस्यों ने थर्ड स्पेस का भ्रमण किया। इस दौरान संजय सिंघल ने कहा कि थर्ड स्पेस में विज्ञान, कला और वाणिज्य का संगम हुआ है। इसका उद्देश्य आमजन में वैज्ञानिक दृष्टिकोण विकसित करना और जीवन भर सीखते रहने की जिज्ञासा उत्पन्न करना है। मानद महासचिव डॉ. पवन तलेसरा ने बताया कि थर्ड स्पेस के प्रतिनिधि राहुल ने सदस्यों को यहां की रचनात्मक गतिविधियों के बारे में जानकारी दी। सदस्यों ने जुगाड़, सिनेमा, झूले, रॉक क्लाइंबिंग, टपरी, लाइब्रेरी, विज्ञान लोक आदि गतिविधियों का अवलोकन किया। थर्ड स्पेस के अनूठे आर्किटेक्चर की भी जानकारी दी गई। इस विजिट में 60 से अधिक सदस्य शामिल थे।

पेसिफिक मेडिकल कॉलेज की पत्रिका का विमोचन

उदयपुर। पेसिफिक मेडिकल कॉलेज एवं हॉस्पिटल द्वारा प्रकाशित पेसिफिक जनरल ऑफ मेडिकल एंड हेल्थ साइंसेस के क्रोनो न्यूट्रीशियन (पोषण) और ट्रेस एलिमेंट्स (तत्वों) विषय पर आधारित विशेष अंक का प्रकाशन किया गया। प्रधान संपादक डॉ. एस.के. वर्मा तथा संपादक रविन्द्र बांगड़ ने विशेषांक की प्रति संस्थान के चेयरमैन राहुल अग्रवाल और सीईओ शरद कोठारी को भेंट की। राहुल अग्रवाल ने बताया कि यह त्रैमासिक शोध पत्रिका देश के सभी प्रतिष्ठित मेडिकल कॉलेज के पुस्तकालयों को नि:शुल्क भेजी जाती है।

अंतरराष्ट्रीय सहकारिता वर्ष के 'लोगों' का विमोचन

उदयपुर। अंतरराष्ट्रीय सहकारिता वर्ष 2025 के लोगों (टेबल फ्रेम) का विमोचन अतिरिक्त रजिस्ट्रार सहकारिता खंड उदयपुर गुंजन चौबे ने किया। इस अवसर पर वर्ष 2025 के दौरान सहकारिता विभाग द्वारा आयोजित होने वाले विभिन्न कार्यक्रमों को लेकर विचार-विमर्श किया गया। साथ ही वार्षिक कार्य योजना का कैलेंडर जारी किया गया। इस दौरान क्षेत्रीय अंकेक्षण अधिकारी आशुतोष भट्ट, केन्द्रीय सहकारी बैंक उदयपुर के प्रबंध निदेशक अनिमेष पुरोहित, सहकारी उपभोक्ता भंडार के महाप्रबंधक डॉ. प्रमोद कुमार आदि उपस्थित रहे।

कपिश की बड़ी उपलब्धियां

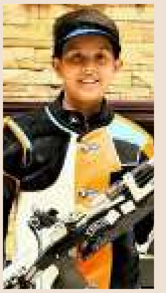

उदयपुर। कपिश तोमर (12) ने राष्ट्रीय निशानेबाजी में अपना परचम लहराया है। पिछले दो वर्षों में उन्होंने राज्य और जिला स्तर पर कई पदक जीतें हैं। उनकी प्रतिभा और मेहनत के दम पर उन्होंने जयपुर (जगतपुरा ओएसिस) में आयोजित प्री नेशनल में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर राष्ट्रीय प्रतियोगिता के लिए स्थान सुनिश्चित किया। कपिश ने अपनी पहली ही कोशिश में भोपाल के स्टेट शूटिंग रेंज में राष्ट्रीय प्रतियोगिता में हिस्सा लेकर इंडिया ट्रायल्स के लिए भी क्वालीफाई किया। यह उनकी लगन और मेहनत का प्रमाण है कि इतनी कम उम्र में उन्होंने यह बड़ी उपलब्धि हासिल की है। कपिश उदयपुर के माउंट लिटेरा जी स्कूल में कक्षा 6 के छात्र हैं। वे बीएन शूटिंग रेंज में अभ्यास करते हैं और उनके कोच डॉ. जितेन्द्रसिंह चुंडावत है। उनके मार्गदर्शन और कपिश की मेहनत ने उन्हें इस मुकाम तक पहुंचाया है।

Welcome in the world of comfort

SUNIL GARMENTS

SUNIL TEXTILES

Dangi Saree's

With an exclusive range of

- Suiting
- Shirting
- Suitlengths
- Shawls
- Blankets
- Bedsheets

Exclusive Readymade Brands

- Kurtis

Party Wear

- Sarees & Lehangas

61, NORTH SUNDERWAS, UDAIPUR : 9414169044

आठ ग्रहों का मुखिया सूर्य

हम जिस पृथ्वी पर रहते हैं, वह सौरमंडल (सोलर सिस्टम) का एक छोटा हिस्सा है। सूर्य, इसके ग्रहों और उनके पास घूमने वाली चीजोंको सामूहिक रूप से सौरमंडल या सोलर सिस्टम कहा जाता है। इस सोलर सिस्टम का मुखिया सूर्य है, ठीक वैसे ही जैसे हमारे घर के मुखिया माता-पिता होते हैं। सोलर सिस्टम में सब कुछ सूर्य के इर्द-गिर्द घूमता है।

प्रीति शर्मा

सूर्य का एक तारा है और सौरमंडल में 8 ग्रह हैं। इनके नाम हैं- बुध (मर्करी), शुक्र (वीनस), पृथ्वी (अर्थ), मंगल (मार्स), वृहस्पति (जूपिटर), शनि (सैटर्न), अरुण (यूरेनस) और वरुण (नेप्च्यून)। हालांकि कुछ साल पहले तक सौरमंडल में 9 ग्रह होते थे और प्लूटो इसका नवां ग्रह था। लेकिन 2006 में वैज्ञानिकों ने प्लूटो को ग्रह की श्रेणी से हटा दिया, क्योंकि यह बहुत छोटा था। चलो आज जानते हैं अपने सोलर सिस्टम की कुछ मजेदार बातों को-

■ पृथ्वी पर जितने बालू के कण हैं, उससे ज्यादा तारे यूनिवर्स में हैं।

■ हमारे सोलर सिस्टम की उम्र करीब 4.6 खरब वर्ष है।

■ अंतरिक्ष में जाने वाले लोग रो नहीं सकते, क्योंकि वहां गुरुत्वाकर्षण नहीं है, इसलिए आंसू नहीं बह सकते।

■ अगर पृथ्वी पर तुम्हारा वजन 30 किलो है तो चंद्रमा पर जाते ही वह केवल 5 किलो रह जाएगा, लेकिन सूर्य पर 840 किलो हो जाएगा। यानी चंद्रमा पर किसी व्यक्ति का वजन पृथ्वी के वजन का छठा भाग हो जाता है, जबकि सूर्य पर वजन पृथ्वी से 24 गुणा हो जाता है। ऐसा अलग-अलग स्थानों के अलग गुरुत्वीय खिंचाव की वजह से होता है।

■ सिरीअस (इसे डॉग स्टार भी कहा जाता है) सूर्य से भी बहुत चमकीला तारा है। सिरीअस यूनिवर्स का सबसे चमकीला तारा है।

■ अगर तुम अंतरिक्ष में चिल्लाओगे तो तुम्हारे पास खड़ा व्यक्ति भी उसे सुन नहीं पाएगा, क्योकि वहां कोई हवा नहीं है, जो तुम्हारी आवाज को आगे ले जा सके।

■ जिस तरह पृथ्वी सौरमंडल का हिस्सा है, उसी तरह सौरमंडल एक गैलेक्सी का हिस्सा है, जिसे 'मिल्की वे' कहा जाता है।

■ सूर्य का मजबूत गुरुत्वीय बल पृथ्वी और दूसरे ग्रहों को उनके स्थान पर रखता है।

■ बुध ग्रह सूर्य के सबसे नजदीक है, लेकिन यह सबसे गर्म ग्रह नहीं है। शुक्र सौरमंडल का सबसे गर्म ग्रह है।

■ सूर्य का करीब 75 प्रतिशत हिस्सा हाइड्रोजन से बना है, जबकि बाकी का ज्यादातर हिस्सा हीलियम है।

■ सूर्य के प्रकाश को पृथ्वी पर पहुंचने में करीब 8 मिनट लगते हैं।

■ चंद्रमा के प्रकाश को पृथ्वी पर पहुंचने में करीब 1.25 सेकंड लगते हैं।

■ सौरमंडल के 8 ग्रह दो ग्रुप में बांटे गए हैं- इनर प्लैनेट और आउटर प्लैनेट। बुध, शुक्र, मंगल और पृथ्वी इनर प्लैनेट हैं, जबकि वृहस्पति, शनि, यूरेनस और नेप्च्यून आउटर प्लैनेट हैं।

■ इनर प्लैनेट और आउटर प्लैनेट के छोटे-छोटे निकाय (बॉडीज) यानी बेहद छोटे आकाशीय पिंडों के छल्ले हैं, जो रॉक और मेटल से बने होते हैं। इन्हें 'एस्टरॉइड' या क्षुद्र ग्रह कहते हैं। ये सूर्य के चारों तरफ भी घूमते रहते हैं। इन छल्लों को 'एस्टरॉइड बेल्ट' भी कहते हैं।

■

बुध : सूर्य के सबसे नजदीक

■ इसका नाम रोमन देवताओं के संदेशवाहक (मेसेंजर) के नाम पर रखा गया है। यह सूर्य का सबसे नजदीकी ग्रह है।

■ बुध पर दिन में तापमान 400 डिग्री होता है, जबकि यह रात में माइनस 180 डिग्री हो जाता है।

■ यह सबसे छोटा ग्रह है और इसका कोई उपग्रह नहीं है।

■ बुध पर पानी नहीं है, यहां कोई मौसम नहीं होता और इसे नंगी आंखों से देखा जा सकता है।

■ यह सूर्य का चक्कर 88 दिनों में लगाता है, इसलिए बुध ग्रह पर एक वर्ष 88 दिनों का होता है।

शुक्र : सबसे चमकीला और गर्म ग्रह

■ यह सौरमंडल का सबसे चमकीला और गर्म ग्रह है।

■ इसका नाम प्रेम और सुंदरता के रोमन देवता के नाम पर है। यह सूर्य का चक्कर 225 दिनों में लगाता है।

■ शुक्र को पृथ्वी का जुड़वां या सिस्टर ग्रह भी कहा जाता है, क्योंकि इसका साइज और भार करीब-करीब पृथ्वी के बराबर ही है।

■ अगर आकाश में इसकी स्थिति का पता हो तो इसे कभी-कभी नंगी आंखों से भी देखा जा सकता है।

मंगल : लाल ग्रह

■ मंगल के दो उपग्रह हैं।

■ इसका नाम युद्ध के रोमन देवता के नाम पर रखा गया है।

■ आयरन ऑक्साइड की वजह से इसकी सतह लाल दिखती है, जिसकी वजह से इसे 'रेड प्लैनेट' कहा जाता है।

■ मंगल के वायुमंडल में 95 प्रतिशत कार्बन डाईऑक्साइड, 3 प्रतिशत नाइट्रोजन, 1.6 प्रतिशत ऑर्गन है और कुछ ऑक्सीजन तथा पानी भी है।

वृहस्पति : सबसे बड़ा ग्रह

■ यह सौरमंडल का सबसे बड़ा ग्रह है।

■ इसका नाम रोमन देवता जूपिटर के नाम पर रखा गया है।

■ जूपिटर किसी भी ग्रह के मुकाबले सबसे ज्यादा तेजी से घूमता है। इसके 67 चंद्रमा यानी सेटेलाइट हैं।

■ इसे 'तूफानी ग्रह' भी कहते हैं, क्योंकि इसके वायुमंडल में बहुत सारे तूफान आते हैं। अलग-अलग तरह के तूफानों और बादलों के बनने की वजह से यह बहुत कलरफुल प्लैनेट लगता है। इसे सोलर सिस्टम का 'वैक्यूम क्लीनर' भी कहा जाता है।

पृथ्वी : नीला ग्रह

■ इसे पानी वाला ग्रह भी कहा जाता है, क्योंकि पृथ्वी के 70 प्रतिशत से ज्यादा हिस्से पर पानी है।

■ सूर्य का जितना प्रकाश पृथ्वी पर पहुंचता है, उसका एक-तिहाई हिस्सा ही वह रिफ्लेक्ट करती है। पृथ्वी का वायुमंडल सूर्य के प्रकाश को बिखेर देता है और एक ब्लू इफेक्ट पैदा करता है। इसलिए पृथ्वी को 'ब्लू प्लैनेट' भी कहते हैं।

■ पृथ्वी इकलौता ग्रह है, जहां जीवन है यानी लोग रहते हैं।

■ यह अपने अक्ष पर घूमती है, जिससे दिन और रात होते हैं। ऐसा करने में इसे 24 घंटे का समय लगता है।

■ यह सूर्य का एक चक्कर लगाने में करीब 365 दिन लगाती है, इसलिए पृथ्वी पर एक साल 365 दिनों का होता है।

■ पृथ्वी के सूर्य का चक्कर लगाने के दौरान इसमें जो झुकाव होता है, उसकी वजह से मौसम बदलते हैं।

■ पृथ्वी का सिर्फ एक उपग्रह है, उसका नाम है चंद्रमा।

■ चंद्रमा भले ही चमकता हुआ दिखाई दे, लेकिन यह सूर्य के प्रकाश से चमकता है।

■ पूर्णिमा के दिन का चांद यानी फुल मून अर्द्ध चंद्र (हाफ मून) से 9 गुणा चमकीला होता है।

शनि : छल्लों (रिंग) वाला ग्रह

■ शनि सूर्य से छठा ग्रह है और यह सौरमंडल का दूसरा सबसे बड़ा ग्रह है और सबसे हल्का ग्रह भी।

■ इसका नाम रोमन देवता सैटर्न के नाम पर रखा गया है।

■ इसके 22 चंद्रमा हैं। इसे नंगी आंख से देख सकते हैं।

■ यह पृथ्वी से 95 गुणा भारी है।

■ यह सूर्य का चक्कर लगाने में पृथ्वी के 29.5 साल के बराबर समय लेता है।

■ इसका घनत्व (डेंसिटी) इतना कम है कि इसे पानी में रखने पर यह तैरने लगेगा।

■ शनि ग्रह के चारों ओर दिखने वाले रिंग पत्थर और बर्फ के टुकड़ों से बने हैं।

अरुण : पूर्व से पश्चिम घूमने वाला ग्रह

■ इसका नाम आकाश के रोमन देवता के नाम पर रखा गया है।

■ यह इकलौता प्लैनेट है, जो अपने अक्ष पर पूर्व से पश्चिम की ओर घूमता है।

■ इसके 27 चंद्रमा यानी सेटेलाइट हैं।

■ यह बहुत ठंडा ग्रह है। यह सूर्य से बहुत दूर है, जिसके कारण सूर्य का जितना प्रकाश पृथ्वी पर पहुंचता है, उससे 370 गुणा कम प्रकाश यूरेनस पर पहुंचता है।

वरुण : सबसे ठंडा ग्रह

■ इसे नंगी आंखों से नहीं देखा जा सकता। इसके 8 चंद्रमा हैं।

■ यह सौरमंडल का सबसे ठंडा ग्रह है। सूर्य से इसकी औसत दूरी 4.50 खरब किलोमीटर है और यह सूर्य का एक चक्कर लगाने में औसतन 164.79 साल का समय लेता है।

अक्षय तृतीयाः देह तपाने की यात्रा

भारतीय संस्कृति भौतिकता एवं आध्यात्मिकता के समन्वय का उत्कृष्ट उदाहरण है। वह केवल पदार्थवादी और भौतिकतावादी नहीं है। जीवन में जरूरतों की पूर्ति इसमें इसलिए की जाती है, जिससे मोक्ष की साधना और आत्मोपलब्धि हो सके। हमारा उद्देश्य आत्मा और उसकी पवित्रता तक पहुंचना है।

ललित गर्ग

अक्षय तृतीया महापर्व का न केवल सनातन परम्परा में बल्कि जैन परम्परा में विशेष महत्व है। इसका लौकिक और लोकोत्तर-दोनों ही दृष्टियों में महत्व है। यह दिन किसानों और कुंभकारों के लिए बड़ महत्व का दिन है। बैलों के लिए बड़े महत्व का दिन है, यह दिन अनबुझा शुभ मुहूर्त का दिन भी है, जिस दिन बिना किसी पंडित को मुहूर्त दिखाए शादियां होती हैं। प्राचीन समय से यह परम्परा रही है कि आज के दिन राजा अपने देश के विशिष्ट किसानों को राज दरबार में आमंत्रित करता था और उन्हें अगले वर्ष बुवाई के लिए विशेष प्रकार के बीज उपहार में देता था। लोगों में यह धारणा प्रचलित थी कि उन बीजों की बुवाई से किसान के धान्य कोष्ठक कभी खाली नहीं रहते। यह इसका लौकिक दृष्टिकोण है। लोकोत्तर दृष्टि से अक्षय तृतीया पर्व का संबंध भगवान ऋषभ के साथ जुड़ा हुआ है। तपस्या हमारी संस्कृति का मूल तत्व है, आधार तत्व है। कहा जाता है कि संसार की जितनी समस्याएं हैं तपस्या से उनका समाधान संभव है और तपस्या के द्वारा संसार की संपदाओं को हासिल करने का प्रयास करने वाले साधक इस दिन से तपस्या प्रारंभ करके इसी दिन संपन्न करते हैं। जैन धर्म में वैशाख शुक्ल तृतीया का दिन ऋषभ के जीवन का एक महत्वपूर्ण पृष्ठ है। उस समय ऋषभ के अभिनिष्क्रमण का एक वर्ष संपन्न हो चुका था, बल्कि पचीस दिन और बीत गए। इस काल में ऋषभ ने न कुछ खाया, न पीया। कई बार उन्होंने भोजन की इच्छा से परिभ्रमण भी किया। पर कुछ नहीं मिला। लंबे समय तक अन्न-जल ग्रहण न करने से उन्हें निराहार रहने का अभ्यास हो गया। अपने श्वासोच्छास के माध्यम से सूर्य की रश्मियों और हवा से उन सब तत्वों को ग्रहण कर लेते हैं, जो उनके शरीर के लिए आवश्यक थे। इस तरह घोर तपस्या करते हुए वे हस्तिनापुर पहुंचे। वहां राजमहल के गवाक्ष में राजकुमार श्रेयांस ने भगवान ऋषभ को देखा, वे नीचे उतरे और नंगे पांव ही दौड़कर उनके चरणों में गिर पड़े। श्रेयांस ने भिक्षा की प्रार्थना की। ऋषभ का वह परिव्रजन भिक्षा के लिए ही था। अत: उनकी मौन सहमति प्राप्त हो गई। उस दिन प्रात:काल ही ताजे इक्षुरस से भरे 108 कुंभ से ऋषभ द्वारा हाथों से बनाई अंजलि में श्रेयांस ने एक धार इक्षुरस उडेलना शुरु किया। इस तरह ऋषभ की तपस्या का पारणा होते ही चारों ओर अहोदानम-अहोदानम की ध्वनियां निनादित होने लगी। सब लोगों ने श्रेयांस के भाग्य की सराहना की। उस दिन से वैशाख शुक्ल तृतीया का दिन अक्षय तृतीया के नाम से प्रसिद्ध हुआ। इसी की जीवंतता के लिए अक्षय तृतीया से अक्षय तृतीया तक एकांतर उपवास के अनूठे तप-अनुष्ठान वर्षीतप और उसके पारणें की परम्परा आज भी प्रचलित है। अक्षय तृतीया का दिन एक पवित्र दिन है। ऋषभ ऐसे तीर्थंकर हैं, जिन्होंने समाज के लिए अपना जीवन लगाया और फिर बाद में साधना में भी अपना जीवन खपाया। उनके जीवन में समग्रता है। ऋषभ का जीवन एक समग्र जीवन है। उन्होंने भौतिक जगत का विकास किया तो अध्यात्म का विकास भी किया। भारतीय संस्कृति में आत्मा को सर्वोपरि सत्य माना जाता है। आत्मा की खोज को एक महत्वपूर्ण खोज माना जाता है। अक्षय तृतीया का पर्व इस खोज का एक माध्यम है। यदि हम गहराई से ऋषभ का अध्ययन करें तो वर्तमान की बहुत सारी समस्याओं का समाधान संभव हो सकता है। क्योंकि उन्होंने सर्वांगीण व्यवस्था का जीवन दिया, इसलिए उनका जीवन अहिंसक समाज की व्यवस्था के प्रथम कर्णधार का जीवन है और उनके जीवन का दूसरा भाग आत्मोन्मुखी साधक की उत्कृष्ट साधना का जीवन है।

भारतीय संस्कृति में जीवन दो व्यवस्थाओं में समाहित है। यह भौतिकता और आध्यात्मिकता के समन्वय का उत्कृष्ट उदाहरण है। हम केवल पदार्थवादी नहीं हैं, केवल भौतिकवादी नहीं है। जीवन की आवश्यकता की पूर्ति में ही दिन रात लगे रहने वाले कीड़े-मकोड़े भी नहीं हैं, बल्कि जीवन की आवश्यकता को पूरा इसलिए करते हैं कि जिससे मोक्ष की साधना और आत्मोपलब्धि हो सके। हमारा उद्देश्य आत्मा और उसकी पवित्रता तक पहुंचना है। साधना कौन कर सकता है? आध्यात्मिकता का विकास कौन कर सकता है? वही व्यक्ति कर सकता है, जिसके सामने रोटी का प्रश्न न हो, न कुटुम्ब पालन की कोई चिंता हो। समाज की व्यवस्था अच्छी हो, तभी कोई साधना के क्षेत्र में उतर सकता है। कठिनाई यह है कि हम एक पक्ष को भुला देते है। धर्म करो, साधना करो, नैतिकता का अनुपालन करो, इस पक्ष को तो उजागर देते हैं, किंतु उनमें जो बाधक तत्व हैं उनकी ओर हमारा ध्यान नहीं जाता। अध्यात्म के विकास में चिंतन का यह अधूरापन बहुत बाधक है। अध्यात्म साधना के क्षेत्र में अधिकतर वे लोग ही आगे बढ़े, जो जीवन में पूर्ण रूप से निश्चिंत रहे हैं।

बगिया को बनाएं सब्जियों से भरपूर

कम मेहनत में घर के बगीचे में ही गर्मी के इस मौसम में मामूली जैविक खाद और देखभाल से मनचाही और पौष्टिक सब्जियां उगाएं। यदि बगिया नहीं है तो गमलों में ही उगाकर बहुत सारी मौसमी सब्जियां प्राप्त की जा सकती हैं। चूंकि यह घर में ही उगाई जा रही हैं, इसलिए इनकी देखभाल भी आसान है।

संदीप भारद्वाज

गर्मी ने दस्तक देदी है अपनी बगिया को भी तैयार कर लें। गर्मियों में ताजी सब्जियां खाने का लुत्फ उठाने के लिए इनके बीज आज ही घर की बगिया अथवा गमलों में बो दीजिए। साथ ही जानिए, देखभाल करने का तरीका भी।

कौन-सी सब्जियां लगानी हैं?

लौकी-तोरई... बीज से आप इनके पौधे तैयार कर सकते हैं। इन्हें गमले में भी लगा सकते हैं। अगर क्यारी में लगा रहे हों तो ध्यान रखें कि ये दीवार के पास हों क्योंकि इनकी बेल बड़ी होती है। ये मई-जून में उपयोग लायक सब्जियां देना शुरू कर देते हैं।

करेला... करेले को भी बीज से तैयार करना आसान रहता है। हालांकि इसे पोषक तत्वों की आवश्यकता अधिक होती है इसलिए इसमें समय-समय पर खाद डालते रहें। इससे बढ़वार अच्छी होगी व भरपूर गर्मियों तक करेले मिलते रहेंगे।

टमाटर... बीजों के मुकाबले टमाटर के पौधे लगाना बेहतर है क्योंकि पौधे जल्दी से बड़े हो जाते हैं। बड़े पौधे में फल भी ज्यादा लगते हैं। हालांकि इन्हें बीज से ही तैयार किया जाता है पर उसमें नियमित रूप से पानी का छिड़काव करना पड़ता है।

खीरा/ककड़ी... इसके बीजों से पौधे को तैयार किया जा सकता है क्योंकि ये आसानी से बढ़ जाते हैं। इसलिए अगर आप इसके बीज को अभी लगा देंगे तो पूरी गर्मियों भर के लिए खीरे/ककड़ी का इंतजाम हो जाएगा।

इनके अलावा भी कुछ और सब्जियां

- धनिया, पालक, भिंडी, सेम, बैंगन, पुदीना, मिर्च, मूली आदि भी इस मौसम में अपनी बगिया में लगा सकते हैं।
- बीज लगाने या पौधे को रोपने के बाद नियमित रूप से सुबह और शाम पानी डालें।
- किसी भी पौधे से अधिक उपज प्राप्त करने के लिए पॉलीनेशन होना आवश्यक है। आमतौर पर पॉलीनेशन मधुमक्खियों, तितलियों और भंवरों के द्वारा होता है। इस स्थिति में इन्हें बगिया में आकर्षित करने के लिए पीले फूलों वाले पौधे (जैसे – सूरजमुखी, गेंदा आदि) लगाएं।
- पौधों को बेहतर पोषण प्रदान करने के लिए हर महीने एक मुट्ठी खाद (वर्मीकम्पोस्ट) डालें।
- लताओं और पौधों को सपोर्ट देने के लिए जूट की रस्सी या फिर पुराने पाइप का इस्तेमाल कर सकते हैं।

मिट्टी की तैयारी

बीज रोपने के लिए 50 प्रतिशत हिस्सा बागीचे की मिट्टी में 40 प्रतिशत वर्मीकम्पोस्ट और 10 प्रतिशत कोकोपीट मिलाकर मिश्रण तैयार कर सकते हैं। वहीं पौधे को रोपने के लिए 60 प्रतिशत बागीचे की मिट्टी में 40 प्रतिशत वर्मीकम्पोस्ट मिलाकर मिट्टी तैयार की जा सकती है।

अच्छी सुबह से करें अच्छे दिन की शुरुआत

भागती-दौड़ती दिनचर्या में सुबह का समय ऐसा है, जिसे हम अपने हिसाब से निर्धारित कर सकते हैं। आँख खुलने के बाद आरंभिक पन्द्रह मिनट में हम ऐसा क्या करें कि पूरे दिन की सही शुरुआत हो सके- बता रहे हैं - शमन मित्तल

एक अच्छे दिन की शुरुआत एक अच्छी सुबह से होनी चाहिए और एक अच्छी सुबह की शुरुआत कुछ अच्छी आदतों के साथ। सुबह की कुछ आदतों को अपनाकर हमारे लिए अपने मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य को प्राथमिकता देना आसान हो सकता है। जैसे ही हम जागते हैं, जो भी निर्णय लेते या सोचते हैं वह मस्तिष्क की इच्छाशक्ति के भंडार में समाहित हो जाता है। तो कुछ ऐसी आदतें हैं जिन्हे हम सुबह उठने के तुरंत बाद अपनी दिनचर्या में शामिल कर सकते हैं।

अलार्म बंद कर दोबारा न सोएं

अक्सर लोग मोबाइल में अलार्म सेट करते हैं फिर सुबह उसे बंद करके दोबारा सो जाते हैं। यह दिनचर्या को अनियमित करता है इससे बचने के लिए मोबाइल के बजाय अलार्म घड़ी का इस्तेमाल करना बेहतर है। अपनी अलार्म घड़ी को आप बिस्तर से दूर रखें क्योंकि आपको इसे बंद करने के लिए बिस्तर से उठना होगा।

बिस्तर से झटके से न उठें

सुबह उठते समय बाईं या दाईं करवट लेकर उठें। इससे कमर को बेवजह पड़ने वाले दबाव से बचाया जा सकता है। उठने के बाद कुछ देर बिस्तर पर बैठे रहें ताकि शरीर रिलैक्स हो सके। हड़बड़ाकर जल्दबाजी में उठने से बचें। पूरे शरीर में सही रक्त संचार होने दें।

उठते ही फोन चेक न करें

हर बार जब हम अपने फोन को चेक करते हैं, विशेष रूप से लंबे समय तक दूर रहने के बाद, जैसे सुबह सोकर उठने के बाद, तो हम तनाव को अपने मस्तिष्क में आमंत्रित करते हैं। फोन में रोजमर्रा से जुड़े बहुत सारे तनाव के कारण हैं जैसे समाचार सूचनाएं, बैंक-खाते की शेष राशि और टेक्स्ट जो तुरंत हमारा ध्यान खींचते हैं। इससे हमारे कुछ मिनट कई बार घंटे में बदल जाते हैं। इसलिए हमें कम से कम सुबह के पहले घंटे में फोन के इस्तेमाल से बचना चाहिए।

बिस्तर पर आराम से बैठें

उठते ही काम करने के लिए दौड़ने के बजाय जागने के बाद कम से कम 5 मिनट बिस्तर पर बैठें। आंखें बंद कर शरीर और दिमाग को आराम देने के लिए ध्यान लगाने की कोशिश करें। पांच मिनट बाद अपनी हथेलियों को रगड़कर 3 बार आंखों पर लगाएं और फिर बिस्तर से उठें।

सुबह उठते ही पैर ज़मीन पर न रखें।

सुबह उठते ही पैर सीधे ज़मीन पर नहीं रखना चाहिए, क्योंकि जब हम सोते हैं तो अपने पैरों को चादर या रजाई से ढककर सोते हैं। इसके कारण पूरे शरीर की गर्मी बढ़ जाती है। पैर भी गर्म हो जाते हैं, ऐसे में यदि हम सुबह गर्म पैर एकदम ठंडी ज़मीन पर रख देंगे तो सेहत को नुकसान हो सकता है।

सूरज की रोशनी का प्रवेश

सुबह की शुरुआत के लिए घर में सूरज की रोशनी के आने से सकारात्मक ऊर्जा मन में आती है। इसलिए सुबह बिस्तर से उठने के

बाद खिड़कियों के पर्दे खोल दें।

आंख और चेहरा धोएं

बिस्तर से उठने के बाद आंखों और चेहरे पर ठंडे पानी के छीटे मारें। इससे आपकी आंखों और त्वचा को स्वस्थ रखने में मदद मिलेगी। यह चेहरे को मुंहासों से भी बचाता है।

एक या दो गिलास पानी पिएं

हम सभी जानते हैं कि पूरे दिन हाइड्रेटेड रहने के लिए पानी आवश्यक है। इसलिए सुबह खाली पेट एक-दो गिलास पानी पीना इस पूरी प्रक्रिया को आगे बढ़ाता है। ऐसा करने से पेट ठीक रहता है, त्वचा में चमक आती है। यह एसिडिटी और कब्ज से भी राहत देता है।

स्ट्रेचिंग करना चाहिए

सुबह-सुबह हमारे शरीर में जकड़न महसूस होती है। शरीर को जकड़न मुक्त कर मांसपेशियों को लचीला बनाने के लिए सुबह उठने के बाद 1 से 2 मिनट स्ट्रेचिंग वाले व्यायाम करना चाहिए। इससे तनावग्रस्त मलल्स को आराम पहुंचता है एवं रक्तसंचार सही रहता है। अगर शरीर में कोई स्वास्थ्य समस्या नहीं है तो बिस्तर से उठकर ज़मीन पर खड़े होने के बाद 1 मिनट तक अपनी जगह पर खड़े होकर हल्का-फुल्का कूद भी सकते हैं।

सेवा और सत्कर्म की मार्ग दर्शिका

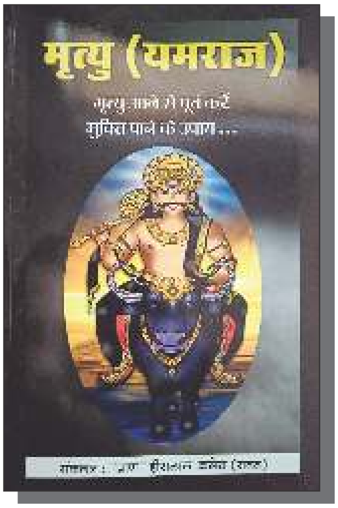

कसेरा श्री हीरालाल 'प्राण' द्वारा रचित पुस्तक मृत्यु 'यमराज' का द्वितीय संस्करण प्राप्त हुआ। बधाई! अल्पावधि में ही किसी पुस्तक का द्वितीय संस्करण प्रकाश में आना उसकी उपयोगिता को स्वत: सिद्ध करता है। जीवन के अटल सत्य (मृत्यु) को यदि मनुष्य सहज स्वीकार ले तो जीवन आनंद से आगे परमानंद में रम कर इस जन्म को सार्थक तो करता ही है, अगले जन्म की सफलता भी सुनिश्चित कर लेता है। क्योंकि जीवन का अटल सत्य जब मन-मानस में रहता है तो व्यक्ति सेवा और सत्कर्म के मार्ग से डिग नहीं सकता। इस सेवा-यात्रा में कसेरा जी की पुस्तक एक मार्ग निर्देशिका और जीवन जीने की कला सिखाने वाली भी है। इनकी लेखनी ने कई ऐसे अछूते विषयों की जानकारी और प्रश्नों के समाधान दिए हैं, जो व्यक्ति को मुक्ति की ओर अग्रसर होने में सहायक हैं।

मुझे यह जानकर भी प्रसन्नता हुई कि अनेक लोगों ने इस पुस्तक को कई परिवारों को भेंट स्वरूप प्रदान कर पुण्यार्जन किया है। अपने दिवंगत पुत्र श्री हेमन्त रावत की स्मृति को समर्पित यह चिर स्मरणीय पुष्पांजलि है। 'प्राण' पब्लिसिटी को भी जीवन निर्माण सम्बंधी इस कृति के आकर्षक प्रकाशन पर साधुवाद।

-विष्णु शर्मा हितैषी

उन्नीसवी पुण्यतिथि पर

हार्दिक श्रद्धांजलि

परम श्रद्धेय आदरणीय

आनन्दीलाल जी शर्मा

(उपाचार्य, लोकमान्य तिलक बी.एड कॉलेज डबोक, उदयपुर)

(पूर्व प्राचार्य आर. एम. वी. बी. एड, कॉलेज, उदयपुर)

(पूर्व, प्राचार्य हरिभाऊ उपाध्याय महिला बी. एड कॉलेज, हटून्डी, अजमेर)

|| श्रद्धानवत ||

पंकज-रेणु, नीरज-डॉ. अनिता (पुत्र-पुत्रवधु), अभिजय, मेघांश (पौत्र), आर्षेयी, प्रिशा (पौत्री) शोभा-सुरेन्द्र, सुधा-ओम, डॉ.वीणा-स्व. गौरव, अरुणा-पद्म, रश्मि-अनिल (पुत्री-दामाद) दोहित्र-दोहित्री :- प्रत्यूष, मोहित, स्व. चिन्मय, तन्मय, भार्गवि, नयन नारायण, पूर्वा, हार्दिक, चिर्कीषु, जिगिषा

जन्म: 28.11.1927

निधन: 05.04.2006

रक्षाबन्धन, धानमण्डी,उदयपुर

अतुलित बल-बुद्धि के पर्याय श्री हनुमान

श्रीराम भक्त हनुमान भक्ति और शक्ति का अद्भुत समन्वय हैं। भक्तों को यह विश्वास रहता है कि उनके स्मरण मात्र से ही बहुत सारी बाधाएं दूर हो जाती हैं। तभी तो वे उनसे 'बल बुद्धि विद्या देहि मोहि, हरहूं कलेश विकार' की प्रार्थना करते हैं। प्रस्तुत है हनुमान प्राकट्योत्सव पर अशोक तम्बोली का विशेष आलेख

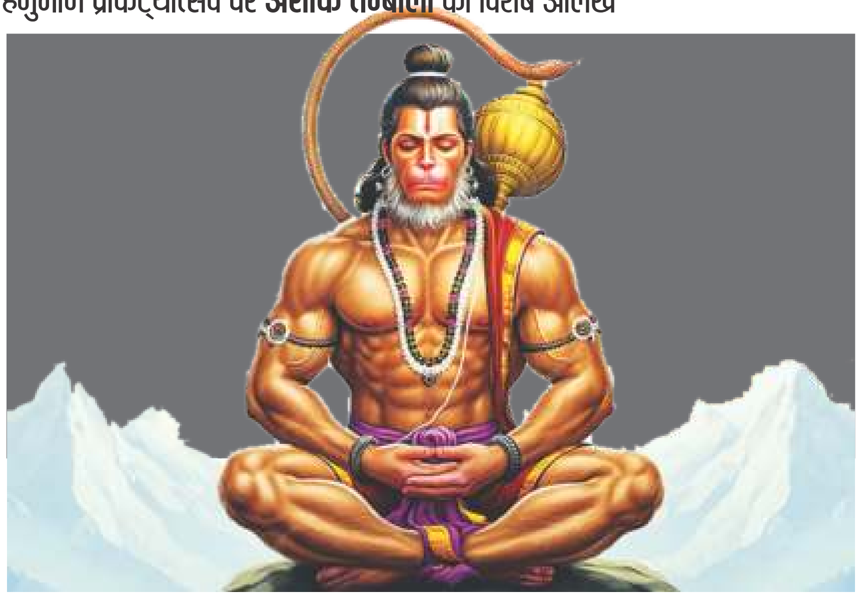

हनुमान जी अतुलित बल-बुद्धि के ही धनी नहीं बल्कि वास्तव में गुणों की खान हैं। कभी रामभक्त के रूप में तो कभी गुप्तचर, तो कभी महाज्ञानी हनुमान।

उच्च परीक्षार्थी हनुमान

हनुमान जी परीक्षा से घबराने वाले नहीं हैं। उनकी पग-पग पर परीक्षा हुई और वह उस में खरे साबित हुए। सुग्रीव-ऋष्यमूक पर्वत की कंदराओं में अपने भाई बाली से बचने के लिए निवास करते हैं, तभी एक दिन वह राम लक्ष्मण को देखकर भयभीत जो जाते हैं कि शायद वे बाली द्वारा भेजे गए हैं। यहां पर हनुमानजी की बुद्धि और विवेक की परीक्षा होती हैऔर वह राम-लक्ष्मण से सुग्रीव का परिचय कराकर उनकी मित्रता करा देते हैं। हनुमानजी ने जाम्बवंत को निराश नहीं किया। वह उनके विश्वास की कसौटी पर पूर्णत: खरे उतरे और सीताजी का पता लगाकर ही वापस लौटे।

जब हनुमानजी सीताजी की खोज करने के लिए निकलते हैं तब देवगण उनकी परीक्षा लेने के लिए सर्पों की माता सुरसा को भेजते हैं और हनुमान जी अपने ज्ञान, विवेक और बल से इस परीक्षा में सफल होते हैं। अशोक वाटिका में जब हनुमानजी पर सीताजी को संदेह होता है तब वह अपना विशाल रूप उन्हें दिखाते हैं। सीताजी का संदेह मिट जाता है। इस तरह हनुमान जी का पूरा जीवन परीक्षाओं से ही भरा हुआ है और वह सभी में अव्वल रहे।

हनुमानजी एक कुशल गुप्तचर भी हैं। वह किसी भी व्यक्ति की पहचान परखने के लिए अपना रूप बदलकर उससे मिलते हैं और वास्तविकता का पता लगा लेते हैं। वह समय की मांग के अनुसार अपना आकार छोटा और बड़ा कर लेते हैं। इस प्रकार वह एक उत्कृष्ट कोटि के गुप्तचर के रूप में प्रस्तुत होते हैं। वे सच्चे कर्मयोगी हैं। उनकी आराधना से व्यक्ति में कर्तव्यपालन की भावना दृढ़ होती है।

उदार हृदय हनुमान

हनुमानजी अधिकारी व्यक्ति को श्रेय देने में कभी कोताही नहीं करते। वह अपने प्रति उपकार करने वाले के प्रति कृतज्ञता प्रदर्शित करने से भी नहीं चूकते। हनुमानजी की पूजा से पर्याप्त फल प्राप्त होता है। वे सारे मनोरथ पूरे करते हैं। सत्य की मूर्ति हनुमान तीनों लोकों में सत्य की ही प्रतिष्ठा है। हनुमान जी सत्य का ही सहारा लेते हैं। एक भी प्रसंग में वह असत्य नहीं बोलते इसलिए वे एक बार जो कुछ भी बोल देते हैं वह सत्य ही होता है। वे सत्यनिष्ठ हैं। वह अपने रूप और जाति को लेकर अनेक स्थानों पर प्रतिक्रिया करते हैं। वह स्वयं को नीच, कुटिल और चचंल वानर कहते हैं। यहां तक कि स्वयं को अज्ञानी भी कह जाते हैं, जबकि वह अज्ञानी नहीं हैं। उनमें सत्य को स्वीकार करने और उसे डंके की चोट पर कहने का साहस है। श्रीराम से पहली बार भेंट होने पर जब वह उन्हें पहचान जाते हैं तो स्वयं को अवगुण की खान बताते हैं। उनके मन में अहर्निश राम-नाम का स्मरण चलता रहता है। सीता-राम साक्षात उनके हृदय में विराजित हैं। हनुमान जी सत्य व प्रिय बोलते हैं, लेकिन विघटनकारी अप्रिय सत्य नहीं बोलते और वह सत्य भी बोलते है तो भगवान राम की शपथ लेकर बोलते हैं, इसलिए यह सत्य सोने पर सुहागा हो जाता है।

गुण ग्राहक हनुमान

हनुमान जी गुणग्राहक हैं। वह दूसरो के गुणों की खुलकर प्रशंसा करते हैं। वास्तव में एक गुणी व्यक्ति में ही दूसरों के गुणों की प्रशंसा का साहस होता है। हनुमान जी की पूजा करने से व्यक्ति गुण ग्राहक बनता है और हनुमान जी की तरह ही यश एवं कीर्ति प्राप्त करता है।

महाज्ञानी हनुमान

हनुमानजी परमज्ञानी हैं। वह अपने ज्ञान का कभी प्रदर्शन नहीं करते, बल्कि समय आने पर उनका विवेकपूर्ण इस्तेमाल करते हैं। वह ज्ञान गुण के सागर हैं, इसलिए कभी अपनी सीमा का अतिक्रमण नहीं करते। सागर भी अपनी मर्यादा में रहता है। वास्तव में ज्ञान यदि मर्यादित है, उसमें दूसरों के समक्ष अपने आपको स्थापित करने की जिजीविषा नहीं है, तभी वह शोभा पा सकता है। हनुमान जी का ज्ञान मर्यादित है। इनकी पूजा करने वाला इनकी तरह ही मर्यादित ज्ञान का स्वामी बन जाता है। सबके प्रिय हनुमानजी ऐसे पात्र हैं, जिनकी मित्र-शत्रु दोनों ने समान रूप से प्रशंसा की है। स्वयं भगवान राम ने कहा है कि हनुमान तुम मुझे लक्ष्मण से भी अधिक प्रिय हो।

अनंत की यात्रा पर लोक अध्येता डॉ. भानावत

डॉ. श्रीकृष्ण जुगनू

ऐसा लग ही नहीं रहा कि प्रख्यात लोक कलाविज्ञ और भारतीय लोक कला मंडल के पूर्व निदेशक डॉ. महेन्द्र भानावत हमारे बीच नहीं रहे। उनका पूरा जीवन लोककलाओं को समर्पित रहा। मेवाड़ की कावड़ कला, फड़ पेंटिंग समेत अन्य लोककलाओं के संरक्षण में समर्पित रहे। उनकी निर्भय मीरा सबसे चर्चित पुस्तकों में से एक है। इसके लिए वे उन सभी स्थानों पर गए, जहां मीराबाई घूमी थीं। वह जनजातीय साहित्य में पीएचडी करने वाले देश के पहले शोधकर्ता भी थे। उन्होंने गवरी की नाट्य शृंखला के साथ राजस्थान की अन्य लोक नाट्य परम्पराओं का तुलनात्मक अध्ययन किया। उन्होंने लिखा कि संसार में गवरी जैसे संपूर्ण नृत्य, गायन और वादन की अन्य कोई वाचिक और दृश्य विरासत नहीं है। उनके शोध प्रबंध के परीक्षक, प्रसिद्ध आलोचक डॉ. नागेन्द्र ने एक बार कहा था कि गवरी जैसा विषय तो एक निबंध का भी नहीं, लेकिन इस पर शोध प्रबंध आश्चर्यजनक है। उनकी 90 पुस्तकों पर विद्यार्थियों ने शोध किए। हिंदी और राजस्थान में उनकी 10 हजार से अधिक रचनाएं प्रकाशित हुई। कई राज्यों के यात्रा अनुभव के बाद उनका कहना था- भारत में जितने लोकनाट्य प्रचलित हैं, उतने शायद कहीं और हों।

हर राज्य में लोकनाटकों के अपने रूप और रंग हैं। उनकी अपनी अनुष्ठानिकता है, अपने-अपने ख्यालिये और प्रस्तोता हैं। राजस्थान में तो नाट्यशास्त्र में वर्णित लगभग सारे ही नाट्य रूप आ जाते हैं। इनकी प्रस्तुतियों के मूल में लोकरंजन ही नहीं, निखिल पर्यावरण परिवेश की खुशहाली का भाव भी जुड़ा हुआ है। ये भाव संस्कृत के उन नांदी वचनों की फलश्रुति लिए हैं जिनमें सर्वजन हिताय, सर्वजन सुखाय का भाव निहित होता है।

उनके रचनात्मक लेखन से उन्हें कई प्रतिष्ठित पुरस्कार मिले। उन्हें राजस्थान साहित्य अकादमी का विशिष्ट साहित्यकार सम्मान, उत्तरप्रदेश हिंदी संस्थान लखनऊ का लोकभूषण पुरस्कार, जोधपुर के पूर्व महाराजा गजसिंह द्वारा मारवाड़ रत्न कोमल कोठारी पुरस्कार, भोपाल की कला समय संस्था द्वारा कला समय लोकशिखर सम्मान मिला। पश्चिम क्षेत्र सांस्कृतिक केन्द्र ने उन्हें डॉ. कोमल कोठारी लोककला पुरस्कार, कोलकाता के विचार मंच ने कन्हैयालाल सेठिया पुरस्कार दिया। उन्हें राजस्थान संगीत नाटक अकादमी, जोधपुर से फेलोशिप, उत्तरप्रदेश हिंदी संस्थान लखनऊ द्वारा पं. रामनरेश त्रिपाठी नामित पुरस्कार, महाराणा मेवाड़ फाउंडेशन उदयपुर से महाराणा सज्जनसिंह पुरस्कार सहित 80 से अधिक सम्मान मिले। उनके निधन पर राजस्थान साहित्य अकादमी, राजस्थानी भाषा साहित्य अकादमी, नूतन साहित्य संगम, युगधारा सहित अनेक संस्थाओं, साहित्यकारों व पत्रकारों ने दु:ख व्यक्त किया है। डॉ. भानावत का 25 फरवरी को 87 वर्ष की आयु में निधन हो गया। वे पिछले दो-तीन साल से अस्वस्थ्य थे। वेअपने पीछे पत्रकार पुत्र डॉ. तुक्तक, पुत्रियां डॉ. कविता और डॉ. कहानी, दो पौत्र सहित भरापूरा परिवार छोड़ गए हैं।

वरिष्ठ पत्रकार शैलेश भी नहीं रहे

भूपेन्द्र चौबीसा

मेवाड़ संभाग के पहले दैनिक समाचार पत्र के प्रधान सम्पादक शैलेश व्यास का 70 वर्ष की उम्र में 12 फरवरी को निधन हो गया। उनका जन्म 6 दिसम्बर 1955 को हुआ था। व्यास के निधन से पत्रकारिता जगत में शोक की लहर छा गई। वे कुछ दिनों से बीमार थे। सेक्टर 14 सत्यम टावर स्थित निवास स्थान पर अंतिम सांस ली। हंसमुख, मिलनसार और सबके चहेते शैलेश व्यास का पत्रकारिता जगत में बड़ा नाम था। पत्रकारों की नर्सरी व पाठशाला कहे जाने वाले 'जय राजस्थान' अखबार में उदयपुर के कई नामी पत्रकारों को टेलीप्रिंटर

से लगाकर आज की इंटरनेट वाली पत्रकारिता के गुर सीखने का अवसर मिला। जय राजस्थान की स्थापना 6 फरवरी 1972 को शैलेश व्यास के पिता स्व. चंद्रेश व्यास द्वारा की गई थी। उनके स्वर्गवास के बाद शैलेश व्यास इसकी कमान संभाले हुए थे। उनके परिवार में धर्मपत्नी वीणा व्यास एवं तीन पुत्रियां ज्योति, कीर्ति और तृप्ति हैं। वे लॉयंस क्लब से भी जुड़े हुए थे। वे शौकीयाना शायर और गायक भी थे। इसी वर्ष 12 जनवरी को जय राजस्थान के 53वें स्थापना दिवस पर उन्होंने अपने समवय पत्रकारों को सम्मानित किया था। शैलेश के निधन पर विभिन्न पत्रकार संगठनों व पत्रकारों ने गहरा शोक व्यक्त कर श्रद्धा सुमन अर्पित किए।

स्वाद भरे बैंगन

बैंगन का नाम सुनते ही जो लोग नाक-भौं सिकोड़ने लगते हैं, उन्होंने शायद बैंगन का सही स्वाद अभी जाना ही नहीं है। बैंगन की कुछ बेहद स्वादिष्ट रेसिपी बता रही हैं।

आरोही वर्मा

बैंगन मसाला

कितने लोगों के लिए – 04 कुकिंग टाइम – 50 मिनट

सामग्री: ♦ बैंगन (एक–एक इंच के टुकड़े में कटा)–1 ♦ घर में बनी टोमैटो प्यूरी– 200 मिली लीटर ♦ बारीक कटा लहुसन– 1 चम्मच ♦ हल्दी– 1 चम्मच ♦ गरम मसाला पाउडर– 1 चम्मच ♦ धनिया पउडर– 1 चम्मच ♦ नमक– स्वादानुसार ♦ लाल मिर्च पाउडर– स्वादानुसार ♦ तेल– आवश्यकतानुसार ♦ धनिया पत्ती– गार्निशिंग के लिए

विधि: कड़ाही में तेल गर्म करें और कटे हुए बैंगन डालें। हल्का–सा नमक छिड़कें और कड़ाही ढककर मध्यम आंच पर बैंगन को पकाएं। जब बैंगन आधा पक जाए तो कड़ाही का ढक्कन हटा दें और बैंगन को पकाएं। ऐसा करने से बैंगन पकाते वक्त पूरी तरह से गलेगा नहीं। जब बैंगन पक जाए तो गैस ऑफ कर दें और बैंगन को सर्विंग बाउल में निकाल लें। उसी कड़ाही में दो चम्मच तेल और गर्म करें और लहसुन डालें। टोमैटो प्यूरी, हल्दी पाउडर, धनिया पाउडर, गरम मसाला पाउडर, नमक और लाल मिर्च पाउडर को कड़ाही में डालें और अच्छी तरह से मिलाएं। जब टोमैटो प्यूरी वाली ग्रेवी में एक उबाल आ जाए तो बैंगन को कड़ाही को ढककर धीमी आंच पर पांच मिनट तक पकाएं। गैस ऑफ करें। धनिया पत्ती से गार्निश कर रोटी के साथ सर्व करें।

चटपटा बैंगन चौखा

कितने लोगों के लिए – 03 कुकिंग टाइम – 40 मिनट

सामग्री: ♦ बैंगन– 1 ♦ बारीक कटा टमाटर– 1 ♦ बारीक कटी हरी मिर्च– 1 ♦ बारीक कटा प्याज– 1 ♦ कद्दूकस की हुई अदरक– 1 चम्मच ♦ हींग– चुटकी भर ♦ सरसों का तेल– 2 ♦ नमक– स्वादानुसार ♦ नीबू व लहसुन स्वादानुसार ♦ हरी धनिया गार्निशिंग के लिए

विधि: बैंगन में चाकू से छोटे–छोटे कट लगाएं और उसे गैस की आंच पर पकाएं। पूरी तरह पक कर मुलायम होने के बाद उसे ठंडा कर लें और उसका छिलका उतार लें। बैंगन में कटे टमाटर, लहसुन, प्याज, हरी मिर्च, अदरक, हींग, व सरसों का तेल डालकर अच्छी तरह मिलाएं। अब इसमें नीबू व नमक डालें और मिलाएं। इसमें आप इच्छानुसार हरी धनिया भी मिला सकती हैं। बैंगन के इस चटपटे चोखे को गरमागरम लिट्टी के साथ परोसें।

भुना मसाला बैंगन

कितने लोगों के लिए – 04 कुकिंग टाइम – 35 मिनट

सामग्री: ♦ एक इंच लंबे टुकड़ों में कटे बैंगन – 10 ♦ तेल – 2 चम्मच ♦ सरसों – 1 चम्मच ♦ करी पत्ता – 10 ♦ हल्दी पाउडर – 1 / 2 चम्मच ♦ हींग – 1 / 4 चम्मच ♦ सांबर पाउडर – 2 चम्मच ♦ नमक – स्वादानुसार

विधि : कड़ाही में तेल गर्म करें और उसमें सरसों और करी पत्ता डालें। जब सरसों पकने लगे तो कटे हुए बैंगन कड़ाही में डालें और मिलाएं। आंच धीमी करें और कड़ाही को ढककर बैंगन पकाएं। जब बैंगन आधे पक जाएं तो उसमें सांबर पाउडर, हल्दी पाउडर, नमक और हींग डालकर मिलाएं। धीमी आंच पर बिना कड़ाही ढके बैंगन को पकाएं। जब बैंगन पक जाएं तो गैस ऑफ कर दें और साइड डिश के रूप में गरमा–गरम मसाला बैंगन सर्व करें।

बैंगन करी

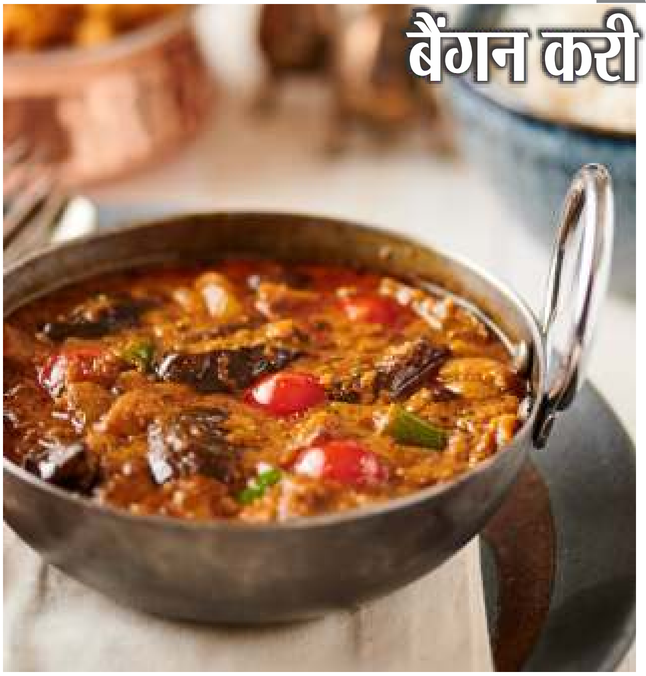

कितने लोगों के लिए – 05 | कुकिंग टाइम – 75 मिनट

सामग्रीः ♦ छोटे बैंगन – 10 ♦ बारीक कटा प्याज – 2 ♦ सरसों – 1 चम्मच ♦ नमक – स्वादानुसार ♦ तेल – 4 चम्मच ♦ धनिया पत्ती – गार्निशिंग के लिए ♦ भुनी मूंगफली – गार्निशिंग के लिए

पेस्ट बनाने के लिए : ♦ कद्दूकस किया नारियल – 1 / 4 कप ♦ कच्ची मूंगफली – 2 चम्मच ♦ इमली पेस्ट – 2 चम्मच ♦ सूखी लाल मिर्च – 2 चम्मच

भरावन के लिए: ♦ जीरा – 2 चम्मच ♦ लाल मिर्च पाउडर – 1 चम्मच ♦ हल्दी पाउडर – 1 चम्मच ♦ नमक – 1 चम्मच

विधिः बैंगन को धोकर उसमें चीरे लगा लें। भरावन की सभी सामग्री को एक बाउल में डालकर मिलाएं और उसे बैंगन में भरें। बैंगन को थोड़ी देर तक ऐसे ही छोड़ दें। पेस्ट बनाने के लिए सभी सामग्री और थोड़ा–सा पानी डालकर ग्राइंडर में डालकर पेस्ट बना लें। एक पैन में तेल गर्म करें और उसमें सरसों डालें। जब सरसों पकने लगे तो पैन में प्याज डालें और सुनहरा होने तक तलें। अब बैंगन और भरावन की बची हुए सामग्री को एक पैन में डालकर मिलाएं। पैन को ढककर बैंगन को मध्यम आंच पर पकाएं। जब बैंगन आधपके हो जाएं तो पैन में तैयार पेस्ट और एक कप पानी डालें। नमक डालकर मिलाएं और बैंगन के पकने और ग्रेवी गाढ़ी होने तक पकाएं। मूंगफली के टुकड़ों और धनिया पत्ती से गार्निश कर सर्व करें।

प्रत्यूष

समाज में समरसता और भातृत्व भाव की पोषक पत्रिका

प्रत्यूष (बहुरंगी हिन्दी मासिक)

के आज ही सदस्य बनें। मात्र 600 रुपए वार्षिक।

पता: 2, रक्षाबंधन, मेहतों का पाड़ा, धानमण्डी, उदयपुर (राज.) 313 001

हार्दिक श्रद्धांजलि

हमारे परम पूजनीय

श्री कैलाश जी खटोड़

(चीफ ऑपरेटिंग ऑफिसर–RSWM–ऋषभदेव)

(पुत्र स्व: श्री बंशीलाल जी खटोड़)

का निधन 28 फरवरी 2025 को हो गया।

हम सभी परिजन अश्रुपूरित श्रद्धासुमन अर्पित करते हैं।

श्रद्धावनत

*ऊषा (**धर्मपत्नी**), कार्तिकेय (**पुत्र**), मीठालाल (**काकाजी**), राधेश्याम, गणपतलाल, प्रहलादराय, जगदीशचन्द्र, सुरेशचन्द्र, ओमप्रकाश, सतीशचन्द्र, सुनील (**भाई**), हेमंत, कमलेश, अरुण, राहुल, रजत (**भतीजे**), प्राची (**भतीजी**), नर्मदा–जगदीशचन्द्र जी लढ़ा, पुष्पा देवी–स्व. रामप्रसाद जी गेलड़ा, आशा–बाबूलाल जी मूंदड़ा (**बहन–बहनोई**), रूपल–आशीष जी मंडावेरा, प्रियंका–दिशांत जी सोनी, कृतिका–वेंकटेश जी मालपानी (**पुत्री–दामाद**)*

एवं समस्त खटोड़ परिवार (रायपुर वाले)

निवास स्थान: 7 आई 15/2, आर सी व्यास कॉलोनी, भीलवाड़ा

Mo.: 9413314418, 9460802089

घर में सकारात्मकता लाए नीला रंग

घर के विविध रंगों से आपके जीवन में भी रंग भर जाते हैं। बस जरूरत है, तो उनके वास्तु सम्मत होने की। बता रहे हैं - **नरेश सिंगल**

यह संसार आकाश, वायु, अग्नि, जल एवं भूमि-नामक पंच तत्वों से बना है। हमें रंगों के माध्यम से ऊर्जा मिलती है। रंगों में हमारे मन एवं जीवन को महत्वपूर्ण बनाने की क्षमता है।

कुछ सकारात्मक रंग

रंग जीवन में आनन्दमय ऊर्जा उत्पन्न करते हैं। कुछ रंग अभिव्यक्ति के लिए प्रेरित करते हैं, तो कुछ रंग चुप रहने के लिए। यदि आप अपने घर या ऑफिस में रंग कराने की सोच रहे हैं तो किसी वास्तु विशेषज्ञ की सहायता लें। घर में रंग कराना तीन-चार दिन का काम है, लेकिन इसका प्रभाव जीवन में लंबे समय तक पड़ता है। दिशाओं के अनुसार रंगों के प्रभाव में अंतर आता है। उदाहरण के लिए पूर्व दिशा में हरा और पश्चिम में सफेद रंग लगाने से अकेलापन खत्म होता है। इसी तरह उत्तर एवं उत्तर पूर्व दिशा में हरा रंग तनाव व रोगों को हरने वाला होता है।

भरपूर जीवन के लिए रंग

यदि हरा, नीला एवं हरा-नीला मिश्रित रंग उत्तर पूर्व या पूर्व वास्तु जोन में प्रयोग किया जाता है, तो वह मस्तिष्क को शक्ति प्रदान करता है, साथ ही सकारात्मक सोच एवं सृजनात्मकता का संचार करता है। इन रंगों का उपयोग स्कूल एवं बिजनेस हाउस में किया जाना श्रेयस्कर है।

पोषण प्रदान करने वाले रंग

हरे और पीले रंग शांति प्रदान करने वाले एवं अच्छा महसूस कराने वाले हैं। यदि पूर्व दिशा में हरे के साथ पीले रंग का प्रयोग किया जाता है तो यह परिवार एवं मित्रों के बीच सामंजस्य एवं खुलेपन को बढ़ाता है। इस रंग का प्रयोग करने से अकेलापन व अवसाद नहीं रहता।

निपुणता प्रदान करने वाले रंग

लाल, केसरी जैसे रंग सक्रियता और नवीनता को बढ़ाने वाले हैं, जो निपुणता के लिए जरूरी हैं। यह रंग स्टडी रूम, गैलरी या लाईब्रेरी में प्रयोग किए जा सकते हैं।

(लेखक वास्तुशास्त्री है)

हरिद्वार अर्द्धकुम्भ में पहली बार होगा अमृत स्नान

हरिद्वार। हरिद्वार में पहली बार अर्द्धकुम्भ में शाही स्नान (अमृत स्नान) होगा। इसके लिए अखाड़ा परिषद तैयार है। अखाड़ा परिषद के संतों ने इस संबंध में पिछले दिनों मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी से प्रयागराज में एक दौर की वार्ता की थी। अब हरिद्वार में इसे लेकर अखाड़ा परिषद की बैठक होनी है। उम्मीद है कि पहली बार 2027 के हरिद्वार अर्द्धकुम्भ में अखाड़े शाही स्नान करेंगे।

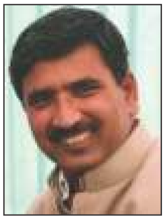

महिला दिवस (8 मार्च) के परिप्रेक्ष्य में ज्योति सिडाना का आलेख 'चुनौती बनती कुप्रथाएं और समाज' प्रासंगिक था। इक्कीसवीं सदी में भी महिलाओं की स्थिति में कोई बहुत ज्यादा अन्तर नहीं आया। उनके उत्पीड़न की जो घटनाएं सामने आ रही हैं, वे सम्पूर्ण समाज के लिए सोचनीय और शर्मनाक हैं। समाज में आज भी आटा–साटा, नाता, खरीद–फरोख्त जैसी कुप्रथाएं प्रचलित हैं। यह हम सबका दायित्व है कि महिलाओं को बराबरी पर रखते हुए इन कुप्रथाओं को समाप्त करें।

मोहब्बत सिंह राठौड़,
प्रबंध निदेशक, बीएन संस्थान

फरवरी–25 का अंक बहुत ही ज्ञानवर्धक और विविध विषयों पर केन्द्रित था। प्रयागराज में श्रद्धा का सैलाब व आबूधाबी में स्वामिनारायण मंदिर के पाटोत्सव पर आलेख सनातन की वैश्विक स्तर पर स्वीकारोक्ति के परिचायक थे। मेघाविनी मोहन का 'गुम न हो जाए डाकघर...' पुरानी यादों का दस्तावेज तो था ही समय के साथ तकनीकी बदलाव की आवश्यकता को भी प्रतिपादित करने वाला था। प्रसिद्ध फिल्मकार श्याम बेनेगल पर आलेख उनकी कला दृष्टि व समर्पण की बेहतरीन श्रद्धांजलि था। दिल्ली विधान सभा चुनावों पर सम्पादकीय काफी तर्कपूर्ण लगा। मुफ्त की योजनाओं का लालच देकर वोट बटोरने की प्रवृत्ति ठीक नहीं है। इस पर राजनैतिक दलों को गंभीरता से विचार करना चाहिए। इससे लोकतंत्र को नुकसान ही होगा।

–उदयलाल पालीवाल,
डीन, निरमा यूनिवर्सिटी, अहमदाबाद

मार्च–25 का प्रत्यूष अंक प्राप्त हुआ। भारतीय सनातन के रंगीले पर्व 'होली' को समर्पित अंक का आवरण काफी आकर्षक था। इस संबंध में आलेख भी ज्ञानवर्धक था। हिंद महासागर में भारत की बढ़ती सुरक्षा को लेकर पंकज कुमार शर्मा का आलेख अच्छा था। प्रयागराज में मची भगदड़ को लेकर अमित शर्मा का आलेख इस बात की ओर इशारा करता है कि हाल के वर्षों में ऐसे ही कुछ मौकों पर घटित त्रासदियों से कोई सबक नहीं लिया गया। हालांकि इस बार उत्तर प्रदेश सरकार ने महाकुंभ का पूर्वापेक्षा बेहतर प्रबंधन किया। पैंतालीस दिन में 65 करोड़ लोगों की आवाजाही, और रिहाइश का प्रबंधन कोई मामूली बात नहीं थी।

धीरेन्द्र सच्चान,
उद्योगपति

उत्तराखंड के मुख्यमंत्री व सरकार को इस बात के लिए साधुवाद दिया ही जाना चाहिए कि उनकी पहल पर उत्तराखंड यूसीसी (समान नागरिक संहिता) लागू करने वाला पहला राज्य बन गया। इस तरह अन्य राज्यों को भी इस दिशा में आगे आना चाहिए। प्रत्यूष के मार्च–25 के अंक में इस संबंध में प्रकाशित सनत जोशी का आलेख काफी अच्छा था। साथ ही परीक्षा के दिनों में बच्चों का मार्ग दर्शन करने वाला 'डॉ. रजनी नागदा' का आलेख भी प्रासंगिक और विचारणीय था।

चेतन जैन,
डायरेक्टर, मिकाडो स्कूल

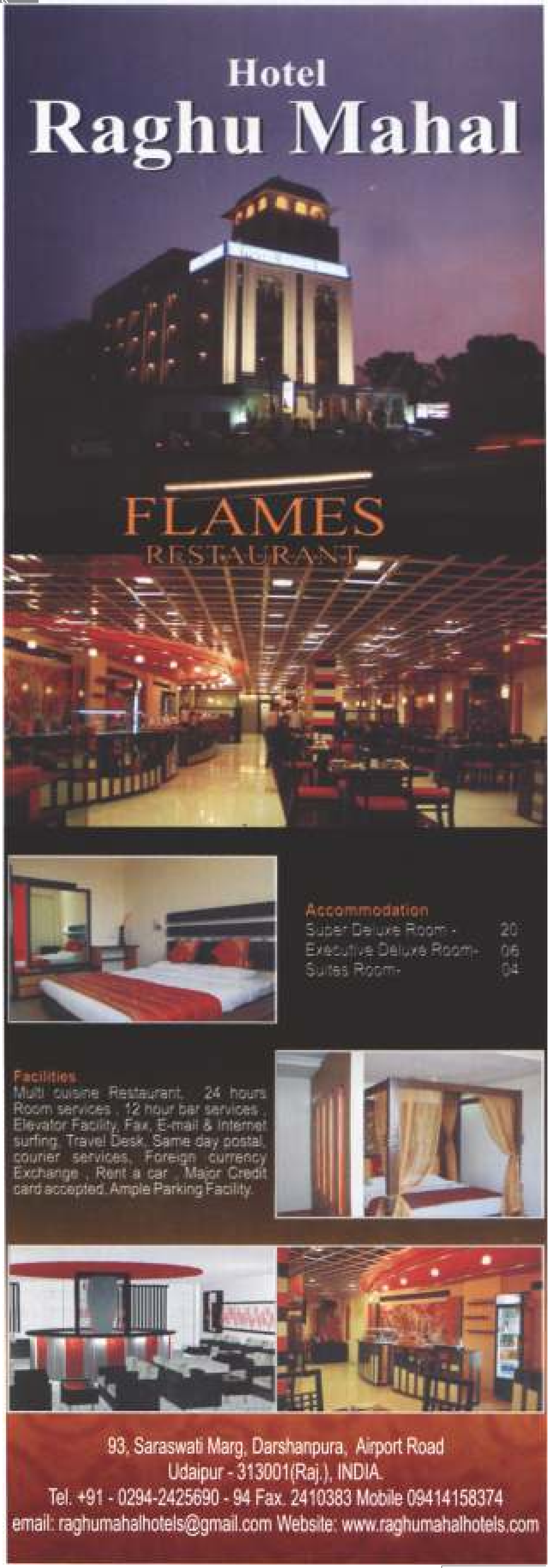

इस माह आपके सितारे

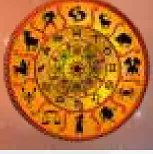

पं. शोभालाल शर्मा

मेष

यह माह मध्यम फलदायी रहेगा, विदेश यात्रा के प्रबल योग हैं, खर्चों में अप्रत्याशित वृद्धि रहेगी शारीरिक समस्याओं से भी सामना करना पड़ सकता है, नौकरी, व्यवसाय एवं करियर में अनुकूल परिणाम प्राप्त होंगे, माता जी के स्वास्थ्य की समस्या उभर सकती है, नेत्र रोग सता सकते हैं, सरकारी योजनाओं का लाभ मिलेगा।

वृषभ

यह माह अनुकूल साबित होगा, आय में वृद्धि होगी, प्रेम संबंधों में उतार–चढ़ाव रहेगा। जीवन साथी का स्वास्थ्य बिगड़ सकता है। पारिवारिक जीवन में सुख का भाव रहेगा, स्वास्थ्य अनुकूल रहेगा, व्यवसायी एवं नौकरीपेशा जातक सन्तुष्ट रहेंगे, किसी अच्छे मार्गदर्शक के सानिध्य में कार्य करें, माह के अंत में विदेश यात्रा संभव।

मिथुन

माह के पूर्वार्द्ध में वाणी में कड़वाहट और क्रोध दोनो दिखाई देंगे, नियंत्रण परम आवश्यक है। अपने खर्चों को नजरअंदाज न करें, विदेश यात्रा के अच्छे योग बनेंगे, कार्य क्षेत्र में उतार–चढ़ाव आएगा, नौकरी में कार्य का दबाव रहेगा, धार्मिक कार्यों में खर्च अधिक होगा, आय समान्य रहेगी।

कर्क

यह माह अनुकूल परिणाम देने वाला रहेगा, आय में वृद्धि होने एवं आर्थिक लाभ भी प्राप्त होगा, अपने से वरिष्ठ जनों सानिध्य एवं सहयोग प्राप्त होगा, स्थाई सम्पति में वृद्धि के संकेत हैं, प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता मिलेगी, परिवारिक जीवन सामान्य रहेगा, साझेदारी में वाद–विवाद संभव है।

सिंह

माह का पूर्वार्ध उथल–पुथल भरा रहेगा परंतु उत्तरार्ध में मान–सम्मान में वृद्धि होगी, कानूनी पचड़ों में न पड़ कर अपने स्तर पर ही मामले सुलझावें। विद्यार्थी वर्ग को अनुकूल परिणामों की प्राप्ति होगी, आमदनी अच्छी रहेगी, स्वास्थ्य कमजोर रहेगा, सचेत रहें।

कन्या

यह माह मध्यम फलप्रद रहेगा, कार्यों में रुकावटें संभव, वैवाहिक संबंधों में टकराव की स्थिति रहेगी। नौकरीपेशा को अनुकूलता रहेगी, व्यापार में चुनौतियों का सामना करना पड़ेगा, आर्थिक स्थिति अनुकूल रहेगी, पद में वृद्धि, स्वास्थ्य कमजोर रहेगा, पाचन तंत्र संबंधित समस्याए उभर सकती हैं।

तुला

करियर की दृष्टि से यह माह औसत फलदायी रहेगा, शारीरिक एवं मानसिक परेशानियां हो सकती हैं, खर्चों में बढोतरी संभव, आर्थिक तौर से यह माह चुनौतीपूर्ण रह सकता है, व्यापार में उन्नति मिल सकती है, विद्यार्थी वर्ग को मुश्किलों का सामना करना पड़ेगा, विदेश जाने की इच्छा पूरी हो सकेगी।

इस माह के पर्व/त्योहार

1 अप्रेल	चैत्र शुक्ल तृतीया	गणगौर व्रत
5 अप्रेल	चैत्र शुक्ल अष्टमी	दुर्गाष्टमी
6 अप्रेल	चैत्र शुक्ल नवमी	श्री राम नवमी
7 अप्रेल	चैत्र शुक्ल दशमी	विश्व स्वास्थ्य दिवस
10 अप्रेल	चैत्र शुक्ल त्रयोदशी	भगवान महावीर जयंती
11 अप्रेल	चैत्र शुक्ल चर्तुदशी	महात्मा ज्योति बा फुले जयंती
12 अप्रेल	चैत्र पूर्णिमा	भगवान हनुमान प्राकट्योत्सव
13 अप्रेल	वैशाख कृष्णा प्रतिपदा	वैशाखी
14 अप्रेल	वैशाख कृष्णा द्वितीया	डॉ. भीमराव अम्बेडकर जयंती
18 अप्रेल	वैशाख कृष्णा पंचमी	गुरू तेग बहादुर जयंती / गुड फ्राइडे
22 अप्रेल	वैशाख कृष्णा नवमी	विश्व पृथ्वी दिवस
29 अप्रेल	वैशाख शुक्ल द्वितीया	श्री परशुराम प्राकट्योत्सव
30 अप्रेल	वैशाख शुक्ल तृतीया	अक्षय तृतीया (आखा तीज)

वृश्चिक

आय में वृद्धि रहेगी, एवं आर्थिक स्थिति मजबूत बनेगी, लेकिन स्वास्थ्य समस्याएं पीड़ित कर सकती हैं, पेट सम्बन्धित तकलीफें बढ़ सकती हैं। वैवाहिक संबंधों में प्रगाढ़ता आयेगी, नौकरी बदलने के प्रयास सफल रहेंगे, व्यापार में अच्छा लाभ मिलेगा, पारिवारिक संबंधों में अनुकूलता रहेगी, विद्यार्थी वर्ग मायूस रहेगा।

धनु

पारिवारिक जीवन में अशांति का वातावरण रहेगा, काम में मन कम लगेगा। जिससे नौकरी में समस्या हो सकती है। व्यापार करने वालों को उतार–चढ़ाव का सामना करना पड़ेगा, सेहत को लेकर विशेष सावधानी रखनी पड़ेगी। जीवन साथी के स्वास्थ्य की समस्याएं परेशान कर सकती हैं, महिने के पूर्वार्ध में खर्चों की अधिकता रहेगी।

मकर

जीवन के विभिन्न क्षेत्रों में सफलता मिलेगी, मन धार्मिक क्रिया–कलापों में खूब लगेगा, तीर्थ यात्राओं के योग बनेंगे, थोड़ी अन्यमनस्कता बनी रहेगी। नौकरी पेशा जातकों को अच्छे परिणाम मिलेंगे, कार्य क्षेत्र में अपने व्यवहार पर नियंत्रण रखें, व्यापारिक गतिविधियाँ औसत रहेंगी, कंधे एवं गले से जुड़ी समस्याएं उभर सकती हैं।

कुम्भ

आर्थिक मामले अनुकूल रहेंगे, नौकरी करने वाले जातक किसी षडयंत्र में फंस सकते हैं, अपने काम को बदलने के प्रयास लाभ दिलायेंगे। व्यापार करने वाले जातक अनुकूलता को प्राप्त कर लेंगे। विद्यार्थी वर्ग को बाधाओं का सामना करना पड़ेगा, जीवन साथी के स्वास्थ्य में कमी बने, अपनी दिनचर्या व्यवस्थित रखे।

मीन

आर्थिक तौर से यह माह शुभता देगा, विशेष कर माह का उत्तरार्द्ध। विद्यार्थी वर्ग को चुनौतियों का सामना करना पड़ेगा। व्यवहार में उतार–चढ़ाव देखने को मिलेगा, नौकरी में स्थिति अनुकूल रहेगी, स्वभाव की उग्रता कार्यक्षेत्र में नई समस्याओं को जन्म देगी, सहकर्मियों का अच्छा सहयोग मिलेगा, स्वास्थ्य पर अधिक खर्चा होगा।

गीतांजलि सिनेप्स 2025: विद्यार्थियों ने दिखाया उत्साह

अनुपम खेर व सुनिधि हुए शामिल

उदयपुर। गीतांजलि विश्वविद्यालय में दो दिवसीय गीतांजलि सिनेप्स 2025 का आयोजन 27-28 फरवरी को संपन्न हुआ। इस सांस्कृतिक महोत्सव में मेडिकल पैरामेडिकल, फार्मेसी, डेंटल, फिजियोथेरेपी और नर्सिंग कॉलेज के विद्यार्थियों ने उत्साह से भाग लिया। प्रथम दिन प्रख्यात अभिनेता अनुपम खेर ने विद्यार्थियों से जीवन में आने वाली चुनौतियों और उनके समाधान पर विस्तार से चर्चा की। उन्होंने कहा कि वह अपने जीवन को एक फिल्म की तरह देखते हैं और अपने संघर्षों को सकारात्मक दृष्टिकोण से अपनाते हैं। उन्होंने कहा कि असफलता एक घटना है, व्यक्ति नहीं। भगवान ने प्रत्येक व्यक्ति को विशेष बनाया है और खुद को जानना ही सबसे महत्वपूर्ण है। जीवन बहुत सुंदर है और हर दिन कुछ जरूर सीखें। इससे पहले गीतांजलि ग्रुप के चेयरमैन जेपी अग्रवाल, वाइस चेयरमैन कपिल अग्रवाल, एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर अंकित अग्रवाल, यूनिवर्सिटी के वाइस चांसलर डॉ. राकेश व्यास और रजिस्ट्रार मयूर रावल ने अभिनेता खेर का स्वागत किया। चेयरमैन जेपी अग्रवाल ने अपने संबोधन में कहा कि देश का भविष्य युवाओं के सुरक्षित हाथों में हैं। उन्होंने कहा कि असफलता और सफलता दोनों ही जीवन के अहम पहलू हैं। असफलता हमें सीखने और आगे बढ़ने का अवसर देती है। दूसरे दिन समापन समारोह में सुप्रसिद्ध बॉलीवुड गायिका सुनिधि चौहान ने अपनी प्रस्तुतियों से समां बांध दिया। जैसे ही वे मंच पर आई, पूरा प्रांगण उनके नाम से गूंज उठा। उन्होंने आंख, कमली, शीला की जवानी, क्रेजी किया रे, ये जो हल्का हल्का सुरूर है जैसे एक के बाद एक कई लोकप्रिय गाने पेश किए, जिन पर दर्शक झूम उठे। दो दिवसीय इस कार्यक्रम के दौरान, रंगारंग सांस्कृतिक और खेलकूद गतिविधियों का आयोजन भी हुआ। विजेता प्रतिभागियों को मेडल्स और अवार्ड से सम्मानित किया गया। एक्जीक्यूटिव डायरेक्टर अंकित अग्रवाल ने कहा कि यह कार्यक्रम न केवल विद्यार्थियों के लिए मनोरंजन से भरपूर रहा, बल्कि उनकी प्रतिभा को निखारने और नए अनुभव प्रदान करने का भी एक बेहतरीन मंच साबित हुआ।

केन्द्र ने बढ़ाया प्रो. सारंगदेवोत का कार्यकाल

उदयपुर। जनार्दन राय नागर राजस्थान विद्यापीठ (डीम्ड टू बी यूनिवर्सिटी) के कुलपति कर्नल प्रो. शिवसिंह सारंगदेवोत को दत्तोपंत ठेंगडी राष्ट्रीय श्रमिक शिक्षा एवं विकास बोर्ड की क्षेत्रीय सलाहकार समिति के अध्यक्ष पद पर पुन: नियुक्त किया गया है। भारत सरकार के श्रमिक शिक्षा एवं विकास बोर्ड, महानिदेशालय, नई दिल्ली द्वारा उन्हें आगामी दो वर्षो 19 दिसम्बर 2024 से 18 दिसम्बर 2026 के लिए यह जिम्मेदारी सौंपी गई।

साहू राष्ट्रीय राजनीतिक प्रकोष्ठ अध्यक्ष

उदयपुर। पूर्व राष्ट्रीय वरिष्ठ मंत्री उदयपुर निवासी रामलाल साहू को सामाजिक सेवाओं, कर्मठता, जागरूकता एवं संगठन के प्रति कर्तव्यनिष्ठा को दृष्टिगत रखते हुए अखिल भारतीय तेली महासभा के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष सत्यनारायण मंगरोरा की अनुशंसा पर राष्ट्रीय अध्यक्ष बाबूलाल राठौर ने राष्ट्रीय राजनीतिक प्रकोष्ठ का अध्यक्ष मनोनीत किया।

इंटर स्कूल हैकाथॉन में मिरांडा स्कूल तृतीय

उदयपुर। जिला स्तरीय इंटर स्कूल कोडिंग और रोबोटिक्स हैकाथॉन में मिरांडा स्कूल के विद्यार्थियों दर्शिल नागदा, हिमांशी कुंवर, दिवेश और जानवी शर्मा ने भाग लेकर तीसरा स्थान प्राप्त किया। विद्यालय के निदेशक दिलीप सिंह यादव द्वारा विद्यार्थियों को सम्मानित किया गया। इन विद्यार्थियों का मार्गदर्शन शिक्षक किरण कपिल और भावेश खंडेलवाल ने किया।

अमरगिरी को महंत की पदवी

उदयपुर। काशी में अखिल भारतीय अखाड़ा परिषद की ओर से तपोनिधि पंचायती निरंजनी अखाड़ा एवं पंचायती अखाड़ा आनंद द्वारा बालाजी हनुमान मंदिर निरंजनी अखाड़ा सूरजपोल के महंत अमर गिरी को सम्मानित महंत की पदवी प्रदान की गई। इस अवसर पर अखाड़ा परिषद के महंत रविन्द्र पुरी, सचिव महंत राम रतन गिरी हरिद्वार, सचिव महंत नीलकंठगिरी प्रयागराज काशी एवं महंत गंगा गिरी एवं अखाड़ा के समस्त पंच परमेश्वर एवं समस्त संत समाज की उपस्थिति रही।

स्कॉलर्स एरिना में खेलकूद प्रतियोगिताएं

उदयपुर। आरकेपुरम स्थित द स्कॉलर्स एरिना संस्थान में 11वीं वार्षिक खेलकूद प्रतियोगिता ऊर्जा 2024-25 हुई। इसमें विविध खेलों में नर्सरी से लेकर 11वीं तक के बच्चों ने उत्साह से भाग लिया। प्रतियोगिता में मुख्य अतिथि उद्योगपति मानसिंह सिसोदिया, कृष्णा फाउंडेशन की सचिव राकेश दुग्गल, कृष्णा फाउंडेशन की निदेशक कीर्ति सूद एवं पद्मावती शिक्षण संस्थान के संरक्षक बीएल जैन मौजूद रहे। अतिथियों ने दीप प्रज्जवलन एवं ध्वजारोहण कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। इसके बाद विद्यार्थियों ने शारीरिक व्यायाम, मार्च पास्ट, कूडो व कराटे, बैक टू बैक रेस एवं विभिन्न खेलों की प्रस्तुतियां दी। सभी विद्यार्थियों ने विभिन्न खेलों में भाग लिया। प्रतियोगिताओं के तहत रिंग रेस, चम्मच रेस, रिले रेस, थ्री लेग, रेस आदि का आयोजन हुआ। विजेताओं को पदक देकर सम्मानित किया गया। सांस्कृतिक आयोजन में बच्चों ने शानदार प्रस्तुतियां देकर सभी का मन मोह लिया। इस दौरान राज्य स्तरीय प्रतियोगिताओं में पदक जीतने वाले छात्र-छात्राओं को सम्मानित किया गया। स्वागत उद्बोधन प्राचार्य डॉ. लोकेश जैन एवं आभार संस्था की सचिव विदुषी जैन ने दिया। संयोजक विक्रमजीतसिंह एवं हरिसिंह देवड़ा थे। संचालन अंकिता अग्रवाल, संगीता शर्मा एवं नीलू असनानी ने किया।

सेन्ट एंथेनी के बच्चों ने दिखाई प्रतिभा

उदयपुर। छात्र-छात्राओं द्वारा विभिन्न दौड़, परेड, आइटम रेस, पीटी व नृत्य सहित कुल 98 रेस में उत्साह से भाग लिया गया। इस दौरान अतिथियों सहित अभिभावकों ने भी उनकी सराहना की। यह आयोजन सेक्टर 4 स्थित सेंट एंथोनीज स्कूल के जूनियर वार्षिक खेलकूद दिवस पर हुआ। विकास साहू ने बताया कि नर्सरी से कक्षा 5 तक के बच्चों ने प्रतियोगिता में भाग लिया। प्रथम, द्वितीय, तृतीय रहे छात्र-छात्राओं को अतिथियों ने स्वर्ण, रजत, कांस्य पदक प्रदान किए। समारोह में मुख्य अतिथि थानाधिकाारी दिलीप सिंह झाला, डॉ. शुभा सुराणा, डॉ. सतीश कुमार शर्मा, नितिन बिस्ट, मात्यरा त्यागी थे। अध्यक्षता संस्था प्राचार्य विलियम डिसूजा ने की। संचालन शोभना चौधरी व विनीता मेहता ने किया। इस दौरान विद्यालय के होनहार खिलाड़ियों का सम्मान प्रशस्ति पत्र पारितोषिक देकर किया गया। इनमें अंतरराष्ट्रीय तैराक युग चेलानी भी शामिल थे।

अस्पताल में एम्बुलेंस भेंट

उदयपुर। समाजसेवी अशोक जैन ने दादी पोन्नम्मा सुकुमारन और मित्र हर्ष पंड्या की स्मृति में महाराणा भूपाल चिकित्सालय में निशुल्क सेवा के लिए एम्बुलेंस भेंट की। एम्बुलेंस का कार्यभार वागड़छप्पन बिसा नरसिंगपुरा समाज उदयपुर द्वारा और संचालन शिवसेना द्वारा संचालित, ट्रांसपोर्ट सेना द्वारा किया जाएगा। इस अवसर पर भाजपा नेता जिनेन्द्र शास्त्री, एमबी हॉस्पीटल के अधीक्षक डॉ. आरएल सुमन, डॉ. संजीव टांक, इरशाद चैनवाला, कमलेन्द्र सिंह पंवार सहित कई गणमान्य लोग मौजूद थे।

गुप्ता बने न्याय मित्र

उदयपुर। स्थायी लोक अदालत ने शहर तथा यूडीए के अधिकार क्षेत्र में आगामी 24 माह के लिए पूर्व नगरपालिका डूंगरपुर के सभापति केके गुप्ता को लोक सफाई एवं स्वच्छता की व्यवस्था को सुचारू एवं प्रभावी ढंग से करवाने तथा स्वच्छ भारत मिशन के प्रावधान को समुचित रूप से लागू करवाने में सहयोग के लिए न्याय मित्र नियुक्त है।

बड़ाला अध्यक्ष, सुराणा सचिव

उदयपुर। बिजनेस सर्कल इंडिया (बीसीआई) की अशोका पैलेस में आयोजित बैठक में बड़ाला क्लासेस के सीए राहुल बड़ाला को अध्यक्ष और अनुष्का एकेडमी के राजीव सुराणा को सचिव नियुक्त किया गया। दोनों पदाधिकारी शीघ्र ही कार्यकारिणी का गठन करेंगे। माधवानी ने बताया कि बीसीआई एजुकेशन में वे सदस्य शामिल होंगे, जो कॉलेज, विश्वविद्यालय, अकादमी, संस्थान या कोचिंग सेंटर का संचालन कर रहे हैं। इस मंच के माध्यम से छात्रों और अभिभावकों को एक ही स्थान पर शिक्षा, कॅरियर मार्गदर्शन और प्रवेश प्रक्रिया से जुड़ी समस्त जानकारी दी जाएगी।

राजेश बी मेहता उपाध्यक्ष नियुक्त

उदयपुर। अंतरराष्ट्रीय पुष्टिमार्गीय वैष्णव परिषद की बैठक बड़ोदरा में संपन्न हुई। इसमें राजेश बी मेहता को अंतरराष्ट्रीय पुष्टिमार्गीय वैष्णव परिषद में केन्द्रीय उपाध्यक्ष के रूप में नियुक्त किया गया।

सारिका बनी राजस्थान महिला कांग्रेस अध्यक्ष

जयपुर। कुचामन की सारिका सिंह को राजस्थान प्रदेश महिला कांग्रेस का अध्यक्ष नियुक्त किया गया। कांग्रेस ने हाल ही राजस्थान सहित छह राज्यों में महिला कांग्रेस अध्यक्षों की नियुक्ति की है। गुजरात में गीता पटेल, गोवा में डॉ. प्रतीक्षा एन खलप, मिजोरम में जोडिनलियानी, पांडिचेरी में ए. राहमथुनीसा और अंडमान निकोबार में जुबैदा बेगम को नियुक्ति दी गई हैं। सारिका सिंह राजस्थान हाइकोर्ट में एडवोकेट है। वे किसान परिवार से ताल्लुक रखती है। इन्होंने पंजाब, दिल्ली और कर्नाटक चुनाव में भी कांग्रेस पार्टी के प्रभारी के रूप में कांग्रेस प्रतयाशियों के लिए प्रचार किया था।

मथारू बने कोल माइनिंग व थर्मल पावर एप्रसल कमेटी के राष्ट्रीय अध्यक्ष

उदयपुर। वन पर्यावरण एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय की ओर से उदयपुर के भारतीय वन सेवा से सेवानिवृत्त मुख्य वन संरक्षक इन्द्रपालसिंह मथारू को कोल माइनिंग एंड थर्मल पावर की एक्सपर्ट एप्रसल कमेटी का चेयरमैन मनोनीत किया गया है। मथारू राजस्थान से इस पद पर मनोनीत होने वाले भारतीय वन सेवा के पहले अधिकारी हैं।

बड़ाला की 3 प्रतिभाओं ने पाया अखिल भारतीय स्तर पर स्थान

उदयपुर। हाल ही में घोषित सीएस एक्जीक्यूटिव और सीए परीक्षा परिणाम में बड़ाला क्लासेज की प्रतिभाओं ने अखिल भारतीय स्तर पर स्थान हासिल किया। बड़ाला क्लासेज ने इन प्रतिभाओं को नकद पुरस्कार देकर प्रोत्साहित किया। निदेशक सीए राहुल बड़ाला ने बताया कि सीए एक्जीक्यूटिव में खुशबू कंवर ने 440 अंक के साथ अखिल भारतीय स्तर पर प्रथम स्थान प्राप्त किया। साथ ही सीए इंटरमीडिएट में प्रणिल खमेसरा ने 461 अंक के साथ अखिल भारतीय स्तर पर 36वां स्थान तथा दीप्ति लोढ़ा ने 452 अंक के साथ अखिल भारतीय स्तर पर 45वां स्थान प्राप्त किया। निदेशक सीएमए सौरभ बड़ाला ने बताया कि अखिल भारतीय स्तर पर रैंक, प्राप्त करने वाली तीनों बेटियों को 25-25 हजार का नकद पुरस्कार देकर सम्मानित किया। निदेशक सीए निशांत बड़ाला ने बताया कि सम्मान समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में अनुष्का एकेडमी के निदेशक राजीव सुराणा, द इंस्टीट्यूट ऑफ चार्टर्ड एकाउंटेंट्स ऑफ इंडिया के उदयपुर चैप्टर के चेयरमैन सीए राहुल महेश्वर एवं समाजसेवी विप्लव जैन उपस्थित थे।

वर्ल्ड क्लास कृत्रिम अंग पर काम: प्रशांत अग्रवाल

उदयपुर। नारायण सेवा संस्थान त्रिदिवसीय अपनों से अपनी बात कार्यक्रम में संस्थान अध्यक्ष प्रशांत अग्रवाल ने कहा कि पीड़ित और दुखी व्यक्ति को सुखी, संतुष्ट और संतृप्त बनाना ही परम धर्म है। कार्यक्रम में देश के विभिन्न प्रांतों से दिव्यांगता सुधार की निशुल्क सर्जरी एवं हादसों में अपने हाथ-पांव गंवा देने वाले कृत्रिम अंग प्राप्त करने आए भाई-बहनों ने भाग लिया। इस दौरान अग्रवाल ने कहा कि सेवा कार्य में अहंकार का कोई स्थान नहीं है। देने वाला प्रभु है, अन्यथा व्यक्ति में क्या सामर्थ्य कि वह किसी को कुछ दे सके। उन्होंने कहा नारायण सेवा संस्थान ने अपनी स्थापना से यह संकल्प लिया हुआ है कि जब तक समाज में दिव्यांगता रहेगी, तब तक संस्थान की सेवा यात्रा भी अनवरत रहेगी। संस्थान दिव्यांगों को वर्ल्ड क्लास कृत्रिम अंग उपलब्ध कराने की योजना पर काम कर रहा है।

रोशनलाल श्रावक संघ अध्यक्ष मनोनीत

उदयपुर। श्री वर्धमान स्थानकवासी जैन श्रावक संघ कुम्हारवाड़ा के चुनाव में श्री संघ अध्यक्ष पद पर रोशनलाल जैन, निवर्तमान अध्यक्ष सुरेश नागौरी, महामंत्री हिम्मत बड़ाला, कोषाध्यक्ष पद पर दिनेश हिंगड़, उपाध्यक्ष पद पर बसंतीलाल वड़ाला और वर्धमान मेहता, मंत्री पद पर अशोक मेहता और रमेश खोखावत, संगठन मंत्री दिनेश चोरड़िया को नियुक्त किया गया। श्राविका संघ अध्यक्ष पद पर संतोष मेहता, महामंत्री सुनीता चंडालिया व कोषाध्यक्ष पद अनामिका सेठिया को नियुक्त किया गया। जबकि युवक परिषद अध्यक्ष पद पर निर्मल गोखरू, महामंत्री महावीर मेहता व कोषाध्यक्ष पद पर हेमंत दक नियुक्त हुए।

राजदीप जार जिलाध्यक्ष निर्वाचित

उदयपुर। जर्नलिस्ट्स एसोसिएशन ऑफ राजस्थान (जार) की उदयपुर जिला इकाईके अध्यक्ष पद पर वरिष्ठ पत्रकार राकेश शर्मा राजदीप पुनः निर्विरोध निर्वाचित हुए हैं। चुनाव अधिकारी व जार के प्रदेश सह संयोजक सुभाष शर्मा ने बताया कि अध्यक्ष पद के चुनाव में एकमात्र राकेश शर्मा राजदीप का नामांकन प्राप्त हुआ। जांच के बाद उनके निर्विरोध निर्वाचन की घोषणा की गई। इस अवसर पर गोपाल लोहार, बाबूलाल ओड़, दीपक माली, लक्ष्मण गोरान, दिनेश औदिच्य, पुनीत भटनागर, सतीश मेघवाल आदि ने अभिनंदन किया। उल्लेखनीय है कि राजदीप के नेतृत्व में संगठन पत्रकार हितों की सशक्त आवाज बनकर उभरा है।

प्रदेश उपाध्यक्ष बने रविन्द्र अग्रवाल

उदयपुर। रविन्द्र अग्रवाल को प्रदेशाध्यक्ष पश्चिमी राजस्थानअग्रवाल सम्मेलन में प्रदेश का उपाध्यक्ष नियुक्त किया गया है। रविन्द्र वर्तमान में हिरणमगरी अग्रवाल समाज के अध्यक्ष एवं अग्र बृज रज परिवार के संस्थापक भी हैं।

पैरेंट्स प्राइड स्थापना दिवस मनाया

उदयपुर। सरदारपुरा स्थित सेंट्रल एकेडमी सीनियर सैकंडरी स्कूल की पैरेंट्स प्राइड शाखा के दो दशक होने पर स्थापना दिवस मनाया गया। मुख्य अतिथि डॉ. स्मिता सिंह और विशिष्ट अतिथि सिद्धिकांक्षा मिश्रा थी। विद्यार्थियों ने रंगारंग प्रस्तुतियां दी। कविता, कहानी और खेल प्रतियोगिताओं के विजेताओं को पुरस्कार दिए गए। डॉ. सिंह ने कहा कि यह संस्थान बच्चों के भविष्य को नई ऊंचाईयों तक ले जा रहा है।

डॉ. शर्मा राजस्थान राज्य संगठन के अध्यक्ष बने

उदयपुर। कोटा में आयोजित वार्षिक कांफ्रेंस में भारत में डायबिटीज के अध्ययन और इलाज में प्रमुख भूमिका निभाने वाली संस्था, रिसर्च सोसायटी फॉर द स्टडी ऑफ डायबिटीज इन इंडिया के राजस्थान राज्य संगठन के अध्यक्ष डॉ. डीसी शर्मा को बनाया गया। डॉ. शर्मा ने कहा कि राजस्थान राज्य संगठन का उद्देश्य डायबिटीज से जुड़े जागरूकता अभियानों को और बढ़ावा देना और डायबिटीज के इलाज की नवीनतम विधियों को लागू करना होगा।

डॉ. शर्मा को पीपल एंड नेचर सर्विसेज टू वाइल्ड लाइफ अवार्ड

उदयपुर। टाइगर वॉच की ओर से पुलिस मुख्यालय में कार्यरत सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग के अतिरिक्त निदेशक व वाइल्ड लाइफ फोटोग्राफर व लेखन डॉ. कमलेश शर्मा को पीपल एंड नेचर सर्विसेज टू वाइल्डलाइफ अवार्ड से सम्मानित किया गया है। समारोह में वन्यजीव व पक्षी विशेषज्ञ हर्षवर्धन, पर्यावरण वैज्ञानिक डॉ. सतीश शर्मा, वरिष्ठ मीडियाकर्मी अरविंद चोटिया सहित देशभर के पर्यावरणप्रेमी मौजूद रहे।

अभा तेली महासभा के मंगरोरा राष्ट्रीय अध्यक्ष

उदयपुर। अखिल भारतीय तेल महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष बाबूलाल राठौर ने सत्यनारायण मंगरोरा की समाज के प्रति सेवाओं को देखते हुए उन्हें कार्यकारी राष्ट्रीय अध्यक्ष बनाने की घोषणा की है। राष्ट्रीय मीडिया प्रभारी कन्हैया पंडियार ने बताया कि इस बारे में नियुक्ति पत्र से समाज में हर्ष की लहर है।

डॉ. तिवारी को प्रयोगशाला मूल्यांकन के लिए कॉपीराइट

उदयपुर। मानव विकास और परिवार अध्ययन विभाग एमपीयूएटी की प्रो. गायत्री तिवारी को पैरेंट चाइल्ड डायडिक सिंक्रोनी के प्रयोगशाला मूल्यांकन के विकास के लिए केन्द्र सरकार से बौद्धिक संपदा अधिकार के तहत कॉपीराइट प्राप्त हुआ। डॉ. तिवारी ने बताया कि माता-पिता और बालक के बीच संवादात्मक व्यवहार का आकलन करने के लिए जांचकर्ता की ओर से डायडिक सिंक्रोनी इन्वेंटरी विकसित की गई। इस पैमाने में तीन भाग हैं।

महिंद्रा की एसयूवी बीई 6 और एक्स ईवी 9ई उदयपुर में लॉन्च

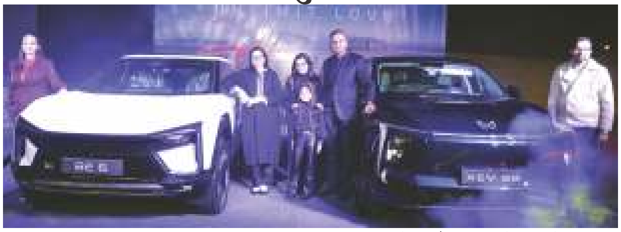

उदयपुर। महिंद्रा एंड महिंद्रा ने अपने एसयूवी मॉडल बीई 6 और एक्स ईवी 9 ई उदयपुर को उदयपुर स्थित डीलरशिप केएस ऑटोमोबाइल्स द्वारा शिकारबाड़ी में आयोजित कार्यक्रम में लॉन्च किया गया। मॉडल को अतिथि मेवाड़ के पूर्व राज परिवार की सदस्य मोहलक्षिका कुमारी मेवाड़, प्राणेश्वरी कुमारी मेवाड़ एवं हरितराज सिंह मेवाड़, केएस ऑटोमोबाइल्स के निदेशक सुनील कुमार परिहार व आकाश परिहार की उपस्थिति में लॉन्च किया गया।

छतलानी इंडिया स्टार ऑफ द ईयर से सम्मानित

उदयपुर। जनार्दन राय नागर राजस्थान विद्यापीठ के डॉ. चंद्रेश कुमार छतलानी को उनके उल्लेखनीय शोध और साहित्यिक योगदान के लिए इंडिया स्टार ऑफ द ईयर 2025 सम्मान से नवाजा गया है। यह सम्मान उन्हें दिल्ली के पीआरए फाउंडेशन द्वारा प्रदान किया गया।

स्थापना दिवस मनाया

उदयपुर। भारतीय औद्योगिक अभियांत्रिकी संस्थान उदयपुर चैप्टर का स्थापना दिवस टेक्नो इंडिया इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी के सभागार में मनाया गया। पायरोटेक सीएमडी पीएस तलेसरा औद्योगिक अभियांत्रिकी के महत्व को रेखांकित किया। मुख्य वक्ता टेक्नो एनजीआर इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी के निदेशक डॉ. गिरिराज न्याती ने डिजिटलाइजेशन के व्यापक प्रभाव, स्थिरता, सस्ती और स्वच्छ ऊर्जा पर प्रकाश डाला। आरएल तायलिया ने उदयपुर चैप्टर की उपलब्धियों की जानकारी दी। मुख्य अतिथि टेम्पसेंस अध्यक्ष वीपी राठी ने औद्योगिक विकास में योगदान पर विचार साझा किए। डॉ. आरएस व्यास, पीके जैन, सीपी जैन, एके जैन, एसएल जैन, अक्षत झाला, धीरज सोनी आदि मौजूद थे।

लोकतंत्र के चौथे स्तंभ से रूबरू बच्चे

उदयपुर। दैनिक भास्कर कार्यालय में गत दिनों स्कूली बच्चों ने खबरों के बनने के साथ ही अखबार के प्रकाशन को लाइव देखा और समझा। ये बच्चे डबोक के मेड़ता स्थित अल सोल्जर सीनियर सैकंडरी स्कूल के थे। ये सभी लोकतंत्र के चौथे स्तंभ मीडिया से रूबरू होने के लिए प्रिंसिपल रमेश चन्द्र सनाढ्य के साथ पहुंचे थे। इनके साथ स्कूल के देवश्रेष्ठ मालवी सहित अन्य स्टाफ भी मौजूद रहा।

पोरवाड़ समाजः अजय अध्यक्ष, डॉ. जैन मुख्य संरक्षक

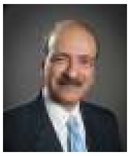

उदयपुर। पोरवाड़ समाज उदयपुर के चुनाव में पूर्व पार्षद अजय पोरवाल को सर्वसम्मति से समाज का अध्यक्ष चुना गया। इसके अलावा जीबीएच हॉस्पिटल के एमडी डॉ. कीर्ति जैन को मुख्य संरक्षक और राकेश पोरवाल को महामंत्री बनाया गया। अध्यक्ष निर्वाचित होने के बाद अजय पोरवाल ने समाजजनों का आभार व्यक्त किया।

मावली में पूर्व छात्र स्नेह सम्मेलन

मावली, पीएमश्री राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय में 9 मार्च को पूर्व छात्र स्नेहमिलन समारोह आयोजित किया गया। जिसमे दूर-दूर से आये पूर्व छात्र-छात्राओं ने उद्बोधन कार्यक्रम को यादगार बनाया। कार्यक्रम में 1960 के बाद अध्ययरत रहे पूर्व छात्र-छात्राओं का स्वागत तिलक एवं उपरने से किया गया। संस्था प्रधान श्रीमती कैलाश मेघवाल ने स्वागत उद्बोधन दिया। विद्यालय छात्राओं ने स्वागत नृत्य प्रस्तुत किया। अध्यक्षता कर्नल गुमान सिंह राव ने की। पूर्व छात्र परिषद के उपाध्यक्ष नाथूलाल लावटी, सचिव पूर्व अधिशाषी अभियंता पियूष जोशी, कोषाध्यक्ष धर्मेश लोढ़ा, महिला मंत्री प्रो. श्रीमती कोकिला जैन आदि के सानिध्य में हुए कार्यक्रम में सभी ने अपनी यादें बांटते हुए विद्यालय विकास में यथा संभव सहयोग का आश्वासन दिया। पूर्व सहायक अभियंता हीरालाल कोठारी, पूर्व प्राचार्य बसंत कुमार त्रिपाठी, पूर्व अधिशाषी अभियंता पुरुषोत्तम पालीवाल, प्रो. डॉ. गगन बिहारी दाधीच, डॉ. राजकुमार यादव, भारत सरकार में श्रम आयुक्त रहे सतीश जोशी, ओम प्रकाश खत्री, जामनगर में उद्योगपति रमेश लावटी, मुम्बई से सेवानिवृत प्रोफ़ेसर शब्बीर हुसैन बोहरा, पूर्व प्राचार्य राजेंद्र त्रिपाठी,मोहन दास वैष्णव,रफीक अहमद मीर आदि ने विद्यालय समय संस्मरण बताए। संचालन डॉ. महेश त्रिपाठी व दिलीप त्रिपाठी ने किया।

यूनियन बैंक का मेगा एमएसएमई आउटरीच अभियान

उदयपुर। यूनियन बैंक ऑफ इंडिया की ओर से एमएसएमई आउटरीच अभियान का आयोजन किया गया। अभियान का शुभारंभ सांसद मन्नालाल रावत ने किया। इस अवसर पर केन्द्रीय कार्यालय के मुख्य महाप्रबंधक सुरेशचन्द तेली मौजूद थे। इस अवसर पर ग्राहकों को बैंक की योजनाओं के बारे में बताया।

हारमोन व मधुमेह के कारणों व इलाज पर मंथन

उदयपुर। द एण्डक्राइन एंड डायबिटीज रिसर्च ट्रस्ट और डायबिटीज वेलफेयर सोसायटी के तत्वावधान में गत दिनों आयोजित दो दिवसीय सेमिनार एण्डोडायकोन 2025 में देश के विभिन्न राज्यों से 200 से अधिक विषय विशेषज्ञों ने भाग लिया। संस्थापक डॉ. डीसी शर्मा ने बताया कि दोनों दिन हारमोन व मधुमेह बीमारियों के संदर्भ में 45 लेक्चर हुए और इन बीमारियों के 6 केस पर चर्चा की गई। उन्होंने बताया कि मोटापा पर अमेरिका में शोध की गई नई दवा टर्जेपआईड अब शीघ्र ही भारत में उपलब्ध होने वाली है। यह दवा मधुमेह व मोटापा के रोगियों के इलाज के लिए अमेरिकन ऑथोरिटी द्वारा स्वीकृत की गई है। प्रो. डॉ. अनिल भंसाली ने थायराइड की जांचों एवं जटिल थायराइड रोगों पर प्रकाश डाला। डॉ. डीसी शर्मा ने हारमोन, थायराइड, डायबिटीज, प्रजनन हारमोन, ग्रोथ संबंधी हारमोन, किशोरावस्था संबंधी हारमोन्स पर नवीनतम शोध व जानकारी साझा की। सेमिनार में दिल्ली के डॉ. विनीत सुराणा व सूरत की डॉ. आकांक्षा अझरिया ने डायबिटीज में नित नई आने वाली दवाएं, नए अनुसंधान, शोध पर प्रकाश डाला। सेमिनार में ब्लड प्रेशर के जटिल रोग एवं आम समस्या नमक की कमी को लेकर उत्पन्न होने वाली समस्या पर डॉ. आरके शर्मा, डॉ. संदीप कंसारा, डॉ. डीसी कुमावत, डॉ. अतुलाभ वाजपेयी, डॉ. कपिल भार्गव, डॉ. जय चोर्डिया, डॉ. राहुल सहलोत, डॉ. विनोद बोकड़िया, डॉ. सोनिया गुप्ता, डॉ. वीरेन्द्र गोयल सहित अनेक वरिष्ठ चिकित्सकों ने अपने विचार रखे।

हर बच्ची को एचपीवी वैक्सीन लगेः डॉ. जैन

उदयपुर। जीबीएच ग्रुप ऑफ हॉस्पिटल के चेयरमैन डॉ. कीर्ति कुमार जैन ने कहा कि बच्चेदानी के मुंह का कैंसर हर साल डेढ़ लाख महिलाओं को संक्रमित कर रहा है। यदि 25 साल की उम्र तक हर बच्ची को एचपीवी वैक्सीन लग जाए तो इस कैंसर को 99 प्रतिशत तक रोकना संभव होगा। डॉ. जैन चिकित्सा एवं स्वास्थ्य परिवार कल्याण विभाग व जीबीएच जनरल एवं कैंसर हॉस्पिटल की ओर से विश्व महिला दिवस पर कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। आयोजन अमेरिकन इंटरनेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेस सभागार में हुआ।

केंद्रीय मंत्री द्वारा डेयरी अवलोकन

उदयपुर। केंद्रीय डेयरी राज्यमंत्री प्रो. एसपी सिंह बघेल ने गत दिनों सरस डेयरी का दौरा कर दूध की प्रोसेसिंग, गुण नियंत्रण, दुग्ध उत्पादों के निर्माण प्रक्रिया की जानकारी ली। उन्होंने गांवों में डेयरी गतिविधियों को बढ़ाने एवं अधिक से अधिक पशुपालकों को डेयरी व्यवसाय से जोड़ने तथा दूध एवं दुग्ध उत्पादों की गुणवत्ता पर जोर दिया। दुग्ध संघ उदयपुर के अध्यक्ष डालचंद डांगी ने संघ के माध्यम से सरकार की ओर से आमजन को उपलब्ध कराई जा रही सुविधाओं के बारे में जानकारी दी। प्रबंध संचालक विपिन शर्मा ने संघ के समस्त क्रियाकलापों एवं दुग्ध उत्पादकों के लिए चलाई जा रही विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी देते हुए संघ की प्रगति से अवगत कराया।

सैटेलाइट अस्पताल में आमेटा को नया जिम्मा

उदयपुर। हिरणमगरी स्थित राजकीय सैटेलाइट चिकित्सालय में नर्सिंग अधीक्षक के रिक्त पद पर सीनियर नर्सिंग ऑफिसर रमेशचन्द आमेटा को कार्यवाहक नर्सिंग अधीक्षक नियुक्त किया है। अस्पताल अधीक्षक डॉ. राहुल जैन ने यह नियुक्ति की है। आरएनए के संभागीय अध्यक्ष नरेश पूर्बिया ने बताया कि आमेटा की नियुक्ति पर जिला अध्यक्ष पवन कुमार, प्रवीण चरपोटा, संरक्षक रमेश मीणा, कार्यकारी प्रदेश अध्यक्ष हेमंत आमेटा आदि ने प्रसन्नता व्यक्त की है।

राजभाषा उपसमिति का दौरा

उदयपुर। संसदीय राजभाषा समिति की तीसरी उपसमिति के सदस्यों ने गत दिनों सिटी पैलेस का भ्रमण किया और पूर्व राजपरिवार के सदस्य डॉ. लक्ष्यराजसिंह मेवाड़ से मुलाकात की। डॉ. लक्ष्यराजसिंह ने मेवाड़ के समृद्ध इतिहास, संस्कृति, सिटी पैलेस व अन्य पर्यटन स्थलों के महत्व के बारे में जानकारी दी।

स्वार्थ रहित समाज सेवा बड़ी चुनौतीः पांडे

उदयपुर। जय एकलिंगनाथ राष्ट्रीय सेवा संगठन का होली मिलन और पहला कार्यकर्ता सम्मेलन किसान भवन में हुआ। मुख्य अतिथि डॉ. विनोद पांडे ने कहा कि स्वार्थ रहित होकर समाजसेवा करना आज बहुत बड़ी चुनौती है और ऐसे में एकलिंगनाथ राष्ट्रीय सेवा संगठन के कार्यकर्ता उदयपुर में समाजसेवा के उदाहरण हैं। विशेष अतिथि समाजसेवी निर्मल पंडित थे। प्रारंभ में संगठन के संस्थापक अध्यक्ष आकाश बागड़ी ने कहा कि संगठन की ओर से 17 मई को सर्वसमाज का पहला सामूहिक विवाह समारोह करवाया जा रहा है जो पूरी तरह निशुल्क होगा। समारोह में दीपक मेनारिया, संतोष तंवर, ज्योति सोनी, कौशल्या सालवी, जाह्नवी जोशी, किरण मेहता व गायत्री साहू का सम्मान किया गया। संचालन माधुरी शर्मा ने किया।

संवेदना/श्रद्धांजलि

उदयपुर। श्रीमती रामीबाई (धर्मपत्नी स्व. किशनलाल जी निमावत) का 5 फरवरी को स्वर्गवास हो गया। वे अपने पीछे शोकाकुल पुत्र बाबूलाल, चन्द्रप्रकाश व महेश कुमार, पुत्रियां कमला देवी वावला, चंद्रादेवी चंदेरिया, पौत्र-पौत्रियों, दोहित्र-दोहित्रियों एवं भाई-भतीजों का वृहद व संपन्न परिवार छोड़ गई हैं।

उदयपुर। पूर्व वरिष्ठ मुंसरिम श्री भंवरलाल जी कोठारी कूंथवास वाले का चौविहार संलेखना संथारा 7 फरवरी को सीज गया। वे अपने पीछे पत्नी भंवरदेवी, पुत्र एडवोकेट त्रय अशोक, संजय व जितेन्द्र, पुत्रियां श्रीमती आशा भाणावत व अर्चना कंठालिया सहित भाई-भतीजों का वृहद व संपन्न परिवार छोड़ गए हैं।

उदयपुर। गीतकार श्री किशन जी दाधीच (पूर्व कोषाध्यक्ष, राजस्थान साहित्य अकादमी) की धर्मपत्नी श्रीमती प्रभावती जी का 9 फरवरी को आकस्मिक देहावसान हो गया। वे अपने पीछे शोक संतप्त पति, पुत्रियां श्रीमती धीप्रदा एवं अक्षरा, देवर देशबंधु सहित दोहित्र-दोहित्री का भरापूरा परिवार छोड़ गई हैं।

उदयपुर। श्री रामप्रेमजी म.सा. सांसारिक नाम श्रीमती प्रेमकुमारी जी जैन धर्मपत्नी स्व. सोहनलाल जी जैन (बड़ालमिया) का 2 मार्च को दीर्घ संथारापूर्वक देवलोकगमन हो गया। वे अपने पीछे शोकाकुल पुत्र सुभाष व जितेन्द्र, पुत्री डॉ. नलिना लोढ़ा, जेठ-देवर, पौत्र-पौत्री, दोहित्र-दोहित्री एवं भाई-भतीजों का वृहद व संपन्न परिवार छोड़ गई हैं।

उदयपुर। श्री देवकीनंदन जी शर्मा का 5 मार्च को देहावसान हो गया। वे अपने पीछे शोक संतप्त पत्नी श्रीमती निर्मला देवी, पुत्र निश्चल, पुत्रियां नुपूर व पायल तथा भाई-भतीजों, पौत्र, दोहित्र-दोहित्री का भरापूरा परिवार छोड़ गए हैं।

उदयपुर। श्रीमती शांता जी कोठारी धर्मपत्नी स्व. आर.एस. कोठारी जी का 1 मार्च को देहावसान हो गया। वे अपने पीछे पुत्र जयंत, पुत्रियां श्रीमती बीना सिंघवी, श्रीमती लतिका कोठारी व उनका संपन्न एवं भरापूरा परिवार छोड़ गई हैं।

उदयपुर। जनाब शब्बीर हुसैन जी हबीब का 5 फरवरी को इंतकाल हो गया। वे अपने पीछे गमजदा पत्नी अकीला बाई, पुत्री सोफिया, पुत्र फिरोज एवं भाई-भतीजों का संपन्न अहले हबीब खानदान छोड़ गए हैं।

उदयपुर। श्री चितरंजननाथ जी सनाढ्य का 23 फरवरी को गोलोकगमन हो गया। वे अपने पीछे शोक संतप्त पुत्र-पुत्रवधू आशीष-कोहिल, पौत्र रियांश व भाई-भतीजों, भानेज-भांजियों का भरापूरा परिवार छोड़ गए हैं।

उदयपुर। श्री प्रकाशचन्द्र जी सिरोहिया का 26 फरवरी को आकस्मिक निधन हो गया। वे अपने पीछे शोक संतप्त धर्मपत्नी श्रीमती ऊषा देवी, पुत्र संजय, पुत्रियां भावना व आरती, पौत्र-पौत्रियो, दोहित्र-दोहित्रियों एवं भाई-भतीजों का वृहद व संपन्न परिवार छोड़ गए हैं।

उदयपुर। वरिष्ठ कांग्रेस कार्यकर्ता श्री उदयनंद जी पुरोहित का 26 फरवरी को स्वर्गवास हो गया। वे अपने पीछे शोकाकुल पत्नी श्रीमती नीना, बहिन प्रभावती सहित भानेज-भानजियों व भतीजा-भतीजियों का भरापूरा परिवार छोड़ गए हैं।

उदयपुर। सुश्री याशी व्यास का 16 जनवरी को आकस्मिक देहावसान हो गया। वे अपने पीछे शोक संतप्त दादी श्रीमती लक्ष्मीदेवी, माता-पिता, मीना-संजय व्यास सहित भाई-बहिनों एवं चाचा-ताऊ का भरापूरा परिवार छोड़ गई हैं।

उदयपुर। श्रीमती कंचन देवी जी (धर्मपत्नी स्व. श्री सज्जनसिंह जी मेहता) का 12 फरवरी को देहावसान हो गया। वे अपने पीछे शोक संतप्त पुत्रवधू सारिका (धर्मपत्नी स्व. ललित जी मेहता), पुत्री मनीषा जैन, पौत्र-पौत्री एवं भाई-भतीजों का संपन्न परिवार छोड़ गई हैं।

उदयपुर। श्री अशोक जी बागरेचा का 20 फरवरी को आकस्मिक निधन हो गया। वे अपने पीछे व्यथित हृदय धर्मपत्नी श्रीमती त्रिशला देवी, पुत्र सिद्धार्थ पुत्रियां, श्वेता ननावटी, पूनम लोढ़ा एवं मीनू गलूण्डिया तथा पौत्रियों, दोहित्र-दोहित्रियों व भाई भतीजों का संपन्न परिवार छोड़ गए हैं।

उदयपुर। श्रीमती भागवंती देवी जी कुमावत (धर्मपत्नी स्व. अम्बालाल जी ऊंटवाल) का 24 फरवरी को निधन हो गया। वे अपने पीछे शोक संतप्त पुत्र दीपक, अंकुर, पुत्रियां श्रीमती चन्द्रकला, अरुणा, रितु, उषा व सरिता तथा पौत्र-पौत्रियों, दोहित्र-दोहित्रियों का भरापूरा परिवार छोड़ गई हैं।

उदयपुर। श्रीमती प्रेमलता जी (धर्मपत्नी पूर्व सरपंच लोसिंग श्री बाबूलाल जी श्रीमाली) का 22 फरवरी को देवलोकगमन हो गया। वे अपने पीछे शोकाकुल पुत्र हेमंत व लोकेश, पुत्रियां श्रीमती ममता, भारती, भावना, किरण, कल्पना, पूनम व दिव्या, देवर-देवरानियां तथा उनका भरापूरा परिवार छोड़ गई हैं।

उदयपुर। श्रीमती मांगीबाई (धर्मपत्नी) स्व. श्री पन्नालाल जी लौहार का 103 वर्ष की आयु में 24 फरवरी को स्वर्गवास हो गया। वे अपने पीछे शोक संतप्त पुत्र डालचंद, जगदीश, पुत्रियां नर्बदादेवी, सज्जनदेवी, जानी बाई, रूकमणी बाई, गीता देवी एवं पौत्र-पौत्रियों, दोहित्र-दोहित्रियों का भरापूरा परिवार छोड़ गई हैं।

R.K. Carriers India Pvt Ltd.

Director

IAS ACCREDITED Management Systems Certification Body MSCB - 119

AN ISO 9001 : 2015 CERTIFIED COMPANY

INTERNATIONAL IAF ACCREDITATION FORUM

MATERIAL HANDLING

TRANSPORT

MINERAL PROCESSING

EXCAVATION MINING

Regd. Office: 40, Laxmi Nagar, Near Sub-City Center,
Sec. 8, Hiran Magri, Udaipur (Raj.) India-313001
Tel.: +91-294-2486274, +91-294-2483638, Fax : 0294-2483830
website: rkcarriers.com, E-mail: info@rkcarriers.com, accounts@rkcarriers.com

Happy Eid

SAH POLYMERS LIMITED

(Manufacturer of HDPE/PP Laminated & Unlaminated Woven Fabric, Sacks and F.I.B.C.)

E-260-261, M.I.A., Madri, Udaipur - 313003
Ph. : 0294-2490242, 2493889, TeleFax : 0294-2490534
E-Mail : info@sahpolymers.com, Website : www.sahpolymers.com

हार्दिक शुभकामनाओं सहित

आकाश वागरेचा

मो :- 94141-69241

EVEREST GROUP OF COMPANIES
SINCE 1963

एवरेस्ट ग्रुप ऑफ कम्पनीज

शुभलक्ष्मी बिल्डकॉन प्रा. लि.

सावा सर्जिकल प्रा. लि.

एवरेस्ट नेचुरो हर्ब प्रा. लि.

एवरेस्ट इंटरनेशनल होटल एंड रेस्टोरेंट

एवरेस्ट आशियाना बिजनेस प्रा. लि.

169-ओ रोड, भूपालपुरा, उदयपुर (राज.)

Janardan Rai Nagar Rajasthan Vidyapeeth (Deemed To Be University)

जनार्दन राय नागर राजस्थान विद्यापीठ (डीम्ड टू बी विश्वविद्यालय)

1937

सरस्वती देवयन्ते हवन्ते

Pratap Nagar, Udaipur – 313001 (Raj.) Ph. & Fax : 0294-2492440, Email: admissions@jrnrvu.edu.in

समस्त पाठ्यक्रम विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (UGC) से मान्यता प्राप्त

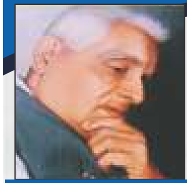

ADMISSION OPEN 2025-26

Manikyalal Verma Shramjeevi College

Faculty of Social Sciences and Humanities : Mob. : 9413263428, 9414353154

B.A. : English, Hindi, Sanskrit, History, Sociology, Geography, Economics, Political Science, Environmental Science, Jyotish

M.A. : English, Hindi, Sanskrit, History, Sociology, Geography, Economics, Political Science

Diploma Course : Diploma in Panchgavya, Diploma in Acupressure, P.G. Diploma in GIS & Remote Sensing, Bachelor of Journalism and Mass Communication **Certificate Course :** Spoken English, Proficiency in English and Communication Skills, Culture of Rajasthan, Research Methods and Data Analyst, Human Rights, Acupressure, Sanitation and Modern Society, Health Awareness

Faculty of Commerce : Mobile No. : 9460492196, 9460372183, 9461180053

B.Com., B.B.A., M.Com. (Accounting, Business Administration), Master of NGO Management, P.G. Diploma in Training & Development Certificate Course: Plastic Processing and Manufacturing Skills, Tally ERP-9.0, Goods and Service Tax (GST)

Faculty of Science : Ph. 7852803736, 9828072488

B.Sc. : Physics, Mathematics, Chemistry, Statistics, Computer Science, Botany, Zoology, Biotechnology, Environmental Science, Geology

M.Sc. Chemistry (Inorganic, Organic, Physical, Industrial)

M.Sc. : Mathematics, Physics, Botany, Zoology, Environmental Science, Statistics, Bioinformatics, Biotechnology

Faculty of Education - 9460693771

B.A.B.Ed. & B.Sc.B.Ed. (Four Year Integrated Course)

Jyotish and Vastu Sansthan - 9460030605

M.A. (ज्योतिर्विज्ञान), **Diploma and Certificate Courses in Astrology** (ज्योतिष), Vastu (वास्तु), Palmistry (हस्तरेखा), Worship System (पूजा पद्धति), Rituals (अनुष्ठान), Vedic Culture (वैदिक संस्कार संस्कृति).

महाराणा कुम्भा कला केंद्र - 6376147607

भूषण, प्रभाकर प्रथम, द्वितीय (शिक्षा विभाग बीकानेर द्वारा संचालित)

प्रमाणपत्र: तबला, ढोलक, बांसुरी, ड्रम, कांगो, गिटार, हारमोनियम, केसियो

Manikyalal Verma Shramjeevi Evening College
Mob. - 9414291078, 8209630249

B.A, BA (Additional), B.Lib MA (All Subjects), MA (Music)MA Education, M.Com, M.Sc (Chemistry/Botany /Zoology/Physics/Maths), MA/M.Sc (Psychology), M.Lib PG Diploma in Guidance counseling, PG Diploma in Mental Health Counselling, B.Ed in Special Education (ID), B.Ed Special Education (HI) D.Ed. Special Education (IDD) D.Ed. Special Education (HI), D.Ed. Special Education (VI), (BA/B.Com/B.Sc Integrated BEd special Education Eligibility 10+2), DCBR (Diploma in Community Based Rehabilitation), DISLI (Diploma in Indian sign language interpretation (subject to RCI approval), D.Lib, Diploma in Music

Department of Physical And Yoga Education
M.V. Shramjeevi Collage Campus, Ph.: 9352500445

PhD. Yoga, M.A.Yoga, P.G. Diploma In Yoga, PhD. Physical Education, M.A. Physical Education, Bachelor of Physical Education & Sports, (B.P.E.S), Diploma In Gym Instructor, Diploma in Sports Coaching (NIS) - 1 Year(Wrestling, Judo, Powerlifting, Yoga, Weight Lifting, Boxing, Wusu)

Department of Physical Education, Pratap Nagar Campus - 9829943205

Diploma in Sports Coaching (NIS) - 1 Year (Hockey, Football, Kabaddi, Volleyball, Basketball, Badminton), PG Diploma in Yoga, M.P.Ed.

Department of Law - 9414343363, 9887214600

B.A.LL.B. (5 Year Integrated Course), LL.B. (3 Year Degree Course), LL.M. (2 Years), Ph.D., PG Diploma (1 Year Course) in Labour Law (PGDLL). Cyber Law (PGDCL), Law & Forensic Science (PGDLFS). Accountancy & Taxation (PGDLTA) and Intellectual Property Laws (PGDIPL). LLM 2 years (Criminal and Business Law)

Diploma in Criminal Psychology

Department of Pharmacy - 9414869044

D. Pharma (Diploma in Pharmacy)

Faculty of Engineering - Rajasthan Vidyapeeth Technology College
Ph. : 0294-2490210, 9829009878, 9950304204

Diploma in Engineering- Civil Engineering, Electrical Engineering, Mechanical Engineering. Electronics & Communication Engineering, Computer Science. BCA (AICTE APPROVED)

Faculty of Computer Science and Information Technology
Ph. 2494227, 2494217, 9414737125

B.C.A. (AICTE APPROVED), M.C.A.(AICTE APPROVED), M.Sc.(CS), P.G.D.C.A., B.Voc in Software Development, DCA (Diploma in Computer Applications).

Department of Physiotherapy - Ph. : 0294-2656271, 9414234293

Bachelor of Physiotherapy (B.P.T.). Master of Physiotherapy (M.P.T.). Master of Hospital Management. Fellowship in Palliative Care and Oncology Rehabilitation, Fellowship in Neurological Rehabilitation, MBA in Health Care Management. Fellowship in Geriatric Care and Rehabilitation, Fellowship in Sports Rehabilitation, M.Sc. Osteopathy

Department of Nursing - Ph. 9460322351, 9828045854, 9928544749, 9887574613

B.Sc. Nursing

G.N.M. Nursing

Udaipur School of Social Work - Ph. 8118806319, 9829445889

Master of Social Work (MSW). PG Diploma in HRM, PG Diploma in CSR

Master of Social Work (MSW - Self Finance Evening Batch)

Sahitya Sansthan (Institute of Rajasthan Studies)
Ph. : 8003636352

M A in Ancient Indian History, Culture and Archaeology; PG Diploma in Archaeology.

School of Agricultural Sciences, Dabok - 9460728763

B.Sc. (Hons.) Agriculture, B.Sc. Horticulture, B.Tech. Food Technology,

M.Sc. in Agronomy, Horticulture, Plant Pathology and Genetics & Plant Breeding

Manikyalal Verma Shramjeevi Girls College, Dabok
Ph. : 0294-2655327, 9694881447, 9079919960, 8209568068,9166157526

B.A., B.Com., B.Sc., M.A. (English, Hindi, Sanskrit, Pol. Sc., History. Geography, Sociology, Economics), M.Com (Accountancy), M.Com in Business Adm., Special Classes for English Speaking and Computer Basics. Special classes for competition exams (free of charges)

R.V. Homeopathic Medical College and Hospital, Dabok
Ph. : 0294-2655974, 2655975, 9414156701, 9351343740, 8769746883

Bachelor of Homoeopathic Medicine and Surgery (BHMS) - 5 1/2 Course (ADMISSION FROM ALL INDIA QUOTA)

Faculty of Management Studies (FMS)
MBA - 9001056151,9414758184,9001556306,9782049628, BBA- 9950489333

B.B.A, M.B.A (H.R / Marketing / Finance / Production & Operation Management / I.B / I.T / Tourism and Travel / Retail Management / Agri-Business / Family Business Management), M.H.R.M.

Department of Travel, Tourism & Hotel Management
Faculty of Management Studies - 9950489333

BBA (Bachelor of Business Administration) BBA (Travel & Tourism) Specialisation in Hotel Management (AICTE approved)

Diploma in Hotel Management (Food & Beverage Service)

Diploma in Hotel Management (Food Production)

Diploma in Hotel Management (Housekeeping)

Manikyalal Verma Shramjeevi Girls College, Pratapnagar, Udaipur
Mob. : 9799693124,9929939963,9461658932,9461956134,6377836714,9636877910, 7976501619

B.A., B.Com, B.Sc. , M.A.(Hindi Literature, Geography,Political Science), M.Com.(Banking, Business Administration), Regular special classes for competitive exams(free of charges)

Lokmanya Tilak Teachers Training College, Dabok
Faculty of Education - Ph. : 8306182436, 0294-2655327

B.Ed., M.Ed., M.A. Education, B.A.B.Ed., B.Sc.B.Ed. (4 Year Integrated), B.Ed.-M.Ed. (3 Year Integrated), B.Ed. (Child Development), D.El.Ed., PG Diploma in Yoga

SHIVA © 9828244344

Note :

For more information about the admission in various courses like minimum percentage, fee structure etc. please go through our website : www.jrnrvu.edu.in, respective prospectus or contact concerned department

REGISTRAR

प्रकाशन की तिथि प्रत्येक माह की 23 तारीख वर्ष 22 अंक 12, Postal Registration No. RJ/UD/29-62/2024-26 Posting Date: 27th-28th of Every Month RNI No. RAJHIN/2003/9297 Posting Office: Chetak Circle, Udaipur

'प्रत्यूष' पत्रिका डिलिवर्ड न होने की स्थिति में इस पते पर लौटाएं: पंकज कुमार शर्मा, 2, रक्षाबंधन, मेहतों का पाड़ा, धानमण्डी, उदयपुर (राज.) 313 001